नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 14

अंक : 42

सोमवार, 18 से 24 नवंबर 2024

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

दिल्ली दंगेः हेड कांस्टेबल की मौत के मामले में अदालत... 03

चुनाव में एक हैं तो सेफ हैं कैसे बना महामंत्र? 08

ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे क्रिकेटर 10

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ 11

कृष 4 से वापसी करेंगे ऋतिक रोशन 12

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

महाराष्ट्र में महायुति प्रचंड बहुमत के साथ वापस, झारखंड में झामुमो की सत्ता बरकरार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने अपने-अपने यहां सत्तारूढ़ गठबंधन को शासन की बागडोर संभाले रखने का स्पष्ट जनादेश दिया है।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति ने प्रचंड जीत दर्ज की है जबकि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया समूह को करीब दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। महाराष्ट्र में कांग्रेस, राकांपा (शरद पवार) और शिव सेना (यूबीटी) गठबंधन ने लोकसभा की सफलता के बाद राज्य में सत्ता वापसी को सपना संजोया था वह बिखर गया और उनका गठबंधन करीब 50 सीट के आसपास सिमट गया है। राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के धड़े और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राकांपा ने प्रतिद्वंदी धड़ों को पीछे छोड़ दिया है। महाराष्ट्र के चुनाव में मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी के जनजातीय गणना और संविधान के लिए खतरे के मुद्दे के बजाय महायुति के विकास के नारे और कल्याणकारी योजनाओं का समर्थन किया है।

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा के साथ- साथ 15 राज्यों में 48 विधानसभा सीटों और दो लोकसभा सीटों पर भी चुनाव कराये गये थे। विधानसभा के उपचुनावों में सबसे चर्चित उत्तर प्रदेश के मुकाबलों में भाजपा और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) नौ में से सात सीटों पर जीत के साथ राजग का परचम ऊपर रखा जबकि पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और असम में सत्तारूढ़ दलों ने अपनी मजबूत जमाए रखी है।

केरल की वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चार लाख से अधिक मतों से विजयी घोषित हुयी हैं जबकि महाराष्ट्र की नांदेड लोक सभा सीट पर भाजपा के उम्मीदवार डॉ. संतुकराव मारोतराव हम्बारडे, कांग्रेस पार्टी के रवीन्द्र बसन्तराव चव्हाण से आगे चल रहे थे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन महाराष्ट्र में अभूतपूर्व जीत हासिल की है जबकि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन बड़े बहुमत के साथ पुनः वापसी कर रहा है।

भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रांकापा) के सत्तारूढ़ गठबंधन इस साल लोक सभा चुनाव में महाराष्ट्र में मिले आघात से उबरते हुये, विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत की ओर बढ़ रहा है। राज्य की 288 सीटों वाली विधानसभा के चुनाव की शनिवार को चल रही मतगणना के रुझानों के अनुसार, भाजपा-शिवसेना-रांकापा के महायुति गठबंधन को 169 सीटों पर जीत मिली चुकी है और 66 सीटों पर उसके उम्मीदवार बढ़त बनाये हुये हैं।

राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के उम्मीदवार 37 सीटों पर विजयी हुये हैं और 13 सीटों आगे चल रहे हैं। भाजपा को 92 सीटों पर जीत हासिल हुयी है और 41 सीटों पर बढ़त बनाए हुये है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महायति में शिवसेना 43 पर जीत हासिल की है और 14 पर बढ़त बनाए हुये है, रांकापा को 34 पर जीत हासिल हुयी है और सात पर बढ़त बनाये हुये है जबकि महायुति में शामिल जन सुराज्य शक्ति (जेएसएस) दो सीटों पर विजयी हुयी है। गठबंधन के घटक राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी (आरवाईएसपी) एक सीट पर आगे है और राष्ट्रीय समाज राजर्षि शाहू विकास अघाडी ने एक सीट पर जीत हासिल की है।

विपक्षी गठबंधन महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक कांग्रेस पार्टी को 10 सीटों पर जीत हासिल हुयी है और पांच पर उसके उम्मीदवार आगे चल रहे थे जबकि रांकपा (शरद पवार) को छह सीटों पर जीत मिली है और चार सीटों पर आगे चल रहे हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 17 सीटों पर विजय मिली है और तीन पर बढ़त बनाये हुये हैं। विपक्षी गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी को दो सीटें मिली हुयी हैं।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया और राष्ट्रीय समाज पक्ष को एक-एक सीट मिली है।

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तिहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को एक सीट पर बढ़त थी जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को विजय मिली हुयी है और एक अन्य निर्दलीय उम्मीदवार आगे चल रहा था।

शिवसेना के नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महायुति की सफलता को प्रचंड जीत बताते हुये कहा कि यह सफलता 'न भूतो, न भविष्यति' है। उन्होंने इसके लिये 'लाडली बहनों, लाडले किसानों' और हर वर्ग के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। श्री शिंदे ने इसे महायुति सरकार के ढाई साल के काम का सफल बताया।

शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के प्रवक्ता संजय राउत ने 'चुनाव परिणाम में कुछ गडबड़ जरूर है।' विधानसभा में स्पष्ट बहुमत के लिये 145 सीटों की जरूरत होगी।

उपमुख्यमंत्री और भाजपा के नेता ने चुनाव में महायुति की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुये कहा, ह्वहम महाराष्ट्र के हर नागरिक के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

राकांपा नेता अजीत पवार ने कहा कि 'लाडकी बहीण योजना' ने बाजी पलट दी है। मैंने अपनी याद में ऐसी जीत नहीं देखी।

महाराष्ट्र में अक्टूबर 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और संयुक्त शिवसेना मिलकर चुनाव लड़े थे और उन्हें क्रमशः 105 और 56 सीटों पर जीत मिली थी जबकि रांकापा को 54 और कांग्रेस को 44 सीट प्राप्त हुयी थी, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस रांकापा का दामन पकड़ लिया था।

मोदी ने महाराष्ट्र व झारखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र एवं झारखंड विधानसभाओं के चुनावों के नतीजे आने के बाद दोनों राज्यों की जनता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं को बधाई दी है तथा दोनों राज्यों में सुशासन एवं विकास की जनाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

श्री मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्टों में कहा, विकास की जीत! सुशासन की जीत! एकजुट होकर हम और भी ऊंची उड़ान भरेंगे! राजग को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए महाराष्ट्र की मेरी बहनों और भाइयों, विशेषकर राज्य के युवाओं और महिलाओं को हार्दिक आभार। यह स्नेह और गर्मजोशी अद्वितीय है। मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि हमारा गठबंधन महाराष्ट्र की प्रगति के लिए काम करता रहेगा। जय महाराष्ट्र!

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के जन-समर्थक प्रयास सर्वत्र गूंज रहे हैं! मैं विभिन्न उप-चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों को आशीर्वाद देने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

राहुल ने झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत के लिए लोगों के प्रति आभार जताया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत के लिए लोगों को धन्यवाद दिया और झारखंड मुक्ति मोर्चा तथा कांग्रेस कार्यकताओं को जीत की शुभकामनाएं दी। कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव परिणामों को अप्रत्याशित बताया और कहा कि बाद में गठबंधन के हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी।

श्री गांधी ने कहा,"झारखंड के लोगों का इंडिया गठबंधन को विशाल जनादेश देने के लिए दिल से धन्यवाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी, कांग्रेस और झामुमो के सभी कार्यकताओं को इस विजय के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। प्रदेश में गठबंधन की यह जीत संविधान के साथ जल-जंगल-जमीन की रक्षा की जीत है।" उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव परिणाम को चौंकाने वाला बताया और कहा, "महाराष्ट्र के नतीजे अप्रत्याशित हैं और इनका हम विस्तार से विश्लेषण करेंगे। प्रदेश के सभी मतदाता भाई-बहनों को उनके समर्थन और सभी कार्यकताओं को उनकी मेहनत के लिए धन्यवाद।"

दिल्ली: संगम विहार में हुआ एनकाउंटर

दिल्ली पुलिस सिपाही का हत्यारा एनकाउंटर में हुआ ढेर

- दिल्ली पुलिस सिपाही किरण पाल को मिला न्याय
- गोविंदपुरी थाने में तैनात थे सिपाही किरण पाल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल किरणपाल की हत्या के आरोपी बदमाश राघव उर्फ रॉकी को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुठभेड़ के बाद मार गिराया है.

डीसीपी प्रतीक्षा गोदारा की निगरानी में एसीपी राहुल विक्रम इंस्पेक्टर शिव कुमार, सतीश राणा की टीम ने संगम विहार इलाके में एन्काउन्टर किया।

ये एनकाउंटर शनिवार (23 नवंबर) रात संगम विहार इलाके की सूरजकुंड रोड पर हुआ. इस एनकाउंटर में गोली लगने के बाद राघव उर्फ रॉकी को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया.

यह घटना 22 नवंबर, 2024 की देर रात से शुरू हुई। कांस्टेबल किरणपाल अपने साथी कांस्टेबल बनई सिंह और कांस्टेबल सुनील के साथ गोविंदपुरी थाना क्षेत्र के आर्य समाज मंदिर के पास एक पुलिस बूथ पर तैनात थे। सुबह करीब 4:45 बजे, कांस्टेबल सुनील किसी काम से बूथ से बाहर गए थे। वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि कांस्टेबल किरणपाल वहां नहीं हैं। उनका फोन भी नहीं लग रहा था। काफी खोजबीन के बाद कांस्टेबल किरणपाल गली नंबर 13, संत रविदास मार्ग, गोविंदपुरी के पास घायल अवस्था में मिले। उन्हें चाकू मारा गया था और वह बेहोश पड़े थे। उन्हें तुरंत मजीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जांच में पता चला कि कांस्टेबल किरणपाल पर ड्यूटी के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। इस मामले में FIR नंबर 603/2024 दर्ज की गई। पुलिस ने जांच शुरू की और मुख्य संदिग्ध राघव उर्फ रॉकी की तलाश शुरू कर दी।23 नवंबर, 2024 की देर शाम पुलिस को सूचना मिली कि रॉकी संगम विहार के डी ब्लॉक में छिपा हुआ है। स्पेशल सेल (NDR) और नारकोटिक्स सेल की एक संयुक्त टीम ने इलाके को घेर लिया। टीम में एसआई आदेश, एचसी अर्जुन, एचसी कौशिंदर, एचसी बलकार और एचसी मोहित शामिल थे।

पुलिस टीम ने रॉकी को पहचान लिया। उन्होंने उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। लेकिन पुलिस के अनुसार कि पुलिस टीम द्वारा की गई कॉल पर ध्यान न देते हुए, संदिग्ध ने, पूर्व नियोजित तरीके से, अपने पास मौजूद बन्दूक से पुलिस पार्टी पर करीब से गोली चला दी। अपनी सुरक्षा के लिए, पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार आत्मरक्षा में पुलिस दल ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके कारण संदिग्ध व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गया। रॉकी को गोली लगी और उसे तुरंत ईएसआईसी अस्पताल, ओखला ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान रॉकी की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति को तुरंत ईएसआईसी अस्पताल ओखला ले जाया गया, जहां पुलिस कार्रवाई में लगी चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

सर्वदलीय बैठक: सरकार ने सभी दलों से संसद का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने की अपील की

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। अदाणी समूह के खिलाफ रिश्वतखोरी के आरोपों पर चर्चा कराने की विपक्षी दलों की मांग के बीच सरकार ने रविवार को कहा कि दोनों सदनों की कार्य मंत्रणा समितियां शीतकालीन सत्र में चर्चा के लिए मामलों पर निर्णय करेंगी। सरकार ने दलों से संसद का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने की अपील की।

सोमवार को शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात की। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने सभी दलों से संसद का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने की अपील की है।

अदाणी मुद्दे को उठाने की विपक्ष की मांग पर एक सवाल को लेकर उन्होंने कहा कि सदनों की संबंधित कार्य मंत्रणा समितियां लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की सहमति से संसद में चर्चा किए जाने वाले मामलों पर निर्णय लेंगी।

बैठक में कांग्रेस सदस्यों ने अदाणी समूह के खिलाफ रिश्वतखोरी के आरोपों के साथ-साथ मणिपुर की स्थिति का मुद्दा भी उठाया। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि पार्टी अदाणी के साथ-साथ मणिपुर में जातीय संघर्ष पर भी चर्चा चाहती है। उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन जातीय हिंसा के बावजूद सरकार को मणिपुर के मुख्यमंत्री पर भरोसा है।

विपक्षी दल ने उत्तर भारत में बढ़ते प्रदूषण और रेल दुर्घटनाओं के मुद्दे पर भी चर्चा की मांग की।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि सोमवार को संसद की बैठक में सबसे पहले अदाणी का मुद्दा उठाया जाए।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि यह देश के आर्थिक और सुरक्षा हितों से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है, क्योंकि कंपनी ने अपनी सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अनुकूल सौदा पाने को लेकर नेताओं और नौकरशाहों को कथित तौर पर 2,300 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया।

अमेरिकी अभियोजकों ने अरबपति गौतम अदाणी पर अनुकूल सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने की योजना का हिस्सा होने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस ने की अडानी मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वेब वार्ता)। कांग्रेस ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को आयोजित सर्वदलीय बैठक में उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप के साथ ही मणिपुर में हिंसा, उत्तर भारत में प्रदूषण की समस्या, रेल दुर्घटना आदि मुद्दों पर संसद में चर्चा कराने की मांग की है। बैठक के बाद कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने पत्रकारों से कहा कि पार्टी ने सर्व दलीय बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पार्टी चाहती है कि सोमवार से शुरू हो रहे सत्र में सबसे पहले इन सब मुद्दों को उठाया जाए और श्री अडानी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़े मुद्दे पर पहले चर्चा कराई जाए। उन्होंने कहा कि उद्योगपति पर आरोप है उनकी कंपनी ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अनुकूल सौदा पाने के वास्ते राजनेताओं और नौकरशाहों को कथित तौर पर 2,300 करोड़ रुपये से अधिक की रिश्वत दी है। उनका यह भी कहना था कि यह देश के आर्थिक और सुरक्षा हितों से जुड़ा गंभीर मुद्दा है और इसको लेकर देश की संसद में गहन चर्चा होनी चाहिए। गौरतलब है कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा जिसमें 16 विधायकों पर चर्चा किये जाने की संभावना है।

संभल जामा मस्जिद में सर्वे को लेकर बवाल

पथराव-फायरिंग में दो और युवकों की मौत, पड़ोसी जिलों से पहुंची फोर्स

आनंद कुमार

संभल। संभल की जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुए बवाल में दो और युवकों की मौत हो गई है। इससे मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए हैं। कई पुलिस के जवान भी घायल हुए हैं। मरने वाले तीनों युवकों को गोली लगी है। तीनों की पहचान नईम, रोमान और बिलाल के रूप में हुई है। कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया है। इनमें ज्यादातर वाहन पुलिस वालों के हैं। बवाल को संभालने के लिए आसपास के जिलों से भी फोर्स मंगाई गई है। दावा किया जा रहा है कि छतों से फायरिंग हुई है। कुछ पुलिस वालों को भी गोली के छर्रे लगे हैं। अदालत के आदेश पर रविवार को दोबारा सर्वेक्षण शुरू हुआ था। इसी बीच अराजकतत्वों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और हल्का बल प्रयोग किया।

स्थानीय अदालत में एक याचिका दाखिल करके दावा किया गया है कि उस स्थान पर हरिहर मंदिर था। इसी याचिका पर अदालत के आदेश पर पिछले मंगलवार को जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया था। इसके बाद से संभल में पिछले कुछ दिनों से तनाव व्याप्त था। अदालत के आदेश के तहत ही "एडवोकेट कमिश्नर" रविवार को दूसरी बार सर्वेक्षण कार्य शुरू करने सुबह सात बजे के आसपास पहुंचे थे। इसी दौरान मौके पर भीड़ जमा होने लगी।

प्रदर्शनकारियों ने वाहनों को जलाने की कोशिश की और पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। एक अधिकारी ने कहा, "उपद्रवियों ने गोलियां चलाईं और कुछ छर्रे हमारे पुलिसकर्मियों को लगे। जहां से गोलियां चलाई गईं, खास तौर पर दीपा सराय इलाके से, उसकी हम जांच कर रहे हैं।"

मुरादाबाद मंडल के आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने संभल में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस मामले में उपद्रवियों के दो तीन समूह थे जो लगातार गोलीबारी कर रहे थे। पुलिस प्रशासन ने सर्वे करने आई टीम को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि समूहों में उपद्रव करने वालों में एक समूह के लोग नखासा में चले गये और पथराव शुरू कर दिया। सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन ने इन सभी भगाया।

उन्होंने बताया कि इस हिंसा में 20 से 25 वर्ष के बीच की उम्र के तीन लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि मृतकों की शिनाख्त मोहल्ला कोट गर्वी निवासी नईम, सरायतरीन निवासी बिलाल और हयातनगर निवासी नोमान के रूप में हुई है।

मंडल आयुक्त ने कहा कि इस हिंसा, गोलीबारी और पथराव में पुलिस अधीक्षक के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के पैर में गोली लगी है जबकि उप जिलाधिकारी का पैर टूट गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस क्षेत्राधिकारी को भी छर्रे लगे हैं और अब स्थिति नियंत्रण में है। आयुक्?त ने कहा कि पथराव में शामिल दो महिलाओं को पकड़ा गया है और लगभग 15 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि घटनास्थल के पास एकत्रित भीड़ में से कुछ उपद्रवी बाहर आए और उन्होंने पुलिस दल पर पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे। पथराव करने वालों और उन्हें उकसाने वालों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बताया जाता है कि इसी दौरान छतों से फायरिंग की गई। इसी फायरिंग की गोलियां तीनों युवकों को लगी हैं। जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेसिया ने कहा कि कुछ उपद्रवियों ने पथराव किया लेकिन स्थिति अब शांतिपूर्ण है और सर्वेक्षण कार्य जारी है।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

ब्रिटेन में हजारों किसानों ने ट्रैक्टरों सहित संसद के बाहर किया प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी। हजारों ब्रिटिश किसानों ने मंगलवार को संसद के बाहर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने एक नए कर नियम के खिलाफ आवाज उठाई। उनका कहना है कि यह नियम पारिवारिक खेती को बर्बाद कर देगा। किसान बैनर, टॉय ट्रैक्टर और नारों के साथ सड़कों पर उतरे। सरकार के फैसले से गुस्साए किसानों का कहना है कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। सरकार ने हाल ही में बजट में एक पुराने कर छूट नियम को समाप्त करने का फैसला किया है। यह नियम कृषि भूमि को इनहेरिटेंस टैक्स से छूट देता था। अप्रैल 2026 से, 10 लाख पाउंड (लगभग 13 करोड़ रूपए) से अधिक मूल्य वाली कृषि भूमि पर मालिक की मृत्यु के बाद इसे अगली पीढ़ी को देने पर 20 प्रतिशत टैक्स लगेगा। किसानों का कहना है कि यह नियम उनके लिए अंतिम झटका साबित होगा। प्रदर्शन के सह-आयोजक ओल्ली हैरिसन ने कहा, हर कोई नाराज है। हम सड़कों को जाम करने और फ्रांस के किसानों जैसे विरोध की तैयारी में हैं। किसानों ने डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ ट्रैक्टरों पर द फाइनल स्ट्रॉ और नो फार्मर्स, नो फूड जैसे नारों के पोस्टर लगे हुए थे। बच्चों ने छोटे ट्रैक्टरों के साथ संसद स्क्वायर के आसपास मार्च निकाला। मशहूर

टीवी होस्ट और किसान जेरेमी क्लार्कसन भी इस रैली में शामिल हुए। 1,800 किसानों को नेशनल फार्मर्स यूनियन (एनएफयू) ने संसद के अंदर जाकर सांसदों से बात करने का मौका दिया। एनएफयू के अध्यक्ष टॉम ब्रैडशॉ ने कहा, यह नीति ब्रिटेन की खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल रही है। किसानों का कहना है कि ब्रेक्सिट, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक अस्थिरता के कारण उनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है। अब यह नया कर नियम उनके लिए असहनीय है। किसानों की औसत आय पहले से ही कम हो गई है। उदाहरण के लिए, मवेशी पालने वाले किसानों की औसत आय केवल 17,000 पाउंड (21 लाख रूपए) है। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की सरकार का कहना है कि 75 प्रतिशत किसानों पर यह कर लागू नहीं होगा। इसके अलावा, कई छूट के कारण किसान दंपति अपनी संपत्ति का 30 लाख पाउंड (39 करोड़ रूपए) तक टैक्स-मुक्त हस्तांतरण कर सकते हैं। पर्यावरण मंत्री स्टीव रीड ने कहा, यह कर उन अमीर लोगों से वसूला जाएगा जिन्होंने निवेश के लिए कृषि भूमि खरीदी है। इससे युवा किसानों के लिए जमीन खरीदना महंगा हो गया है। किसानों का कहना है कि कृषि भूमि का कागजी मूल्य अधिक हो सकता है, लेकिन उनकी वास्तविक आय बहुत कम होती है। अगर यह नियम वापस नहीं लिया गया।

एक नजर

हमारे नेता कतर छोड़ नहीं गए तुर्की, इजरायल के दावे पूरी तरह से अफवाह- हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि उसके कुछ नेता कतर से तुर्की चले गए हैं। एक आधिकारिक बयान में, हमास के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इजरायली मीडिया द्वारा फैलाए गए दावे पूरी तरह से अफवाहें हैं जिन्हें इजरायल समय-समय पर बढ़ावा देने का प्रयास करता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रविवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी कि विदेश में स्थित हमास के कई नेता हाल ही में कतर से तुर्की चले गए हैं। इससे पहले सोमवार को तुर्की के विदेश मंत्रालय ने इजरायली मीडिया की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के तुर्की में स्थानांतरित होने के दावे सच्चाई को नहीं दर्शाते हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम लागू करने और मध्य पूर्व में परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की अपील की। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूएन चीफ ने यह बात परमाणु हथियारों और अन्य सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थापना- विषय पर सम्मेलन के पांचवें सत्र में एक वीडियो संदेश में कही। गुटेरेस ने कहा कि इस तरह के क्षेत्र का विचार दशकों पुराना है, लेकिन क्षेत्रीय संघर्षों और तनावों के चरम पर पहुंचने के साथ, यह लक्ष्य दिन-प्रतिदिन और अधिक जरूरी होता जा रहा है। यूएन महासचिव ने कहा कि एक साल से अधिक समय से गाजा एक विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। यह संकट पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने की चेतावनी दे रहा है। इस बीच हम सभी लेबनान में बढ़ते तनाव से चिंतित हैं। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की पूर्व सीईओ बनेंगी अमेरिका की शिक्षा मंत्री, डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप लगातार विभागों का बंटवारा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शिक्षा विभाग का जिम्मा लोकप्रिय डब्ल्यूडब्ल्यूई यानी वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट की सीईओ और पेशेवर कुश्ती खिलाड़ी लिंडा मैकमोहन को सौंपा है। इससे पहले वह अरबपति एलन मस्क समेत कई बड़े नामों को सरकार का काम सौंप चुके हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने मैकमोहन को शिक्षा विभाग का मंत्री नामित किया है। हालांकि, इससे पहले भी वह ट्रंप सरकार का हिस्सा रह चुकी हैं। मैकमोहन ने 2017 से 2019 तक ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान लघु व्यवसाय प्रशासन का नेतृत्व किया था। वह कनेक्टिकट में अमेरिकी सीनेट के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में दो बार चुनाव लड़ीं लेकिन असफल रहीं। मैकमोहन ने 2009 से एक साल तक 'कनेक्टिकट बोर्ड ऑफ एजुकेशन' में काम किया और कनेक्टिकट में 'सेक्रेड हार्ट यूनिवर्सिटी' के 'बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज' में कई साल बिताए। शिक्षा जगत में उन्हें अपेक्षाकृत अज्ञात माना जाता है, हालांकि उन्होंने 'चार्टर स्कूलों' और 'स्कूल चॉइस' के लिए समर्थन व्यक्त किया है। अमेरिका में 'चार्टर स्कूल' सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्कूल होते हैं जो अपने स्थानीय जिले से स्वतंत्र रूप से संचालित होते हैं। 'स्कूल चॉइस' शिक्षा के विकल्पों को दर्शाता है जिसके तहत छात्रों और परिवारों को सार्वजनिक स्कूलों के विकल्प चुनने की अनुमति मिलती है। मैकमोहन ने अमेरिकी सीनेट के चुनाव के लिए 2009 में डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कह दिया था। उन्हें ट्रंप के लिए बड़ा डोनेशन देने वालों में गिना जाता है।

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराया, यूरोपीय देशों ने भोजन, पानी जमा करने को कहा

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे ने आपातकालीन पुस्तिकाएं भी जारी कीं जिसमें लोगों को संपूर्ण युद्ध सहित किसी आपातकालीन स्थिति में एक सप्ताह तक प्रबंधन करने की सलाह दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खतरनाक रूप से बढ़ाते हुए, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार देर रात रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। इसे मॉस्को द्वारा एक बड़े उकसावे के रूप में देखा जाएगा और एक जोरदार जवाबी कार्रवाई की संभावना है। कई नाटो देश अपने नागरिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कह रहे हैं। परमाणु युद्ध का खौफनाक ख़तरा पहले से कहीं ज़्यादा नज़दीक नज़र आ रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस सीमा को कम कर दिया जब रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता था। यह तब हुआ जब यूक्रेन ने रूस के अंदर लक्ष्यों पर लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। नाटो देशों ने युद्ध की आशंका गहराने की आशंका को भांपते हुए अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए, जिसमें उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी गई।

रूस के भीतर लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल के विरोध में स्लोवाकिया, पीएम फिको ने की अमेरिकी फैसले की आलोचना

ब्राटिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने सोमवार को यूक्रेन द्वारा रूस के खिलाफ लंबी दूरी की अमेरिकी

मिसाइलों के इस्तेमाल करने का विरोध किया है। यह जानकारी स्लोवाकिया गणराज्य की समाचार एजेंसी (टीएएसआर) ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि यूक्रेन संकट पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी प्रशासनिक नीति में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत बाइडेन ने कीव को रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। एसोसिएटेड प्रेस, द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट सहित अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने दो अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस हरी झंडी से यूक्रेनी सेना को अमेरिका निर्मित एटीएसीएमएस मिसाइलों को पहली बार उपयोग करने की अनुमति मिल जाएगी। टीएएसआर की रिपोर्ट के अनुसार, फिको ने देश के विदेश मंत्री जुराज ब्लानर और रक्षा मंत्री रॉबर्ट कालिनाक को इस कदम का समर्थन न करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी कार्यालय ने फिको के हवाले से कहा, यह तनाव में अभूतपूर्व वृद्धि है। बता दें कि सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की हरी झंडी दे दी। अमेरिकी मीडिया की खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया की ओर से युद्ध में मास्को की मदद के लिए हजारों सैनिकों की कथित तैनाती के जवाब में यूएस प्रेसिडेंट ने यह फैसला लिया है। सोल और वाशिंगटन दोनों ने इस बात का दावा कर रहे हैं कि रूस के पश्चिमी सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की लंबे समय से यह मांग करते आए हैं कि रूस के अंदर लक्ष्यों को भेदने के लिए कीव को आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। एटीएसीएमएस 300 किमी (186 मील) तक जा सकती हैं।

रूस ने भारत-चीन संबंधों के लिए समर्थन दोहराया, कहा- हर संभव तरीके से योगदान करने के लिए तैयार

मास्को, एजेंसी। पेसकोव ने पुष्टि की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की योजना बनाई जा रही है, फिलहाल तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पेसकोव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जल्द ही हम उनकी यात्रा की सटीक तारीखों पर काम करेंगे। बेशक, प्रधान मंत्री मोदी की दो रूस यात्राओं के बाद, अब हमारे पास राष्ट्रपति की भारत यात्रा है, इसलिए हम इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह यात्रा 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए मास्को की प्रतिबद्धता दोहराई। पेसकोव ने कहा कि हम दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए तैयार हैं। एएनआई से बात करते हुए, पेसकोव ने रूस के तटस्थ रुख पर जोर दिया और रूस के कज़ान में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हालिया द्विपक्षीय बैठक के दौरान एक मेजबान के रूप में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला। हमें खुशी है कि दोनों नेताओं को कज़ान में अपनी द्विपक्षीय बैठक करने का अवसर मिला। यह दुनिया में हर किसी के लिए वास्तव में अच्छी खबर थी। लेकिन फिर, यह भारत और चीन की एक द्विपक्षीय पहल थी।

पूर्व कनाडाई पीएम हार्पर ने ट्रूडो सरकार को फटकारा, कहा- खालिस्तानियों और जिहादियों को बढ़ावा देना बंद करो

टोरंटो, एजेंसी। पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने कनाडा की ट्रूडो सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि वह खालिस्तानियों और जिहादियों जैसे विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करे। हार्पर, जो 2006 से 2015 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे, ने कनाडा की आव्रजन और विदेशी नीतियों की तीखी आलोचना की। हार्पर ने यह टिप्पणी अब्राहम ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (एजीपीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने एजीपीआई के संस्थापक और सीईओ एवी बैनलो के साथ चर्चा की। बैनलो ने नेशनल पोस्ट में प्रकाशित अपने लेख में हार्पर के बयान को उद्धृत करते हुए लिखा कि हार्पर ने कहा, हमें जिहादियों, यहूदी विरोधियों, खालिस्तानियों, तमिल टाइगर्स और अन्य विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करना होगा। हमें अपनी आव्रजन प्रणाली पर सख्त सवाल उठाने की जरूरत है कि हम लोगों को कैसे चुनते हैं।

हार्पर का यह बयान ऐसे समय आया है जब कनाडा और भारत के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत थे, लेकिन वर्तमान में दोनों के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव तब बढ़ा जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाए। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया और ट्रूडो से सबूत मांगे, जो उन्होंने अभी तक पेश नहीं किए

हैं। हार्पर ने खालिस्तानी मुद्दे को कनाडा की नीतियों का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाया और कहा कि आव्रजन नीति में सुधार की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यहां विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा न मिले। हम अपने समाज में पुराने नफरतों को नहीं ला सकते। इसे रोकने के लिए हमें कदम उठाने होंगे। वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थकों के बारे में कहा कि वे पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत समर्थक हिंदू भी पूरे हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। हालांकि, ट्रूडो को खालिस्तानी समूहों के प्रति नरम रुख रखने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। हार्पर ने कनाडा की आव्रजन नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नीति उन लोगों को शामिल कर रही है जो विभाजनकारी और हिंसक विचारधारा रखते हैं। उन्होंने एजीपीआई कार्यक्रम में यह भी कहा कि कनाडा को अपनी नीतियों को संतुलित करना होगा ताकि बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा, भारत के जी-20 अनुभव से बहुत कुछ सीखा

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि ब्राजील ने दो दिवसीय जी-20 रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी की दूसरे और अंतिम दिन की बैठक के शुरुआत में म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट में द्विपक्षीय बैठक में उनका स्वागत किया।

बैठक के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और पिछले वर्ष जी-20 के आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी। लूला ने कहा कि ब्राजील ने रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारतीय अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। बैठक के दौरान, राष्ट्रपति लूला ने 2025 में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा

करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को अगले साल राष्ट्रपति लूला और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने में खुशी होगी और वह 2025 में ब्राजील की राजकीय यात्रा की दिशा में काम करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति लूला के साथ बातचीत की। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ब्राजील द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। हमने अपने देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का मूल्यांकन किया और ऊर्जा, जैव ईंधन, रक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। पीएम मोदी ने जी-20 के कार्य को जारी रखने और समूह के एजेंडे के मुद्दों पर प्रगति के लिए ब्राजील की अध्यक्षता की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने जैव ईंधन, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा की। रियो शिखर सम्मेलन पिछले वर्ष के जी-20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाता है, जहां विशेष रूप से उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई थी। बैठक में ब्राजील के मंत्री माउरो विएरा (विदेश मामले), फर्नांडो हद्दाद (वित्त), एलेक्जेंडर सिल्वेरा (खान और ऊर्जा), लुसियाना सैंटोस (विज्ञान और प्रौद्योगिकी), साथ ही विकास, उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के कार्यकारी सचिव मार्सिओ एलियास रोजा ने भी भाग लिया।

पोलियो के खिलाफ पाकिस्तान की लंबी लड़ाई का अंत नहीं, सक्रिय मामले 50 तक पहुंचे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पोलियो को जड़ से मिटाने के लिए पाकिस्तान का संघर्ष जारी है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों से नए मामले सामने आने के बाद मंगलवार को देश में सक्रिय पोलियो मामलों की कुल संख्या 50 तक पहुंच गई। अब तक बलूचिस्तान से कम से कम 24 मामले, सिंध से 13, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) से 11, पंजाब और इस्लामाबाद से एक-एक मामले सामने आए हैं। मंगलवार को एक बच्ची में वाइल्ड पोलियोवायरस (डब्ल्यूपीवी1) पाया गया, जो केपी के टैंक जिले से पोलियो वायरस का दूसरा मामला है।

पाकिस्तान के कुछ क्षेत्रों में पोलियो टीकाकरण अभियान का विरोध भी हो रहा है और यहां तक ??कि स्वास्थ्य कर्मियों पर भी हमला हुआ है जिसमें लोगों की जान भी गई। टारगेटेड अटैक के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखने के कारण, पोलियो टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाना लगभग असंभव हो गया है, जिससे बच्चों के संक्रमित होने की संभावना बढ़ गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के विभिन्न भागों में पोलियो के मामलों में उत्साहजनक गिरावट देखी गई है। हालांकि उसने चेतावनी दी है कि नवीनतम मामलों का पता चलना एक खतरनाक और चिंताजनक संकेत है। यह दर्शाता है कि कई जिलों में बच्चे अभी भी जोखिम में हैं। पाकिस्तान और पड़ोसी अफगानिस्तान, दुनिया के दो ऐसे देश हैं जहां पोलियो अभी भी स्थानिक है। अतीत में, पाकिस्तान ने सालाना 300 मिलियन से अधिक ओरल वैक्सीन लगाए हैं। लेकिन यह बीमारी देश में अभी भी व्याप्त है।

कई विश्लेषकों ने पोलियो वायरस के प्रसार को संभालने में पाकिस्तान सरकार की निरंतर नाकामी पर सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान के प्रति विरोध तब बढ़ा जब अमेरिकी जासूसी एजेंसी सीआईए ने देश में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन का पता लगाने के लिए एक फर्जी हेपेटाइटिस टीकाकरण अभियान चलाया।

दुनिया के सबसे वॉन्टेड आतंकवादियों में से एक, बिन लादेन को 2011 में केपी के एबटाबाद में यूएस नेवी सील के ऑपरेशन में मार दिया गया। कई धार्मिक नेताओं का यह भी मानना ??है कि पोलियो टीकाकरण की बूंदों में सूअर का मांस और शराब के अंश होते हैं, जो इस्लाम में निषिद्ध है।

पाकिस्तान की अदालत ने दंगों को लेकर पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर तय किए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत ने पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और 20 अन्य लोगों के खिलाफ नौ मई 2023 के दंगों के संबंध में आरोप तय कर दिए हैं। अदालत के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उपाध्यक्ष कुरैशी ने सोमवार को कोट लखपत जेल में सुनवाई के दौरान तय किए गए आरोपों को बेबुनियाद करार दिया और इन्हें राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि ये मामले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेतृत्व को दबाने के लिए गढ़े गए हैं।

जिन वरिष्ठ नेताओं पर आरोप तय किए गए हैं उनमें पीटीआई की पंजाब इकाई के अध्यक्ष यास्मीन रशीद, सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व राज्यपाल उमर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री मियां महमूदुर राशिद, पूर्व सांसद आलिया हमजा, रूबीना जमील तथा सोशल मीडिया कार्यकर्ता सनम जावेद शामिल हैं। सुनवाई की अध्यक्षता आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश मंज़र अली खान ने की। एक विशेष अभियोजक ने आरोप पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें थाने पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को आग लगाने और कानून प्रवर्तन कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार जैसे आरोप शामिल थे। अदालत के अधिकारी के मुताबिक, सभी आरोपियों ने आरोपों से इनकार किया और खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के पास अपने दावों को पुष्ट करने के लिए सबूतों का अभाव है। अदालत ने अभियोजन पक्ष को 25

नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई के दौरान अपने गवाह पेश करने का निर्देश दिया।

नौ मई 2023 को खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई भवन समेत एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय पर भी पहली बार भीड़ ने हमला किया। पत्रकारों से बात करते हुए कुरैशी ने खान के प्रति अपनी निष्ठा जतायी। खान अगस्त 2023 से 200 से अधिक मामलों को लेकर जेल में बंद हैं। कुरैशी ने इन मामलों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि इन्हें पीटीआई नेतृत्व को दबाने और उन्हें अवैध रूप से जेल में रखने के लिए गढ़े गए हैं। कुरैशी ने पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 24 नवंबर को इस्लामाबाद में प्रस्तावित विरोध मार्च में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह रैली राजनीतिक कैदियों की आजादी, स्वतंत्र न्यायपालिका की बहाली और इमरान खान की रिहाई के लिए है।

ईरान में जेल में बंद नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ीं : तेहरान, एजेंसी। ईरान में जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को भेजे गए 40 से अधिक अधिकार समूहों के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में नरगिस को उन आरोपों में सुनाई गई जेल की सजा से तत्काल चिकित्सकीय फर्लो पर रिहा करने का आग्रह किया गया है।

दिल्ली दंगे: हेड कांस्टेबल की मौत के मामले में अदालत का 25 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा मामले में 25 आरोपियों के खिलाफ हत्या, आगजनी और डकैती समेत कई आरोप तय करने का आदेश दिया है। यह मामला पुलिस दल पर उस हमले से संबंधित है जिसमें हेड कांस्टेबल रतन लाल की मौत हो गई थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने यह भी कहा कि संविधान किसी भी प्रदर्शनकारी को हिंसा, हमला, हत्या या किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं देता, इसलिए यह तर्क पूरी तरह से अनुचित है कि आरोपी अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे थे। अदालत ने 27 लोगों के खिलाफ मामले की सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। इन लोगों पर उस भीड़ का हिस्सा होने का आरोप है जिसने चांद बाग विरोध स्थल पर 24 फरवरी 2020 को पुलिस दल पर उस समय क्रूरता से हमला किया जब अधिकारियों ने उन्हें मुख्य वजीराबाद सड़क को अवरुद्ध करने से रोकने की कोशिश की। अदालत ने 22 नवंबर को पारित 115 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि लाल की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में आग्नेयास्त्र के घाव और 21 अन्य बाहरी चोटों का पता चला है। इसने कहा, आग्नेयास्त्र का यह घाव और साथ ही पांच अन्य घाव मौत का कारण बनने के लिए पर्याप्त पाए गए। इस प्रकार, हेड कांस्टेबल रतन लाल की मौत हमले और गोली लगने के कारण हुई। अभियोजन पक्ष ने कहा कि लाल को हल्का बुखार था और उनके सहकर्मियों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी लेकिन दयालपुर थाने की सीमा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में गंभीर तनाव को देखते हुए वह ड्यूटी पर आए थे।

इसने कहा कि उन्होंने भीड़ को शांत करने और स्थिति को नियंत्रित करने में तत्कालीन डीसीपी (पुलिस उपायुक्त) शाहदरा, अमित शर्मा और एसीपी (सहायक पुलिस आयुक्त) गोकलपुरी, अनुज कुमार की मदद की। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जब दंगाई भीड़ ने अधिकारियों पर हमला करना शुरू कर दिया था तो अधिकारियों को बचाने के दौरान लाल को 24 चोटें आईं। लाल के अलावा तत्कालीन डीसीपी और एसीपी को भी गंभीर चोटें आईं, जबकि 50 अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए। अदालत ने कहा कि घटना के दिन प्रदर्शनकारियों ने इस स्पष्ट उद्देश्य से हिंसा की कि वे सरकार को अपनी ताकत दिखा सकें। इसने कहा, प्रदर्शनकारी न केवल सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) /एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता पंजी) का विरोध जताने के लिए एकत्र हुए थे, बल्कि वे पुलिस बल के खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल करने की मानसिकता के साथ हथियारों से लैस होकर आए थे। अदालत ने कहा कि दंगाई भीड़ का उद्देश्य जहां भी संभव हो पुलिस अधिकारियों को बेरहमी से पीटना या उन पर हमला करना था और उसका उद्देश्य तोड़फोड़, लूट तथा आगजनी करना भी था। इसने कहा कि घटना से कुछ दिन पहले एक बैठक हुई थी जिसमें सड़क को अवरुद्ध करने और पुलिस द्वारा रोके जाने पर हिंसा का सहारा लेने का निर्णय लिया गया था। अदालत ने कहा कि महिलाओं और किशोरों को पुलिस पर पथराव करने के लिए आगे रखना भी एक सोची-समझी रणनीति प्रतीत होता है। सीएए/एनआरसी विरोधी बैठक के 11 आयोजकों और वक्ताओं के खिलाफ आपराधिक साजिश के आरोप तय करने का आदेश देते हुए अदालत ने कहा कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया सबूत मौजूद हैं। आयोजकों में मोहम्मद सलीम खान, सलीम मलिक, मोहम्मद जलालुद्दीन उर्फ गुड्डू भाई, शाहनवाज, फुरकान, मोहम्मद अयूब, मोहम्मद यूनुस, अतहर खान, तबस्सुम, मोहम्मद अयाज और उसका भाई खालिद शामिल थे। अदालत ने पुलिस दल पर हमला करने और दंगा करने के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत 14 अन्य आरोपियों के खिलाफ भी आरोप तय करने का आदेश दिया। इन आरोपों में हत्या, हत्या का प्रयास, गैर इरादतन हत्या का प्रयास, आग या विस्फोटक पदार्थ से उत्पात मचाना, लोकसेवक को गंभीर चोट पहुंचाना, घातक हथियार से लैस होकर दंगा करना, डकैती, गैरकानूनी रूप से एकत्र होना और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धाराएं शामिल हैं। इन 14 आरोपियों में मोहम्मद सादिक, सुवलीन, नासिर, आरिफ, मोहम्मद दानिश, इब्राहिम, बदरूल हसन, शादाब अहमद, इमरान अंसारी, रवीश फातिमा, आदिल, समीर, मोहम्मद मंसूर और इरशाद अली शामिल हैं। औपचारिक रूप से आरोप तय करने के लिए मामले की अगली तारीख तीन दिसंबर तय की गई है।

कार्यवाही के दौरान, अदालत ने बचाव पक्ष के वकील की इस दलील को भी अस्वीकार कर दिया कि उसके मुवक्किल सलीम मलिक पर इस मामले में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता क्योंकि उस पर पहले से ही बड़े षड्यंत्र के मामले में मुकदमा चलाया जा रहा है।

इस बीच, न्यायाधीश ने मोहम्मद वसीम उर्फ बबलू नामक व्यक्ति को यह कहते हुए आरोपमुक्त कर दिया कि दंगा करने वाली भीड़ में उसके शामिल होने की बात स्थापित नहीं हो पाई है। अदालत ने एक अन्य आरोपी साहिद उर्फ शाहबाज को भी आरोपमुक्त कर दिया। शाहबाज के पास से एक पुलिस अधिकारी से लूटी गई पिस्तौल बरामद की गई थी। अदालत ने कहा कि उस पर केवल भारतीय दंड संहिता की धारा 412 (डकैती के दौरान चोरी की गई संपत्ति को बेईमानी से प्राप्त करना) के तहत आरोप लगाया जा सकता है। वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 24 फरवरी से 26 फरवरी तक हुए दंगों में 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में जनरल ड्यूटी मेडिकल अफसरों की होगी नियुक्ति

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में उनके रिक्त पदों के अनुसार 232 जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर की तैनाती को मंजूरी दे दी है। इन डॉक्टरों की नियुक्ति यूपीएससी से की गई थी, जोकि सक्सेना द्वारा उपराज्यपाल का पदभार संभालने के बाद इन पदों को भरने के लिए किए गए ठोस प्रयासों और उनके दिए निर्देशों का परिणाम हैं। ग्रुप 'ए' अधिकारियों के रूप में नियुक्त इन अधिकारियों की पोस्टिंग एनसीएसएसए के माध्यम से की गई है और इन्हें लोक नायक, राजा हरीश चंद्र, लाल बहादुर शास्त्री, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों और विभिन्न सीडीएमओ कार्यालयों में तैनात किया जाएगा। उम्मीद है कि इन नियुक्तियों से स्थायी डॉक्टरों की नियुक्ति में पिछले कई वर्षों से हो रही अत्यधिक देरी और आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा एडहॉक तरीके से संविदा के आधार पर नियुक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी, उससे राहत मिलेगी।

दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आगामी चुनावों में केजरीवाल को सबक सिखाएंगे : वीरेन्द्र सचदेवा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा सह प्रभारी डॉ. अल्का गुर्जर, अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा और सांसद श्रीमती कमलजीत सेहरावत ने आज मटियाला विधानसभा क्षेत्र के कंगनहेड़ी गांव में विशाल जनसभा को संबोधित किया और आशा व्यक्त की कि दिल्ली का ग्रामीण क्षेत्र शासन परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

यह सभा छावला वार्ड के स्थानीय पार्षद श्री शशि यादव द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें दिल्ली भाजपा के महासचिव श्री विष्णु मित्तल, नजफगढ़ जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रमेश सौखंदा और नजफगढ़ जोन के अध्यक्ष श्री अमित खर्खरी के साथ हजारों स्थानीय निवासी और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

जनसभा को संबोधित करते हुए श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से विकास के अवसरों से वंचित दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आगामी विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल को सबक सिखाएंगे।

श्री सचदेवा ने कहा कि इन 10 वर्षों में दिल्ली के गांवों को खराब सड़कों, सार्वजनिक परिवहन की कमी, नए स्कूल और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव के कारण भारी नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि जो भी छोटी-मोटी मरम्मत या विकास कार्य हो रहे हैं, वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पीएम ग्रामोदय अभियान के तहत दिए गए 523 करोड़ रुपये के विशेष फंड से हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह तो हम सभी जानते हैं कि दिल्ली के लोग केजरीवाल के भ्रष्ट शासन से छुटकारा पाने का मन बना चुके हैं, लेकिन आज मैं कह सकता हूं कि मटियाला के लोग, जिन्होंने पानी माफिया के हाथों बहुत परेशानी झेली है, केजरीवाल को सबसे बड़ी हार देंगे।

वायु प्रदूषण: न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में ट्रकों के प्रवेश को लेकर दिल्ली सरकार से पूछे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गंभीर वायु प्रदूषण से जूझ रही राष्ट्रीय राजधानी में ट्रकों के प्रवेश को लेकर शुक्रवार को दिल्ली सरकार से सवाल किए। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, हमारे लिए यह मान लेना बहुत मुश्किल है कि दिल्ली में ट्रकों का प्रवेश रोक दिया गया है। पीठ ने कहा कि इसलिए वह दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर नजर रखने के लिए केंद्र को 113 स्थानों पर पुलिस कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश देने का प्रस्ताव रखती है। दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील ने पीठ को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में कुल 113 प्रवेश बिंदु हैं जिनमें से 13 ट्रकों के लिए हैं। न्यायालय दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रहा है। न्यायालय ने प्रदूषण में चिंताजनक वृद्धि रोकने के लिए कड़े कदम उठाने में विलंब पर नाराजगी जाहिर करते हुए दिल्ली-एनसीआर राज्यों को ग्रैप-4 के तहत प्रतिबंध लागू करने के लिए तुरंत टीम गठित करने का 18 नवंबर को निर्देश दिया था और कहा था कि अगला आदेश दिए जाने तक ये प्रतिबंध लागू रहेंगे।

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को संविधान दिवस पदयात्रा के लिए यातायात परामर्श जारी किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 25 नवंबर को संविधान दिवस पदयात्रा के संबंध में एक परामर्श जारी कर जनता को इंडिया गेट के निकट यातायात प्रतिबंधों के बारे में सूचित किया है। परामर्श के अनुसार, युवा मामलों का विभाग अपने स्वायत्त संगठन मेरा युवा भारत के माध्यम से भारतीय संविधान को अंगीकृत किये जाने के 75 वर्ष होने के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रव्यापी संविधान दिवस पदयात्रा का आयोजन कर रहा है। पदयात्रा को युवा मामले एवं खेल मंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह यात्रा सुबह करीब आठ बजे मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, इंडिया गेट सर्किल से शुरू होगी तथा सुबह 9:30 बजे उसी स्थान पर समाप्त होगी। परामर्श में कहा गया कि पदयात्रा में करीब 10,000 युवाओं/प्रतिभागियों के भाग लेने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि सी-हेक्सागन और एमएलएनपी के आसपास के क्षेत्र में सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए, सी-हेक्सागन और आसपास के अन्य क्षेत्रों में किसी भी वाहन को रुकने या खड़ा होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने तिलक मार्ग, अशोक रोड, शाहजहां रोड, सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, जाकिर हुसैन मार्ग तथा जनपथ के आसपास के इलाकों की यात्रा से बचने की सलाह दी है। प्रगति मैदान टनल का इस्तेमाल नहीं करें पदयात्रा के दौरान इंडिया गेट जाने के लिए प्रगति मैदान टनल का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह ट्रैफिक पुलिस ने दी है। इसके साथ ही जाम से बचने के लिए लोगों से सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की अपील की गई है। बस अड्डा, रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को इस पदयात्रा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह ट्रैफिक पुलिस ने दी है। इन रास्तों से बचकर चलने की सलाह तिलक मार्ग, अशोका रोड, शाहजहां रोड, सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, जाकिर हुसैन मार्ग, अकबर रोड से गोल मेथी तक और जनपथ।

यहां रहेगा डायवर्जन
तिलक मार्ग-भगवान दास रोड क्रासिंग
त्पुराना किला रोड-मथुरा रोड क्रासिंग
शेरशाह रोड-मथुरा रोड क्रासिंग
डा. जाकिर हुसैन मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रासिंग
क्यू पाइंट
मान सिंह रोड
जसवंत सिंह रोड
केजी मार्ग-फिरोजशाह रोड क्रासिंग
त्मंडी हाउस

दिल्ली सरकार से मेट्रो को 7200 करोड़ की दरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। मेट्रो को दिल्ली सरकार से 7200 करोड़ रुपये की दरकार है। इसे लेकर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ. विकास कुमार ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि यदि समय पर राशि उपलब्ध नहीं कराई गई, तो फेज-चार के तहत निमार्णाधीन कॉरिडोर में देरी होगी। इससे लागत में भी बढ़ोतरी होगी। दिल्ली मेट्रो के फेज-चार के तहत आरके आश्रम से जनकपुरी (पश्चिम), एरोसिटी-तुगलकाबाद और मुकुंदपुर से मौजपुर का निर्माण कार्य चल रहा है। तीनों कॉरिडोर को 2026 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक और इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। दोनों कॉरिडोर को इसी साल मार्च में केंद्र सरकार ने मंजूरी दी थी। इसके अलावा रिठाला से नाथूपुर तक एक और कॉरिडोर बनाने की संभावना है, लेकिन इसे अभी केंद्र सरकार से आवश्यक मंजूरी नहीं मिली है। 24948 करोड़ में बन रहे तीन कॉरिडोर डीएमआरसी के एमडी ने पत्र में कहा कि 62 किलोमीटर की लंबाई वाले फेज-चार के तीन निमार्णाधीन कॉरिडोर की लागत 24,948 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए नियमित रूप से धन की आवश्यकता है।

इसके साथ 47 किलोमीटर से अधिक की लंबाई वाले तीन अन्य कॉरिडोर के लिए भी धन की आवश्यकता है। बताया जा रहा है कि पत्र में एमडी ने कहा है कि समय पर धनराशि जारी करने की जरूरत है, ताकि परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जा सके।

पीडब्ल्यूडी को भी किया जाएगा भुगतान दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से मेट्रो के फेज-चार के निमार्णाधीन कॉरिडोर के लिए डबल डेकर वायडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में डीएमआरसी ने दिल्ली सरकार से लोक निर्माण विभाग को 376 करोड़ रुपये जारी करने के लिए भी कहा है। यह डबल डेकर वायडक्ट के ऊपरी हिस्से पर मेट्रो चलेगी जबकि नीचे वाले हिस्से पर यातायात चलेगा। राजधानी में इस तरह के तीन डबल डेकर वायडक्ट का निर्माण होना है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में हुआ मामूली सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता में रविवार को मामूली सुधार हुआ और इससे संबंधित सूचकांक गंभीर श्रेणी से घटकर बहुत खराब श्रेणी में आ गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 357 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है जबकि शनिवार शाम चार बजे 24 घंटे का औसत एक्यूआई 412 था। हालांकि, आनंद विहार में वायु गुणवत्ता फिर भी गंभीर श्रेणी में ही रही और एक्यूआई 404 दर्ज किया गया। राजधानी की वायु गुणवत्ता लगभग एक महीने से खतरनाक बनी हुई है। यहां 30 अक्टूबर को पहली बार एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया था, जिसके बाद लगातार 15 दिन तक यह इसी श्रेणी में रहा। दिल्ली में पिछले रविवार को वायु गुणवत्ता और भी खराब होकर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी तथा सोमवार एवं मंगलवार को भी यह इसी श्रेणी में रही। राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी। बृहस्पतिवार को अनुकूल हवाओं के कारण स्थिति में मामूली सुधार हुआ लेकिन शुक्रवार को फिर से वायु गुणवत्ता खराब होने लगी तथा यह दोबारा गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गई। दिल्ली में शनिवार को एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में होने के कारण यह स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का कारण बनती है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसने कहा कि यहां सुबह या रात के समय हल्का कोहरा छाए रहने तथा अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। राजधानी में सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 75 प्रतिशत दर्ज किया गया।

एक नजर

पंजाब में बरकरार दिखा आप पार्टी का जलवा : सुभाष चंद्र लाला

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब विधानसभा के उप चुनावों के परिणामों ने साबित कर दिया है है कि पंजाब में आज भी आम आदमी पार्टी का जलवा बरकरार है। यह कहना है आम आदमी पार्टी विश्वास नगर वार्ड के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र लाला का। सुभाष चन्द्र लाला कहते हैं पंजाब विधानसभा के लिए चार सीटों के उप चुनाव हुए जिनमे से तीन सीटों पर आप पार्टी प्रत्याशी बड़े अन्तराल से जीते। जबकि भारतीय जनता पार्टी तीसरे स्थान पर रही और कांग्रेस भी एक सीट जीतने में कामयाब रही। सुभास चन्द्र लाला कहते हैं इन परिणामों ने साबित किया पंजाब की जनता पंजाब सरकार के कार्यों से खुश है और वहां की जनता ने उन सीटों पर भी आप प्रत्याशियों को समर्थन दिया जिन सीटों पर आम चुनावों में भी पार्टी हार गई है लेकिन पंजाब की जनता ने आप पार्टी सरकार के कार्यों से खुश हो आप पार्टी को समर्थन दिया। सुभाष चन्द्र लाला कहते है जहां तक दिल्ली विधानसभा चुनावों का सवाल है दिल्ली में भी आम आदमी पार्टी जीत की हैट्रिक लगाएगी और अरविन्द केजरीवाल के कुशल नेत्रत्व में सरकार बनाएगी। सुभाष चन्द्र लाला कहते हैं दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी की सरकार के कार्यों से खुश है। आप पार्टी की जनहित की योजनाओं की पूरी दुनिया में चर्चा रहती है। और यह हालत तो तब है जब केंद्र सरकार आप सरकार को काम नहीं करने देती।

क्राइम ब्रांच ने हत्या में वांछित बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या मामले में वांछित बदमाश अरमान उर्फ शोएब उर्फ बोगा को गिरफ्तार किया है। आरोपी नौ आपराधिक मामलों में शामिल था और वह अगस्त 2024 से फरार चल रहा था। इस मामले में अरमान ने अपने चचेरे भाई की हत्या का बदला लेने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर नईम उर्फ कल्लू की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। उसे खजूरी खास इलाके से गिरफ्तार किया गया।

दस आपराधिक मामलों में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। महरौली पुलिस ने 10 मामलों में वांछित बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से लूटी गई बाइक और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान जौनापुर निवासी 20 वर्षीय मोहम्मद आबिद के रूप में हुई है। पुलिस ने इसे अहिंसा स्थल के पीछे स्थित श्मशान घाट से लूटी गई बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। वह नशे की लत को पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देता था।

छेनू गैंग के लिए धन जुटाने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। छेनू गिरोह के लिए धन जुटाने के आरोप में 38 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी प्रतीक छाबड़ा उर्फ धन्ना को शास्त्री पार्क इलाके से गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से एक देसी पिस्तौल व कारतूस बरामद किया गया। अधिकारी ने बताया, गिरोह के लिए धन जुटाने में शामिल होने के कारण छाबड़ा पर निगरानी रखी जा रही थी, खास तौर पर गिरोह के प्रमुख सदस्य सब्बीर उर्फ पोपा पहलवान के लिए। वह अवैध सट्टेबाजी से धन जुटाता था। पुलिस के अनुसार, छाबड़ा छेनू गिरोह से उस समय जुड़ा जब वह शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत जेल में बंद था। उसने बताया कि जेल से रिहा होने के बाद वह गिरोह के लिए धन जुटाने लगा।

ईंधन के प्रकार की पहचान के लिए वाहन पर लगाना होगा स्टीकर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों को अब अपने वाहन पर ईंधन के प्रकार की पहचान के लिए स्टीकर लगाना होगा। इसके लिए परिवहन विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया दिल्ली में वाहन मालिकों को अब क्रोमियम-आधारित होलोग्राम स्टिकर लगाना अनिवार्य होगा। स्टिकर जांच के दौरान वाहन के ईंधन के प्रकार को पहचानने में मदद करेगा। यह नियम एक अप्रैल, 2019 से खरीदे गए नए वाहनों और 31 मार्च, 2019 से पहले पंजीकृत पुराने वाहनों दोनों पर लागू होगा। वाहन की विंडस्क्रीन पर स्टीकर चिपकाना होगा। पुराने वाहनों के मालिकों को स्टिकर लगाने के लिए अपने संबंधित वाहन डीलरों से संपर्क करना होगा। इसके अलावा सोसाइटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआइएएम) की वेबसाइट या परिवहन विभाग के पोर्टल के माध्यम से ईंधन-आधारित रंग-कोडित स्टीकर के साथ-साथ हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) को अपने घर पर लगवाने के लिए आनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिन वाहनों में स्टीकर नहीं होगा उन पर कार्रवाई की जाएगी। स्टीकर में पंजीकरण संख्या, एक लेजर-ब्रांडेड पिन और वाहनों के इंजन व चेसिस नंबर जैसे विवरण होंगे।

देश में जारी है प्रधानमंत्री का जादू : दीपक गाबा

नई दिल्ली, एजेंसी। दो माह पहले हरियाणा और आज घोषित महाराष्ट्र तथा राज्यों के उप चुनावों में देश की जनता ने भाजपा को जो जनादेश दिया है उससे ये साबित हो गया है देश की जनता भारतीय जनता पार्टी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेत्रत्व में यकीन करती है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के महामंत्री दीपक गाबा का। दीपक गाबा कहते है लोकसभा चुनावों में कांग्रेस गठबंधन ने महाराष्ट्र में मामूली बढत क्या ले ली थी कि घमंड से चूर हो गई जिसका नतीजा यह हुआ कि महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा गठबंधन को ऐतिहासिक जीत दिलाई। दीपक गाबा कहते हैं पार्टी अध्यक्ष जे.पी.नड्डा जी.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और होम मिनिस्टर अमित शाह जी के कुशल नेत्रत्व में भाजपा निरंतर आगे बढ़ रही है। दीपक गाबा कहते है महारष्ट्र की जनता ने पिछले तमाम रिकार्ड तोड़ते हुए भाजपा गठबंधन को जीत दिलाई है से साबित होता है देश की जनता के बीच मोदी जी का जादू बरकरार है। दीपक गाबा कहते हैं लोग कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों की असलियत पहचान चुके हैं।

महाराष्ट्र में भाजपा की बंपर जीत से दिल्ली की सियासत में हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में भाजपा गठ्बन्धन की इतनी बड़ी जीत की उम्मीद किसी को भी नहीं थी। हो सकता है खुद भाजपा तथा उसके सहयोगी दलों को भी यह अनुमान नहीं रहा होगा कि एन.डी.ए.गठबंधन ऐसा करिश्मा कर पायेगा। भाजपा को आज तक इतनी बड़ी जीत ना केवल महाराष्ट्र अपितु देश के किसी भी कौने में नहीं मिली। भाजपा के इस तूफान में शिव सेना शिंदे तथा एन.सी.पी.अजित पवार भी तर गए। महाराष्ट्र की जनता ने असली और नकली शिवसेना तथा एन.सी.पी.को भी अपना प्रमाण पत्र दे दिया। चंद माह पूर्व लोकसभा चुनावों में जिस कांग्रेस गठबंधन ने इसी महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की हवा निकाल दी थी इन परिणामों ने ना केवल उसे आईना दिखा दिया बल्कि यह मैसेज भी दे दिया कि राजनीति में अहंकार का कोई स्थान नहीं है। समझ गए ना आप लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस गठबंधन इस गलतफहमी का शिकार हो गया था कि महाराष्ट्र तो अब हमारा है, अगली सरकार भी हमारी है।

ओडिशाः अस्मिता और संघ की भूमिका पर मुनिंदा में आलोचनात्मक सभा आयोजित

लक्ष्मीनारायण पाथी

ओडिशाः डेलांग प्रखंड स्थित मुनिंदा ग्राम पंचायत के मोहनपुर गांव में अम्रित परिवार द्वारा "ओडिआ अस्मिता और राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका" पर एक आलोचनात्मक सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ओडिशा की संस्कृति, भाषा और इतिहास के महत्व को रेखांकित करना था।

सभा की शुरूआत मुख्य अतिथि, जटनी शाखा संघचालक श्री नीलाम्बर मिश्र द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य वक्ता के रूप में खंडिमंगलपुर अपर प्राइमरी स्कूल के प्रधान शिक्षक श्री संतोष कुमार मिश्र ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अम्रित परिवार के मुख्य सदस्य श्री दुर्योधन साहु ने की। नीलाम्बर मिश्र ने किया संबोधन। सभा में मुख्य अतिथि श्री नीलाम्बर मिश्र ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ ने शुरूआत से ही सेवाभाव को अपनाया है और उसका मुख्य उद्देश्य मानवतावाद है, जिसका पालन आज भी किया जा रहा है। संतोष कुमार मिश्र का उद्बोधनः मुख्य वक्ता श्री संतोष कुमार मिश्र ने ओडिशा के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ॡएक समय था जब ओडिशा उत्कल और कलिंग के नाम से प्रसिद्ध था। ओडिआ संस्कृति, शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में अग्रणी था। यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम ओडिशा की इस समृद्ध धरोहर को पहचानें और उसे सशक्त बनाएं।ॡ कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं के विचारः अम्रित परिवार के उपाध्यक्ष श्री दिगंबर रथ, सचिव श्री चंद्रशेखर सेठी, और अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मुनिंदा अपर प्राइमरी स्कूल के प्रधान शिक्षक श्री अशोक कुमार प्रधान ने कार्यक्रम का संचालन किया। समापन और धन्यवाद ज्ञापनः कार्यक्रम के समापन पर सभाध्यक्ष श्री दुर्योधन साहु ने सभी अतिथियों और उपस्थितों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके साथ ही, मोहनपुर प्राइमरी स्कूल के प्रधान शिक्षक श्री प्रभात कुमार सेठी ने भंडारे का आयोजन किया, जिससे सभी को सामूहिक रूप से भोजन वितरित किया गया। इस सभा के माध्यम से ओडिशा की सांस्कृतिक और भाषाई धरोहर को संरक्षित रखने के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

उत्तर प्रदेशः सफीपुर में बीज भंडार में किसानों की होड़, अधिकारी ने किया शांत

दीपक कुमार

उत्तर प्रदेशः उन्नाव जिले के सफीपुर कस्बे स्थित सरकारी बीज भंडार में शनिवार को किसानों की भारी भीड़ देखने को मिली। बीज लेने के लिए किसानों में होड़ मच गई और स्थिति इतनी बिगड़ी कि किसानों के बीच झगड़े और गाली-गलौज तक की नौबत आ गई। बताया जा रहा है कि बीज की आपूर्ति बेहद सीमित थी, जबकि किसानों की संख्या ज्यादा थी, जिससे लोग आपस में भिड़ गए।

किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें जितना बीज चाहिए था, उससे कहीं कम बीज उपलब्ध कराया गया। सुबह से ही बीज भंडार में किसानों का जमावड़ा शुरू हो गया था। जैसे ही बीज का वितरण शुरू हुआ, किसानों के बीच गहमा-गहमी और संघर्ष शुरू हो गया। इस बीच, बीज भंडार में मौजूद एक अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि सभी को बीज मिलेंगे, लेकिन कुछ किसानों को अगले दिन बीज मिलेगा। अधिकारी की समझाइश पर कुछ हद तक स्थिति नियंत्रण में आई, और झगड़ा शांत हुआ।

फिलहाल, यह स्थिति उस समय की है जब बुआई का कार्य तेजी से चल रहा है और किसानों को बीज और डीएपी खाद की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। सफीपुर के किसान इस समय गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें जरूरी बीज और खाद तुरंत उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे समय पर अपनी फसल की बुआई पूरी कर सकें।

किसानों का कहना है कि अगर सरकारी स्तर पर पर्याप्त आपूर्ति नहीं होती है, तो उनकी खेती पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। उन्हें आशा है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं का समाधान जल्द किया जाएगा।

एक नजर

उत्तर प्रदेशः सिगरा वाराणसी स्टेडियम में विकेट पूजन के साथ क्रिकेट प्रशिक्षण की शुरूआत

आनंद कुमार/उत्तर प्रदेशः वाराणसी, उत्तर प्रदेशः शुक्रवार को वाराणसी के संपूणानंद स्टेडियम में विधि-विधान से विकेट पूजन के साथक्रिकेट प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विमल सिंह ने नवनिर्मित सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में क्रिकेट प्रशिक्षण की शुरूआत की। इस अवसर पर क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने कहा कि सिगरा स्टेडियम में पहले ही तैराकी, मुक्केबाजी और कुश्ती जैसे खेलों का प्रशिक्षण शुरू हो चुका है, और अब क्रिकेट का प्रशिक्षण भी शुरू किया गया है। जल्द ही अन्य खेलों का भी शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि खेल के उपकरणों की कमी को हर हाल में पूरा किया जाएगा, और खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोचों की टीम है, जिनके मार्गदर्शन में तैराकी और अन्य खेलों का प्रशिक्षण चल रहा है। क्रिकेट शिविर का औपचारिक उद्घाटन पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी नासिर अली ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन कन्हाई चंद तालापात्रा ने किया।

क्रिकेट प्रशिक्षण के शुरूआत से खिलाड़ियों में उत्साह और उमंग देखने को मिली है। यह कदम वाराणसी में खेल को और भी लोकप्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

राजस्थानः सरेराह महिला का अपहरण, बदमाशों ने घसीटते हुए किया किडनैप

याशिका वर्मा/ राजस्थानः राजस्थान के एक शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक महिला को सरेराह अपहरण का शिकार बनाया गया। किसी फिल्मी सीन की तरह, महिला बचाव की गुहार लगाती रही, चीखती रही, लेकिन बदमाशों ने उसे ऑटो रिक्शा से घसीटते हुए जबरदस्ती अपने साथ ले लिया। यह घटना इतनी भयावह थी कि आसपास के लोग बस तमाशा देखते रहे, लेकिन किसी ने महिला की मदद करने की हिम्मत नहीं दिखाई। महिला की चीख-पुकार के बावजूद आरोपी उसे खींचते-घसीटते हुए ले गए, जो इस मामले को और भी भयंकर बना देता है। महिला के परिवार ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है, और अधिकारियों ने आरोपी की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के मुताबिक, अपहरणकताओं का कोई स्पष्ट निशान नहीं मिला है, लेकिन वे इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने का वादा किया है, और महिला के परिवारवालों ने कड़ी सजा की मांग की है। यह घटना महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को लेकर सवाल खड़े करती है। सरेराह हुई इस वारदात ने न सिर्फ उस महिला को बल्कि समाज को भी झकझोर कर रख दिया है।

दिल्लीः बस्ती में ग्राम विकास अधिकारी पर पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार का आरोपः गुटखा थूकने की घटना

याशिका वर्मा

दिल्लीः बस्ती जिले में ग्राम विकास अधिकारी पर एक पत्रकार के साथ अभद्रता करने का गंभीर आरोप लगा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ग्राम विकास अधिकारी ऋतुराज पाण्डेय ने उस पत्रकार के मुंह और कपड़ों पर गुटखा थूक दिया, जिसने उनके भ्रष्टाचार से जुड़ी खबरें प्रकाशित की थीं। यह घटना पुलिस स्टेशन में उस वक्त हुई जब पत्रकार अपनी शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे थे।

पत्रकार ने आरोप लगाया कि ऋतुराज पाण्डेय ने गुस्से में आकर उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। यह घटना पत्रकारिता की स्वतंत्रता और अधिकारों पर एक गंभीर हमला है, क्योंकि पत्रकार केवल अपनी पेशेवर जिम्मेदारी निभा रहे थे।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के संकेत दिए हैं। पत्रकारों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

यह मामला बस्ती में चर्चा का विषय बन गया है और पत्रकारों ने इस प्रकार के उत्पीड़न को रोकने के लिए मजबूत कानून बनाने की जरूरत पर जोर दिया है।बस्ती में ग्राम विकास अधिकारी पर पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार का आरोपः गुटखा थूकने की घटना

बस्ती जिले में ग्राम विकास अधिकारी पर एक पत्रकार के साथ अभद्रता करने का गंभीर आरोप लगा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ग्राम विकास अधिकारी ऋतुराज पाण्डेय ने उस पत्रकार के मुंह और कपड़ों पर गुटखा थूक दिया, जिसने उनके भ्रष्टाचार से जुड़ी खबरें प्रकाशित की थीं। यह घटना पुलिस स्टेशन में उस वक्त हुई जब पत्रकार अपनी शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे थे।

पत्रकार ने आरोप लगाया कि ऋतुराज पाण्डेय ने गुस्से में आकर उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। यह घटना पत्रकारिता की स्वतंत्रता और अधिकारों पर एक गंभीर हमला है, क्योंकि पत्रकार केवल अपनी पेशेवर जिम्मेदारी निभा रहे थे।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के संकेत दिए हैं। पत्रकारों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

यह मामला बस्ती में चर्चा का विषय बन गया है और पत्रकारों ने इस प्रकार के उत्पीड़न को रोकने के लिए मजबूत कानून बनाने की जरूरत पर जोर दिया है।

मध्य प्रदेशः रामनगर थाना ने फुल्कोना से 150 लीटर अवैध गोवा व्हिस्की शराब की जब्ती, एक गिरफ्तार

गजेन्द्र कुमार मिश्रा

मध्य प्रदेशः जिले के रामनगर थाना पुलिस ने ग्राम फुल्कोना में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 150 लीटर अवैध गोवा व्हिस्की शराब को जप्त किया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई श्रीमान पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी कोतमा के निर्देश पर चल रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत की गई।

21 नवंबर 2024 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि धनीराम विश्वकर्मा नामक व्यक्ति ने अपने घर में अवैध शराब रखी है और उसे बेचने के लिए तैयार किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धनीराम के घर पर दबिश दी, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। इसके बजाय, घर में उसका भाई बलदेव विश्वकर्मा शराब की रखवाली कर रहा था। बलदेव ने बताया कि धनीराम ने 20 नवंबर 2024 को रात्रि में शराब की बड़ी खेप घर में लाकर रखी थी और उसे ताला लगाकर चाबी अपने पास रख ली थी।

पुलिस ने मौके पर विधिवत पंचनामा तैयार किया और घर का ताला खोलकर तलाशी ली। तलाशी में 14 खाकी रंग के कार्टून और 3 प्लास्टिक बोरियों में 838 पाव गोवा व्हिस्की शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत लगभग 1,13,130 रुपये थी। बलदेव द्वारा शराब के वैध दस्तावेज पेश न करने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया।

फिलहाल, फरार आरोपी धनीराम की तलाश जारी है। इस सफल ऑपरेशन में थाना प्रभारी निरीक्षक अमर वर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक श्याम लाल मरावी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक उमेश तिवारी, और अन्य पुलिसकर्मियों का अहम योगदान रहा। पुलिस इस मामले में गहराई से जांच कर रही है।

झारखण्डः हाफिजूल जी ने शिक्षा मंत्री और पप्पू यादव से उठाए स्थानीय मुद्दे

राजेश कुमार यादव

झारखण्डः हाल ही में उन्नाव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हाफिजूल जी ने शिक्षा मंत्री, पप्पू यादव और अन्य नेताओं से कई अहम सवाल पूछे। वह स्टेज पर खड़े होकर समय-समय पर घड़ी देख रहे थे और यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि क्या कल्पना सोरेन से मिलकर अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। हाफिजूल जी का मुख्य सवाल यह था कि उनके पास सिर्फ 1 करोड़ रुपये हैं, लेकिन स्टेज और हेलीकाप्टर के खर्च का हिसाब कैसे मिलेगा?

उन्होंने शिक्षा मंत्री से पूछा कि किसने और क्यों स्कूलों के नाम बदलने का निर्णय लिया। इसके अलावा, वह फुरकान अंसारी से यह जानना चाहते थे कि अगर किसी स्कूल में 4 कक्षाओं के बच्चे फेल हो जाते हैं तो उस स्कूल

के शिक्षक क्या कदम उठाते हैं? उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या कोई शिक्षक अपने जन्मदिन पर लाखों रुपये खर्च कर सकता है, जबकि स्कूल के बच्चे भूखे रहते हैं।

इसके साथ ही, हाफिजूल जी ने पप्पू यादव से यह सवाल किया कि दिल्ली छोड़कर इलाज के लिए जाना कितना जरूरी है, जबकि उनकी अपनी क्षेत्र में कई मुद्दे हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पप्पू यादव ने पिछले 15 वर्षों में बहुत कम प्रगति की है, और कई गांवों, स्कूलों, सड़कों, मंदिरों और मस्जिदों की हालत जर्जर है, साथ ही कई नदी पुल भी सही हालत में नहीं हैं।

हाफिजूल जी का यह सवाल पूरे कार्यक्रम में चर्चा का विषय बन गया, और यह स्पष्ट किया कि नेताओं से जवाबदेही की जरूरत है। उनके सवालों ने क्षेत्रीय मुद्दों और शिक्षा व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए, जो अभी भी समाधान का इंतजार कर रहे हैं।

दिल्लीः 10,000 युवा इंडिया गेट पर करेंगे संविधान की प्रस्तावना का पाठ

याशिका वर्मा

दिल्लीः भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर, युवा एवं खेल मंत्रालय ने युवाओं में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया है। 25 नवंबर को, 'मेरा संविधान, मेरा स्वाभिमान' पदयात्रा की शुरूआत मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से होगी, जिसमें 125 से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं के 10,000 से ज्यादा युवा भाग लेंगे।

26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर, इंडिया गेट के पास आयोजित एक बड़े आयोजन में, ये 10,000 युवा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक रूप से पाठ करेंगे। यह पहल भारतीय युवाओं को उनके संविधान के प्रति जिम्मेदारी और सम्मान का अहसास दिलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। खेल एवं युवा मामलों के मंत्री, मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को इस कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य युवाओं को संविधान की अहमियत और हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना है। यह आयोजन हमारे संविधान के प्रति सम्मान को बढ़ाने और देश में लोकतांत्रिक संस्कृति को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए युवाओं ने जमकर पंजीकरण किया है, और यह आयोजन इस बात का प्रतीक बनेगा कि संविधान के प्रति हमारे युवाओं का जागरूकता और उत्साह निरंतर बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेशः टाउन हॉल क्षेत्र के स्ट्रीट वेंडरों पर नगर निगम का उत्पीड़न फिर से शुरू

मांगी लाल/उत्तर प्रदेशः टाउन हॉल क्षेत्र के स्ट्रीट वेंडरों पर नगर निगम का उत्पीड़न एक बार फिर से शुरू हो गया है, जो पिछले 40-50 वर्षों से यहां अपने कारोबार चला रहे हैं। इन स्ट्रीट वेंडरों का आरोप है कि नगर निगम द्वारा हमेशा उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा है। उन्हें लगातार यह आदेश दिया जाता है कि इस क्षेत्र में कोई दुकान नहीं बनाई जाएगी और न ही उन्हें यहां बैठने की अनुमति दी जाएगी, जबकि यही क्षेत्र 'नो वेंडिंग जोन' घोषित किया गया है।

हालांकि, नगर निगम की कथनी और करनी में फर्क साफ नजर आ रहा है, क्योंकि अब इस क्षेत्र में एक शॉपिंग कंपलेक्स का निर्माण किया जा रहा है, जिससे स्ट्रीट वेंडरों के प्रति नगर निगम के रवैये पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व में एक नगर निगम अधिकारी ने कहा था कि अगर इस क्षेत्र में कोई दुकान बनेगी, तो सबसे पहले स्ट्रीट वेंडरों को ही दी जाएगी, लेकिन यह वादा अब तक पूरा नहीं हो सका।

मध्य प्रदेशः शैक्षणिक भ्रमणः सी एम राइज विद्यालय के छात्रों ने नेचरल गोल्ड मिल का दौरा किया

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेशः सी एम राइज विद्यालय के छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान नेचरल गोल्ड मैदा कट्टन मिल का दौरा किया। यह भ्रमण विद्यालय के व्यावसायिक ट्रेड रिटेल पाठ्यक्रम के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 100 विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को उद्योग के कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। छात्रों ने मिल में जाकर आटा, मैदा, सूजी और रवा बनाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। यह अनुभव विद्यार्थियों के लिए एक अमूल्य अवसर साबित हुआ, जिसमें उन्हें रोजगार और व्यवसाय संबंधी कौशल सिखाने का अवसर मिला। भ्रमण के दौरान सी एम राइज विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सरिता ओझा, नोडल अधिकारी चंदप्रकाश त्रिपाठी, व्यावसायिक नोडल अधिकारी हेमेंद्र उपाध्याय, रिटेल व्यावसायिक शिक्षिका प्रतिभा राठौड़ और शिक्षिका सपना उपाध्याय ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

इस आयोजन में विद्यालय के सभी स्टाफ का सहयोग प्राप्त हुआ। विद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण छात्रों को उनके पेशेवर जीवन के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करने में मदद करते हैं, जिससे वे भविष्य में बेहतर निर्णय ले सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

उत्तर प्रदेशः पुलिस अधीक्षक का यातायात व्यवस्था का निरीक्षण, सुरक्षा को लेकर दिए सख्त निर्देश

मोहम्मद राशिद

उत्तर प्रदेशः पुलिस अधीक्षक कुमार अनुपम सिंह ने शुक्रवार को जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर में विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यातायात व्यवस्था का जायजा लिया और सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण, जाम की समस्या और शहरी क्षेत्र में यातायात को सुचारू बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने मुख्य बाजारों में पैदल मार्च भी किया, जिससे आम जन को सुरक्षा का अहसास हो सके। ब्राह्मण के दौरान उन्होंने दुकानदारों और व्यापारियों से भी सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का अनुरोध किया।

साथ ही, पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से जूटियां चेक करते हुए यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीआर लेपर्ड मोबाइल चेक कर कर्मचारियों को मुस्तैदी से काम करने की हिदायत दी।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई का निर्देश देते हुए, पुलिस अधीक्षक ने बिना लाइसेंस, हेलमेट के बिना दोपहिया वाहन चलाने, सीट बेल्ट न लगाने और ओवरस्पीडिंग करने वालों के खिलाफ अभियान चलाने की बात कही। इस भ्रमण के दौरान प्रशासनिक अधिकारी और पुलिसकर्मी भी उनके साथ थे।

उत्तर प्रदेशः यूपी-बिहार सीमा पर 5 करोड़ की सड़क निर्माण, ठेकेदार पर सुरक्षा नियमों की अनदेखी का आरोप

तूफानी यादव/उत्तर प्रदेशः जनपद कुशीनगर के विकासखंड दुदही में यूपी से बिहार जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य इन दिनों जोर-शोर से चल रहा है। केंद्र सरकार द्वारा 5 करोड़ रुपये की धनराशि से इस परियोजना पर काम किया जा रहा है, जिसमें जंगल नौगांव घाट पर गेट और सुंदरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इस सड़क के दोनों ओर फूल, पत्तियां, टाइल्स जैसी सजावट से आने वाले समय में यह क्षेत्र यूपी और बिहार के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

लेकिन इस निर्माण कार्य में सुरक्षा नियमों की अनदेखी किए जाने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। ठेकेदार पंकज सिंह पर आरोप है कि उन्होंने सड़क निर्माण के दौरान जरूरी सुरक्षा संकेतक जैसे चेतावनी चिन्ह और रात्रि में गड्ढों के आसपास कोई संकेतक नहीं लगाए हैं, जिससे आने-जाने वाले वाहनों और जनता के लिए जोखिम बढ़ सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर इसी तरह सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती रही, तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

गुलरिया से धनहा जाने वाली सड़क के बारे में जानकारी मिली है कि कुछ लोग पीडब्ल्यूडी की जमीन पर अवैध रूप से पक्के घर बना चुके हैं, जिनसे सड़क का क्षेत्र सिकुड़ गया है। इन कब्जों को हटाना भविष्य में जरूरी हो सकता है। इस मुद्दे को लेकर स्थानीय प्रशासन को सूचित किया गया है, और मुख्यमंत्री से निवेदन किया गया है कि ठेकेदार पंकज सिंह को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि सड़क निर्माण में कोई बड़ी समस्या न उत्पन्न हो।

झारखंड में कथित लूट और अवैध गतिविधियों पर जांच की मांग

राजेश कुमार यादव

झारखंड: पिछले कुछ समय से विभिन्न धार्मिक स्थलों और धरोहरों से कथित लूट और अवैध गतिविधियों की घटनाएं सामने आ रही हैं। यह मामला अब तूल पकड़ चुका है, और विभिन्न नेता और समाजिक कार्यकर्ता राज्य के उच्च अधिकारियों से इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। राज्य के कई धार्मिक स्थल, मंदिर, दरगाह, गुरुद्वारे और चर्च से कीमती धातु, सोना, चांदी और अन्य मूल्यवान वस्तुएं गायब होने की शिकायतें मिली हैं। साथ ही, कुछ स्थानों से ड्रग्स और ताश की खेलने की गतिविधियों की भी रिपोर्ट्स हैं, जो कि चिंता का कारण बन रही हैं।

झारखंड के साथ-साथ ओडिशा और महाराष्ट्र के अधिकारियों पर भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने इस लूट और अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। झारखंड के कुछ नेताओं का कहना है कि राज्य के विकास और धरोहरों की सुरक्षा के नाम पर जो लूट मची हुई है, उसमें उच्चस्तरीय अधिकारी और अन्य प्रमुख व्यक्तियों की मिलीभगत है। विशेष रूप से देवघर, रांची, और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में कथित रूप से सरकारी अधिकारियों द्वारा अवैध व्यापार चलाने और धार्मिक स्थानों से कीमती सामग्री की चोरी की बात सामने आ रही है। इस मुद्दे को लेकर देवघर के डीसी विशाल सागर, झारखंड और ओडिशा के डीसी, सीओ और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से जांच की मांग की जा रही है। आरोप है कि इन अधिकारियों ने न केवल धार्मिक स्थलों की सुरक्षा में लापरवाही की, बल्कि कई जगहों पर इन लूटों के पीछे उनके हाथ भी हो सकते हैं। साथ ही, महाराष्ट्र और ओडिशा के कुछ नेताओं का नाम भी इस मामले में जुड़ा हुआ है, जो कथित रूप से राज्य की धरोहरों से जुड़ी अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर काफी बहस हो रही है, और राज्य में अब इस मामले की विस्तृत जांच की मांग की जा रही है।

आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए, धार्मिक स्थलों के पुजारियों और दरगाह के मौलवियों पर भी जांच के संकेत दिए गए हैं। इनके ऊपर यह आरोप है कि उन्होंने लूट के इन घटनाओं में किसी न किसी रूप में सहमति दी है या भाग लिया है। यह पूरा मामला राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर विवाद का कारण बन चुका है और अब यह देखना होगा कि इन आरोपों की जांच के बाद किस तरह की कार्रवाई की जाती है। झारखंड और अन्य राज्यों के नागरिक अब इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि आखिरकार इन अवैध गतिविधियों के पीछे के असल दोषियों को कब पकड़ लिया जाएगा।

कुंदरकी उपचुनाव : लखनऊ जा रहे 35 सपा कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

सीतापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की कुंदरकी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कथित धांधली के विरोध में मुरादाबाद से लखनऊ जा रहे समाजवादी पार्टी (सपा) के करीब 35 कार्यकताओं को सीतापुर जिले की खैराबाद पुलिस ने शनिवार देर रात हिरासत में ले लिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राष्ट्रपति और उच्चतम न्यायालय समेत अन्य संस्थाओं से अपील की कि वे मामले का तुरंत संज्ञान लेकर यह सुनिश्चित करें कि जो लोग अपने मताधिकार के लिए आवाज उठाना चाहते हैं, उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार उनके साथ कोई अन्याय या अत्याचार न कर सके। सीतापुर पुलिस ने कहा कि अपराध की रोकथाम के लिए कोतवाली नगर और खैराबाद पुलिस ने शनिवार देर रात बैरियर लगाकर की जा रही नियमित जांच के दौरान विभिन्न जिलों से आए कुल 35 संदिग्ध व्यक्तियों व पांच वाहनों को रोका तथा उनके पास आरसी व अन्य दस्तावेज न होने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की।

अखिलेश ने रविवार सुबह 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में आरोप लगाते हुए कहा, 'कुंदरकी में जिन लोगों को सरेआम वोट डालने से रोका गया या जिनके वोट किसी और ने डाल दिए, वे सब लोग अपनी व्यथा बताने के लिए लखनऊ आ रहे थे, क्योंकि वहां स्थानीय स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हो रही थी।' उन्होंने कहा, 'इससे भाजपा के चुनावी घपले का भंडाफोड़ हो जाता, इसीलिए बीच रास्ते में उन्हें सीतापुर में पुलिस ने निरुद्ध किया।'सपा प्रमुख ने लिखा, 'हम राष्ट्रपति महोदया, माननीय सर्वोच्च न्यायालय, निर्वाचन आयोग, मानवाधिकार आयोग, माननीय राज्यपाल व देश के सभी समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों से आग्रह करते हैं कि इस मामले का तुरंत संज्ञान लें और यह सुनिश्चित करें कि जो लोग अपने वोट के अधिकार के लिए आवाज उठाना चाहते हैं।

उत्तर प्रदेश: मुरादाबाद में ऑल इंडिया मोमिन कांफ्रेंस की महत्वपूर्ण बैठक

अनिल

उत्तर प्रदेश: प्रदेश सचिव इरशाद आलम अंसारी के निवास पर ऑल इंडिया मोमिन कांफ्रेंस की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष हसन आरिफ साहब ने की, जबकि मुरादाबाद मंडल के प्रभारी और कांढ के चैयरमैन इकबाल हुसैन अंसारी साहब भी उपस्थित रहे।

बैठक का संचालन अनवर मुमताज और हाफिज हबिबुर रहमान ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान आने वाले कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कई महत्वपूर्ण सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व महानगर अध्यक्ष सआदुद्दीन, मार्शल, हाजी इसतियाक साहब, हाजी जाकिर साहब, हाजी रियाज अनवर साहब, हाजी फाकिर साहब, राहत अजीजी

मुख्तार उर्फ चीनू, सिकंदर यूनुस, मौहम्मद नूर (जनरल सैक्टरी), मास्टर कमर अंसारी, जाकिर पहलवान, मौहम्मद दानिश अंसारी, मौहम्मद फैसल अंसारी, उमर दराज अंसारी आदि शामिल थे।

इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, जिससे संगठन के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। प्रदेश अध्यक्ष हसन आरिफ साहब ने सभी सदस्यों से सक्रियता की अपील की और संगठन की मजबूती के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

बैठक का उद्देश्य न केवल संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाना था, बल्कि मुरादाबाद क्षेत्र में समाजिक और धार्मिक मुद्दों पर भी चर्चा करना था, जिससे कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

इस बैठक के माध्यम से ऑल इंडिया मोमिन कांफ्रेंस ने अपने सदस्यों के बीच एकता और सहयोग का संदेश फैलाने का प्रयास किया।

राजस्थान: दिवाली के बाद बिगड़ी हवा की सेहत: जोधपुर में बढ़ा प्रदूषण, स्वास्थ्य पर असर

मांगी लाल

राजस्थान: बीती रात जोधपुर में भयंकर वायु प्रदूषण की स्थिति रही। रात 9:00 बजे से लेकर सुबह 5:00 बजे तक वाय गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 400 के पास रहा, जो खतरनाक स्तर को दशार्ता है। खासतौर पर कलेक्टर रोड पर प्रदूषण अत्यधिक बढ़ गया, जहां AQI 500 तक पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अनुसार, AQI 500 तक मापने की क्षमता रखता है, जो यह संकेत करता है कि इस इलाके की हवा बेहद जहरीली थी। इस स्तर के प्रदूषण में लंबा समय तक सांस लेने से श्वसन और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। अक्टूबर तक हवा की गुणवत्ता में कोई बड़ी गिरावट नहीं आई थी,

लेकिन नवंबर महीने में प्रदूषण अपने चरम पर पहुंच गया है। नवंबर के अधिकांश दिनों में AQI 150 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ऊपर रहा, जबकि कुछ दिनों में यह 200 से भी अधिक रिकॉर्ड किया गया।

इस दौरान, दो-तीन दिन तो AQI 250 से ऊपर दर्ज किया गया। प्रदूषण के कारणों की बात करें तो बढ़ती जनसंख्या, वाहनों की संख्या में वृद्धि, फैक्ट्रियों और कल-कारखानों से निकलने वाले धुएं को प्रमुख कारण माना जा रहा है। इन सभी कारणों से वायु प्रदूषण फैलता है, जिसका असर वातावरण और नागरिकों की सेहत पर पड़ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसान की जानकारी न होने के कारण लोग इससे अनजान रहते हैं। ऐसे में नागरिकों को जागरूक होकर प्रदूषण कम करने के प्रयास करने होंगे। साथ ही, सरकार को प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने होंगे, ताकि लोगों की सेहत पर कोई प्रतिकूल असर न पड़े। अभी तक, प्रदूषण नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नजर नहीं आ रहे हैं, और यह चिंता का विषय बन गया है। जोधपुरवासियों को प्रदूषण से बचाव के उपायों को अपनाने की आवश्यकता है।

पीलीभीत में रेलवे पटरी से 25 फुट लंबी लोहे की सरिया बरामद

पीलीभीत (उप्र), एजेंसी। पीलीभीत से बरेली के बीच रेल पटरी पर 25 फुट लंबी लोहे की सरिया पुलिस ने रेलकर्मियों के साथ बरामद की है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने रविवार को बताया कि यहां जहानाबाद थानाक्षेत्र में पीलीभीत-बरेली रेल पटरी पर 25 फुट लंबी लोहे की सरिया मिली। इस संबंध में जहानाबाद थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। नगर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) दीपक चतुवेर्दी ने पत्रकारों को बताया कि 22 नवंबर की रात 9:20 बजे ललौरी खेड़ा के पास रेल पटरी पर करीब 12 मिलीमीटर व्यास की 25 फुट लंबी लोहे की रॉड मिली थी। उन्होंने बताया लोहे की रॉड के कारण ट्रेन संख्या 05312 डेमो पैसेंजर पीलीभीत से बरेली के बीच करीब चार मिनट तक वहीं रुकी रही। उन्होंने कहा कि पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के दलों ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच की। रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर नेत्रपाल सिंह के मुताबिक, जहानाबाद और शाही रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे क्रॉसिंग के पास पटरी पर लोहे की रॉड रखी हुई थी। उन्होंने बताया कि रात 9:15 बजे ट्रेन का इंजन लोहे की रॉड से टकरा गया। उन्होंने कहा कि हालांकि एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने इसे ट्रेन और यात्रियों को नुकसान पहुंचाने की सोची समझी साजिश बताया।

उत्तर प्रदेश: उपचुनाव परिणाम: सपा और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर, योगी सरकार ने जाहिर की खुशी

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: विधानसभा के उपचुनाव के परिणामों ने राज्य की राजनीतिक तस्वीर को फिर से उजागर कर दिया है। 9 सीटों पर हुए इस उपचुनाव में मतगणना जारी है, और परिणामों के मुताबिक, कुछ सीटों पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। कानपुर की सीसामऊ और करहल सीट पर समाजवादी पार्टी (सपा) ने जीत दर्ज की है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) ने गाजियाबाद, खैर, फूलपुर, मीरा पुर जैसी सीटों पर जीत हासिल की है। भाजपा ने मुरादाबाद की कुंदरकी, कटेहरी, और मझवां सीटों पर भी बढ़त बनाई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि, ह्लइलेक्शन को करप्शन का पर्याय बनाने वालों के हाथकंडे तस्वीरों में कैद होकर दुनिया के सामने उजागर हो चुके हैं। इस उपचुनाव ने चुनावी राजनीति का सबसे विकृत रूप दिखाया।

सत्य का असत्य हो सकता है, लेकिन युग नहीं। अब असली संघर्ष शुरू हुआ है। सपा सांसद डिंपल यादव ने भी इस दौरान कार्यकताओं और मतदाताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, "जो कठिन परिस्थितियां थीं, उनके बावजूद समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं और उन सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने मतदान किया। उपचुनाव के नतीजों पर महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के संदर्भ में भी चर्चा हुई। डिंपल यादव ने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे अपेक्षाओं के विपरीत रहे हैं। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा की जीत पर खुशी जाहिर की है। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को धन्यवाद दिया और आगामी चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को लेकर चर्चा की। त्तर प्रदेश में इस उपचुनाव ने सपा और भाजपा के बीच राजनीतिक गहमागहमी को और तेज कर दिया है, और अब सभी की नजरें आगे होने वाले विधानसभा चुनावों पर टिकी हुई हैं।

राजस्थान: जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना दलों के प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थान: खींवसर विधानसभा उप चुनाव-2024 में मतगणना दलों (माईक्रो आबजर्रवर, मतगणना सुपरवाईजर एवं मतगणना सहायकों) के प्रशिक्षण का शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर) श्री अरुण कुमार पुरोहित ने जिला परिषद सभागार नागौर में निरीक्षण किया।

इस दौरान सामान्य पर्यवेक्षक श्री संजीव कुमार झा ने मतगणना प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री पुरोहित ने मतगणना दलों से संवाद कर प्रशिक्षण संबंधी जानकारी ली। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चम्पालाल जीनगर ने डाक मत पत्र गणना के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार ने मत गणना के बारे में मतगणना दलों के द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। प्रशिक्षण के सहायक प्रभारी अधिकारी श्री मानाराम पचार ने बताया कि मतगणना दलों को ईवीएम से मतगणना व डाक मत पत्र से मतगणना, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा किये गए बन्दोबस्त तथा मतगणना राउन्ड के लिए लगायी जाने वाली टेबलों सहित विभिन्न प्रबन्धों का विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

श्री पुरोहित ने बताया कि शुक्रवार को मतगणना के लिए अंतिम प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण में डाक मत पत्र गणना तथा ईवीएम मतगणना के लिए जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर चिरंजीलाल कमेड्यिा एवं तुलछाराम गोदारा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

उत्तर प्रदेश: उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य का बड़ा बयान, महाराष्ट्र में सरकार बनाने की घोषणा

मदन

उत्तर प्रदेश: बाँदा पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने आज एक प्रेस कांफ्रेंस में कई अहम राजनीतिक बयान दिए। मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) जल्द ही महाराष्ट्र में सरकार बनाने जा रही है और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) से कई सीटें छीनने का दावा किया।

मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा, "एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो कि एक पिछड़े वर्ग से आते हैं, देश और विदेश में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं, तो दूसरी ओर राहुल गांधी प्रधानमंत्री को गालियाँ देने का काम कर रहे हैं।" उन्होंने राहुल गांधी को आलोचना करते हुए कहा कि वह केवल मोदी सरकार के खिलाफ बोलते हैं, लेकिन राष्ट्रहित में कुछ नहीं करते। उपमुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी को "समाप्त वादी पार्टी" करार देते हुए दावा किया कि आगामी चुनावों में सपा का जनाधार खत्म हो जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने पीडीए (प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक अलायंस) को "फर्जी डेवलपमेंट पार्टी" बताया और इंडिया गठबंधन को लेकर भी सवाल उठाए, कहकर कि इसमें कोई वास्तविक गठबंधन नहीं है। मौर्य ने यूपी में भाजपा की मजबूत स्थिति को दोहराते हुए कहा कि पार्टी अपनी सीटें जीतने के बाद सपा से सीटें भी छीन रही है।

एक नजर

मध्य प्रदेश: उज्जैन में फुटपाथ व्यापारियों का संघर्ष: स्थायी रोजगार की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन

संजयसिंह चौहान/मध्य प्रदेश: 35 वर्षों से फुटपाथ पर व्यापार कर रहे उज्जैन के हाथ ठेला एवं फुटपाथ व्यापारी संघ के सदस्यों ने भारतीय मजदूर संघ नेशनल हॉकर फेडरेशन के माध्यम से नगर निगम के खिलाफ अपनी निराशा व्यक्त की। व्यापारियों ने बताया कि वे पहले चार नंबर गेट से हरसिद्धि चौराहा तक ठेला गाड़ी लगाकर व्यापार करते थे, लेकिन 2022 में नगर निगम द्वारा उन्हें बेदखल कर दिया गया। बेदखली के बाद उन्हें कोई वैकल्पिक स्थान नहीं दिया गया है। संघ के सदस्यों का आरोप है कि उन्होंने कई बार नगर निगम से स्थायी रोजगार की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं मिला। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री योजना के तहत उन्हें 10,000 रुपये का लोन तो दिया गया, लेकिन इसके बाद के लोन की प्रक्रिया में कई अड़चने हैं। कई फाइलें बैंक में लंबित पड़ी हैं और उन्हें आगे कोई वित्तीय सहायता नहीं मिल रही है। इस समस्या को लेकर व्यापारियों ने मुख्यमंत्री के गृह नगर में उनकी उपस्थिति के दौरान माननीय सांसद महोदय को एक ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में मुख्यमंत्री के नाम अपील की गई है कि इन व्यापारियों को स्थायी रोजगार मुहैया कराया जाए और उनकी लंबित फाइलों का शीघ्र निपटान किया जाए। व्यापारियों ने यह भी कहा कि उनकी आवाज सुनी जाए ताकि वे अपनी आजीविका चला सकें और सरकार की योजनाओं का लाभ ठीक से प्राप्त कर सकें।

राकेश टिकैत ने संभल की घटना पर प्रतिक्रिया दी, डीएपी को लेकर सरकार पर कसा तंज

बदायूं, एजेंसी। किसान नेता राकेश टिकैत रविवार को बदायूं के सहसवान में भारतीय किसान यूनियन की कार्यकर्ता बैठक में पहुंचे। यहां पर भाकियू कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान किसान नेता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के संभल की घटना और डीएपी खाद के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों ने राकेश टिकैत से संभल की जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुए बवाल पर सवाल किया। जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि टीम को शांतिपूर्ण ढंग से सर्वे करने देना चाहिए। हमारा कहना है कि सर्वे कर लो, जो जिसकी जगह है उसको दे दो। जिले में ही नहीं पूरे राज्य में डीएपी खाद की समस्या देखी जा रही है, हर साल जब गेहूं की बुवाई का समय आता है तब डीएपी की समस्या किसानों को होती है। किसान यूनियन इसके लिए क्या कदम उठाएगी। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि डीएपी सरकार, अधिकारी और व्यापारी के पेट में है। डीएपी व्यापारी की दुकान में मिलेगी। जो ब्लैक करता हुआ पकड़ा जाए उसे पकड़ लो। डीएपी की इस बीमारी से भी दूर रहना चाहिए। आज से 40 साल पहले क्या डीएपी थी। हमारे पुरखों ने बिना डीएपी के खेती की थी। आने वाले समय में समस्या और बढ़ेगी। हमें धीरे-धीरे अपनी ऑर्गेनिक खेती की तरफ चलना पड़ेगा। इसका यही समाधान है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम 26 तारीख को हर जिला मुख्यालय में प्रदर्शन करेंगे। इसमें भूमि अधिग्रहण, किसान की जमीन की नीलामी, डीएपी, फसलों का दाम, एमएसपी कानून से संबंधित सवाल रहेंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सरकार को जनसंख्या नियंत्रण कानून लाना चाहिए। यह साल 2014 में आना चाहिए था।

फरुर्खाबाद में युवक और नाबालिग किशोरी के शव मिले

फरुर्खाबाद, एजेंसी। फरुर्खाबाद जिले के एक गांव में 15 वर्षीय एक नाबालिग किशोरी और एक व्यक्ति के शव रविवार को एक अर्धनिर्मित मकान से पुलिस ने बरामद किये। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने संदेह जताया कि दोनों के बीच प्रेम संबंध था और दोनों की मौत जहरीला पदार्थ खाने से हुई। पुलिस के अनुसार दोनों शुक्रवार से लापता थे और दोनों के शव नगला खैरबंद गांव में एक खाली पड़े मकान में मिले। पुलिस ने दोनों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार दोनों की पहचान सनीपाल (23) और वर्षा (15) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वर्षा कक्षा 10 की छात्रा थी। पुलिस ने बताया कि सन्नी का शव कमरे के बाहर और वर्षा का शव कमरे के अंदर मिला। पुलिस ने बताया कि लड़की के बैग में जहर की एक बोतल मिली है। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि सन्नी और वर्षा के बीच प्रेम प्रसंग था लेकिन वर्षा के परिवार ने उसकी शादी तय कर दी थी और 19 नवंबर को शादी की कुछ रस्में भी हो गई थीं। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि दोनों ने जहर खाया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बरेली में पुल से नीचे गिरी कार, तीन लोगों की मौत

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के फरीदपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक निमार्णाधीन पुल से गुजर रही कार नीचे रामगंगा नदी में गिर गई, जिससे उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा फरीदपुर थाना क्षेत्र के खल्लपुर-दातागंज मार्ग पर बन रहे रामगंगा पुल पर हुआ। घटना की सूचना मिलते ही फरीदपुर और बदायूं जिले के दातागंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कार और उसमें सवार तीन लोगों के शव नदी से बाहर निकाले। अधिकारियों के मुताबिक, तीनों कार सवार रविवार सुबह करीब 10 बजे बरेली से दातागंज जा रहे थे और वे मार्गदर्शन के लिए जीपीएस की मदद ले रहे थे। उन्होंने बताया कि बाढ़ के चलते पुल का अगला हिस्सा नदी में बह गया था, लेकिन जीपीएस नेविगेशन में यह जानकारी अपडेट नहीं की गई थी, जिससे पुल से गुजर रहे कार सवार नीचे नदी में गिर गए और बड़ा हादसा हो गया। फरीदपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आशुतोष शिवम ने बताया कि मामले में अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और पुलिस तीनों मृतकों की शिनाख्त में जुटी है।

संपादकीय

अमरीकी कठघरे में अडाणी

न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने भारत के शीर्षस्थ उद्योगपति गौतम अडाणी और 7 अन्य आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी किए हैं। अमरीकी निवेशकों, एजेंसियों और बैंकों को गुमराह करने, बेईमानी करने, धोखा देने और भारत में करीब 2200 करोड़ रुपए की घूसखोरी को छिपाने सरीखे गंभीर आरोप अडाणी समूह पर हैं। हालांकि समूह ने आरोपों को गलत और बेबुनियाद करार दिया है, लेकिन यही पर्याप्त नहीं है। अमरीकी कानून और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के नियमानुसार ये बेहद गंभीर अपराध हैं। अडाणी समूह की कुछ कंपनियां न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। चूंकि सौर ऊर्जा के भारत सरकार के अनुबंध के लिए अडाणी समूह ने अमरीकी बाजार और बैंकों से करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाए थे। उसी में से 26.5 करोड़ डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों को कथित रूप से घूस दी गई, ताकि इन राज्य सरकारों से सौर ऊर्जा के अनुबंध हासिल किए जा सकें। रिश्वत और ठेकेदारी के इस खेल में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ मॉरीशस की भी एक कंपनी थी, जिन्हें 'सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' (सेकी) का 12 गीगावॉट अर्थात 12,000 मेगावॉट सौर ऊर्जा का ठेका मिला था। चूंकि ऊर्जा महंगी थी, लिहाजा राज्य सरकारें उसे खरीद नहीं पा रही थीं। सौदेबाजी के लिए घूस दी गई, यह आरोप है। समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने 2021 में आंध्रप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी से मुलाकात की थी और राज्य सरकार 7000 मेगावॉट बिजली खरीदने को राजी हुई थी। ओडिशा ने भी 500 मेगावॉट बिजली खरीदी थी। जिन सरकारों के साथ अडाणी समूह ने करार किए थे, वहां तब विपक्ष की सरकारें थीं। सिर्फ जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन था, लेकिन तब भी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ही थे। बहरहाल अब अडाणी को अमरीकी अदालत के कठघरे में पहुंच कर अथवा अपने वकीलों के जरिए अपना पक्ष रखना होगा। अदालत से जमानत या मामला खत्म करने की गुहार लगानी होगी। यह ऐसी कोर्ट है, जिसमें निर्वाचित अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी हाजिर होना पड़ा था। यदि अडाणी को फेडरल कोर्ट में राहत नहीं मिलती है, तो आरोपित वहां की सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं। अलबत्ता कोर्ट के मुताबिक, अभी अडाणी और अन्य आरोपित 'दोषी' नहीं हैं। अब मामला अमरीकी अदालत में है, लेकिन यह खबर सामने आते ही भारतीय शेयर बाजार और राजनीति में 'भूचाल' आ गया।

दिल्ली का लगातार वायु प्रदूषण संकट

"नवंबर 2024 में, वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर स्तर को पार कर गया, जो कुछ क्षेत्रों में 500 तक पहुँच गया, जो 400 की "गंभीर" सीमा से कहीं अधिक है। यह भयावह स्थिति शहर के बढ़ते प्रदूषण संकट से निपटने के लिए प्रभावी, दीर्घकालिक समाधानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। सामान्य वायु प्रदूषण भारत में अपनी आधी से अधिक बिजली बनाने के लिए कोयले को जलाने से जुड़ा है।"

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

भारत अपने विषैले धुएँ को साफ करने में क्यों विफल रहा है? राज्य के अधिकारी एक प्रायोगिक योजना का प्रचार करते हैं जिसमें बारिश के लिए बादलों को उत्तेजित करना शामिल है, लेकिन वैज्ञानिक संशय में हैं। तकनीकी प्रगति और नीतिगत हस्तक्षेपों के बावजूद दिल्ली को अक्सर दुनिया भर में सबसे प्रदूषित शहरों में से एक माना जाता है, जहाँ वायु गुणवत्ता में गंभीर गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। नवंबर 2024 में, वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर स्तर को पार कर गया, जो कुछ क्षेत्रों में 500 तक पहुँच गया, जो 400 की "गंभीर" सीमा से कहीं अधिक है। यह भयावह स्थिति शहर के बढ़ते प्रदूषण संकट से निपटने के लिए प्रभावी, दीर्घकालिक समाधानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। सामान्य वायु प्रदूषण भारत में अपनी आधी से अधिक बिजली बनाने के लिए कोयले को जलाने से जुड़ा है। दिल्ली में, यह लाखों कारों से होने वाले उत्सर्जन और निर्माण उद्योग से निकलने वाले धुएँ के साथ मिलकर काम करता है, जहाँ कोई प्रदूषण नियंत्रण नहीं है।

कुछ लोग अक्टूबर के अंत में हिंदू रोशनी के त्यौहार दिवाली के दौरान पटाखों के व्यापक उपयोग को भी इसके लिए दोषी ठहराते हैं। अधिकारियों ने 2017 में पारंपरिक पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था और लोगों को केवल पर्यावरण के अनुकूल रोशनी का उपयोग करने की अनुमति दी थी, लेकिन नियम को ठीक से लागू नहीं किया गया। पीएम2.5, प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कण पदार्थ, फेफड़ों में गहराई तक जाकर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन या हृदय की स्थिति वाले लोगों के लिए। हर साल, भारत में श्वसन सम्बंधी बीमारियों से सैकड़ों हजार लोग मरते हैं। 2021 में विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का कोई भी शहर प्रति घन मीटर हवा में 5 माइक्रोग्राम पीएम2.5 के अद्यतन विश्व स्वास्थ्य संगठन सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करता है। भारत के लगभग आधे राज्य इस सीमा को 10 गुना से भी ज्यादा पार कर गए हैं।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निजी वाहनों की बढ़ती संख्या कण पदार्थ उत्सर्जन में महत्त्वपूर्ण योगदान देती है। सफर इंडेक्स से पता चलता है कि वाहन प्राथमिक प्रदूषक हैं, जो पीएम2.5 उत्सर्जन में लगभग 40 प्रतिशत और नाइट्रोजन ऑक्साइड में 81 प्रतिशत का योगदान करते हैं। पुरानी तकनीक और उचित उत्सर्जन नियंत्रण की कमी के कारण दिल्ली और उसके आसपास के उद्योग जहरीली गैसें छोड़ते हैं। एनजीटी ने सीपीसीबी द्वारा प्रस्तुत क्षमता रिपोर्ट के आधार पर जिगजैग तकनीक वाले ईंट भट्टों सहित सभी ईंट भट्टों को बंद करने का निर्देश दिया है। पंजाब और हरियाणा में फसल अवशेषों को जलाने से दिल्ली की हवा में भारी मात्रा में धुआं और कण निकलते हैं। एनसीआर में चल रही निर्माण परियोजनाओं से अपर्याप्त नियंत्रण उपायों के कारण बड़ी मात्रा में धूल उत्पन्न होती है। राजमार्गों और मेट्रो लाइनों के निर्माण से परियोजना निष्पादन के दौरान पीएम10 के स्तर में वृद्धि हुई है। भारत-गंगा के मैदान में दिल्ली का स्थान और सर्दियों के दौरान कम हवा की गति प्रदूषकों को फंसाती है, जिससे घने धुएँ की परत बनती है।

दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए निवारक उपाय स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है जैसे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन पर स्विच करना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को काफी हद तक कम कर सकता है। दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत, सभी डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को 2023 तक अपने बेड़े का 50% और 2025 तक 100% इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। किसानों को बायो-डीकंपोजर और नो-बर्न तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने से पराली जलाने में कमी आ सकती है। महाराष्ट्र में सगुना चावल तकनीक पराली जलाने को कम करती है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ाने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे उत्सर्जन पर अंकुश लग सकता है। दिल्ली मेट्रो चरण क्ष का विस्तार कनेक्टिविटी में सुधार और यातायात से सम्बंधित प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य रखता है। पूसा द्वारा विकसित बायोडीकंपोजर का उपयोग पराली प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण विकल्पों में से एक है।

निर्माण स्थलों पर पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन जैसे धूल दबाने वाले पदार्थों के इस्तेमाल को अनिवार्य करना। 2021 की सर्दियों के दौरान, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आपातकालीन उपायों की एक शृंखला शुरू की, निर्माण पर प्रतिबंध लगाया, तीव्र धूल नियंत्रण उपायों को लागू किया। हरित स्थानों का विस्तार करना और सड़कों के किनारे पेड़ लगाना प्राकृतिक वायु शोधक के रूप में कार्य कर सकता है। नगर वन योजना एनसीआर उप-क्षेत्रों में हरियाली के लिए एक अवसर है। दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए उपचारात्मक उपाय। महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में स्मॉग टावर लगाने से स्थानीय स्तर पर प्रदूषक स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। कॉनॉट प्लेस के स्मॉग टावर ने प्रदूषण के चरम समय के दौरान वायु गुणवत्ता में स्थानीय सुधार दिखाया है। वास्तविक समय प्रदूषण निगरानी सेंसर जैसे उन्नत निगरानी उपकरण लक्षित हस्तक्षेपों के लिए सटीक डेटा प्रदान कर सकते हैं वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दिल्ली की वायु गुणवत्ता संकट को दूर करने के लिए अंतर-राज्यीय सहयोग को बढ़ावा देता है।

पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं पर जनता को शिक्षित करना, जैसे कि वाहनों को निष्क्रिय रखना, प्रदूषण के स्तर को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।

शर्मनाक है 'विध्वंस' को महिमामंडित करना

-तनवीर जाफरी-

साहित्य, मानवीय अभिव्यक्ति का एक ऐसा रूप है जो 'संस्कृति' का प्रसार करता है। साहित्य को समाज का दर्पण भी कहा जाता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं। साहित्य, जीवन के प्रचलन के अनुसार गतिशील रहता है। गैर-काल्पनिक गद्य, काल्पनिक गद्य, कविता, नाटक, और लोक कथाएं आदि साहित्य के प्रमुख रूप हैं। साहित्यिक भाषा, किसी भाषा का वह रूप है जिसका उपयोग औपचारिक, अकादमिक, या विशेष रूप से विनम्र लहजे में लिखते समय किया जाता है। साहित्य समाज के मर्म का भी दर्पण है। यह साहित्य ही है जिसके द्वारा शब्दों के माध्यम से बड़े ही प्रभावी तरीके से अपनी बात कही और दूसरों तक पहुंचाई जाती है। हमारे देश में हिंदी व उर्दू साहित्य का एक सबसे प्रभावी नाम था मुंशी प्रेमचंद। उनके उपन्यासों व कहानियों में प्रायः गरीबी, सामाजिक अन्याय, सामाजिक व साम्प्रदायिक सद्भाव सहित तमाम मानवीय पहलुओं का जिक्र हुआ करता था। इसी तरह प्रेमचंद के समकक्ष अंग्रेजी साहित्य में भी ऐसे अनेक साहित्यकार हुये हैं जिन्होंने सामाजिक मुद्दों और यथार्थवाद को इसी तरह संबोधित किया। इनमें चार्ल्स डिकेंस को जहां गरीबों के संघर्षों के चित्रण और सामाजिक अन्याय की आलोचना के लिए जाना जाता है वहीं विशेष रूप से ओलिवर ट्विस्ट और डेविड कॉपर फील्ड जैसी रचनाओं के लिये भी वे प्रसिद्ध हैं। इसी तरह मार्क ट्वेन के आख्यानों में अक्सर जाति और वर्ग के विषयों पर प्रकाश डाला जाता था, जैसा कि द एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन में देखा गया है। वहीं टोनी मॉरिसन जोकि बेलव्ड जैसे उपन्यासों में अफ्रीकी अमेरिकी अनुभवों और सामाजिक मुद्दों की उनकी खोज प्रेमचंद के हाशिए पर पड़े समुदायों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ प्रतिध्वनित होती है। प्रेमचंद की ही तरह इन लेखकों ने भी अपने आख्यानों का उपयोग सामाजिक मानदंडों और अन्याय की आलोचना करने के लिए किया।

लियो टॉल्स्टॉय ने भी प्रेमचंद के लेखन को प्रभावित किया। उन्होंने टॉल्स्टॉय की नैतिक कहानियों का हिंदी में अनुवाद किया, जिससे उन्हें "हिंदी टॉल्स्टॉय" की उपाधि मिली। इसी तरह गुस्ताव फ़्लोबर्ट की कथात्मक शैली भी प्रेमचंद के सामाजिक यथार्थवाद पर ध्यान केंद्रित करने के समान है। मैक्सिम गोर्की ने भी विशेष रूप से निम्न वर्गों के संघर्षों के संबंध में प्रेमचंद के साथ विषयगत चिंताओं को साझा किया। इसी तरह शेक्सपियर हों या रविंद्र नाथ टैगोर, इन जैसे अनेक लेखकों व साहित्यकारों ने अपने लेखन में मानवीय संवेदनाओं का बखूबी जिक्र किया है। वैसे भी हमारा देश गांधी के सत्य अहिंसा के सिद्धांतों पर चलने वाले देश के रूप में विश्व प्रसिद्ध है। इसलिये यहाँ हिंसा, विध्वंस, नफरत, विद्वेष, साम्प्रदायिकता तबाही बबार्दी जैसे अमानवीय पहलुओं की कोई गुंजाईश नहीं होनी चाहिये।

परन्तु ब्रिटिश कंपनी जे सी बैमफोर्ड एक्सकेवेटर लिमिटेड (जेसीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेसीबी (इंडिया) जो ब्रिटिश कंजर्वेटिव पार्टी के सबसे प्रभावशाली दान दाताओं में से एक रही है, इसी जेसीबी कंपनी ने लेखकों के लिए एक साहित्य पुरस्कार की स्थापना की है। गौर तलब है कि यही जे सी बी कंपनी है जो इजराइली रक्षा मंत्रालय के साथ एक अनुबंध के तहत फिलिस्तीन में मकानों को ध्वस्त करने और अवैध इस्राईली बस्तियों के विस्तार के लिए जेसीबी बुलडोजर मुहैय्या करा रही है। इसी जे सी बी के बुलडोजर गजा में तबाही मचाये हुये हैं। भारत में भी सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद भले ही जे सी बी के बुलडोजरों द्वारा ढहाए जाने वाले भवनों की संख्या में अब विराम लग गया हो। परन्तु गत एक दशक से देश के खासकर भारतीय जनता पार्टी शासित अनेक राज्यों में सत्ता शक्ति का दुरूपयोग करते हुये धर्म व जाति-विशेष के लोगों को निशाना बनाया गया और शासन द्वारा अदालत की शक्तियों को अपनी हाथों में लेने की कोशिश की गयी, जिसने पूरे विश्व में मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया।

और इससे भी शर्मनाक बात यह है कि इसी विध्वंसकारी मशीन का भारत से लेकर अमेरिका तक इन्हीं दक्षिणपंथियों द्वारा महिमामंडन किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस मशीन का विदेशों में प्रदर्शन किया गया। और हद तो तब हो गयी जब गाँधी के राज्य गुजरात में अप्रैल 2022 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ब्रिटिश जे सी बी कम्पनी का दौरा करते हैं और साथ ही बुलडोजर पर खड़े होकर फोटो कराते हैं। साथ ही अपने इसी दौरे में वे गाँधी जी के आश्रम में जाकर उनका चरखा भी चलाते हैं। सवाल यह है कि जो जे सी बी कंपनी भारतीय लेखकों की विविधता का जश्न मनाते हुए साहित्यिक पुरस्कार देने के घोषणा कर रही हो उसी कंपनी द्वारा ऐसी विध्वंसकारी मशीन का निर्माण व जनसंहारक उपयोग किया जाना जिससे कि वह दंड के रूप में लाखों लोगों के जीवन, उनके घरों व आजीविका को नष्ट करने में भागीदार हो, ऐसे दोहरेपन में आखिर 'साहित्यिक पुरस्कार' की क्या गुंजाईश?

यही वजह है कि भारतीय लेखकों सहित विश्व के सौ से अधिक उपन्यासकारों, लेखकों, कवियों, अनुवादकों और प्रकाशकों ने ब्रिटिश बुल्डोजर निमार्ता और एक साहित्यिक पुरस्कार की आयोजक कंपनी जेसीबी की आलोचना करते हुए एक खुला पत्र लिखकर साफ शब्दों में यह कहा है कि 'जेसीबी साहित्य पुरस्कार' कोई पुरस्कार नहीं बल्कि यह इस कंपनी का एक पाखंड है क्योंकि जेसीबी साहित्य पुरस्कार' की घोषणा करने वाली यही कंपनी भारत और फिलस्तीन में गरीबों तथा हाशिये पर पड़े गरीब लोगों की जिंदिगी 'उजाड़' रही है और जो ह्यदंड के रूप में इतने सारे लोगों के जीवन और आजीविका को नष्ट करने में भागीदार है। 'लेखकों ने पत्र में यह भी लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने विभिन्न राज्यों में मुसलमानों के घरों, दुकानों और उपासना स्थलों को ध्वस्त करने के लिए 'व्यवस्थित अभियान' में लगातार जेसीबी बुलडोजर का इस्तेमाल किया है और इस परियोजना को 'बुलडोजर न्याय' का नाम दिया गया है, जो बेहद परेशान करने वाला है। लेखकों ने अपने खुले पत्र में यह भी कहा है कि हम साहित्यिक समुदाय के समर्थन के ऐसे कपटपूर्ण दावों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

जनतंत्र पर हावी होता बलतंत्र

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

चुनाव परिणामों ने देश की दशा और दिशा का स्पष्ट मूल्यांकन प्रस्तुत कर दिया है। जीत-हार की बाजी के मध्य राजनैतिक दलों ने अपने लुभावने घोषणा पत्रों के माध्यम से अपनी नीतियों और रीतियों का खुलासा किया था। अतीत की उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटा था। सत्य और असत्य के उतार-चढाव के हिंडोले पर चढकर चुनावी मंचों से वक्तव्यों का तूफान खडा किया था। जातियों से ऊपर उठकर सम्प्रदायवाद की हवा तेज की थी। महिलाओं और पुरुषों मे बीच पनप रही खाई को ज्यादा गहरा करने की गरज से महिलाओं के लिए मुफ्तखोरी की योजनायें आकार लेती रहीं और बाजी पर बाजी लगती रहीं। सिध्दान्तों पर कायम रहने वाले तथा बनावटी मुखौटे का विभेद सामने आता रहा। ऐसे में नागरिकों की सोच को राष्ट्रीय हित में निरूपित करने का दावा करने वाले अनेक नेताओं ने अपने उद्बोधनों से सामाजिक ढांचे में दरार पैदा करने की कोशिशें भी है। यह सत्य है कि विगत एक दशक में अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर देश की छवि में गुणोत्तर विकास हुआ है, आन्तरिक संरचना में आधुनिकीकरण का भान हुआ है और हुआ है जीवनस्तर में सुविधात्मक विकास। दूसरी ओर यह भी सत्य है कि सोच का दायरा, चिन्तन की दिशा और जीवन जीने की कला के आधार पर संबंधों की स्थापना ने पतन की नई गहराइयां ही मापी हैं। थोपे गये धर्म के नाम पर जीवन के बाद की कल्पनाओं की कामनायें दिखाकर श्रध्दावानों को मात्र मृगमारीचिका के पीछे ही दौडाया जाता रहा है। वर्तमान में आस्था का पर्याय बनाकर स्वयं की कथित उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का क्रम चल निकला है। प्रयागराज में जनवरी से प्रारम्भ होने वाले महाकुम्भ को लेकर रणनीतियां, राजनीतियां और लाभनितियां बनाई जाने लगीं है। इसी मध्य सीमापार चल रही भारत विरोधी षडयंत्रकारियों की गुप्त बैठकों का दौर भी तेज होने लगा है। विध्वंसकारी घटनाओं के लिए सिलीपिंग सेल्स को एक्शन मोड में परिवर्तित किया जा रहा है। हवाला, फर्जी एकाउण्ट, बिचौलियों आदि के माध्यम से फण्ड पहुंचाया जाने लगा है। सूत्रों के अनुसार इस षडयंत्र में चीन, पाकिस्तान, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश पर्दे के पीछे से सक्रिय हैं। वहां रहने वाले कुलषित मानसिकता वाले लोगों के गिरोह अपने खास मकसद के लिए देश को अशान्ति की आग में झौंकना चाहते हैं। यह सब यूं ही नहीं हो रहा है। प्रत्यक्ष में चुनौतियां देने वाले लोगों की जमातें आमने-सामने आकर तलवारें खींच चुकीं हैं। एक पक्ष रैलियां निकालकर, नारे लगाकर, पोस्ट चिपकाकर समाज में उत्तेजना फैला रहा है तो दूसरा पक्ष गुपचुप तरीके से विस्फोटक तैयारियों में जुटा है। गाल बाजने वालों का दिखावे पूरी तरह से खोखले साबित हो रहे हैं। जातियों को एकजुट करने वाली यात्राओं में भले ही लाखों लोगों की भीड एकत्रित हो रही हो परन्तु भीड का हिस्सा बनने वाले तो केवल स्वयं की समस्याओं के निदान पाने, स्वयं के वर्चस्व को विस्तार देने और चमत्कार की आशा से लाभ अर्जित का लक्ष्य लेकर ही आते हैं। उनसे अध्यात्म के वास्तविक पथ पर चलने की आकांक्षा नहीं करना चाहिए। अल्पसंख्यक बनकर आये बाह्य आकान्ताओं के हमलों के दौरान खामोशी से घरों में दुपके रहने वाले बहुसंख्यक लोगों की तरह ही इस भीड का एक बडा हिस्सा भी कठिन परिस्थितियों में मौन के आवरण में छुपकर शान्ति की प्रतीक्षा करेगा। यह लोग आस्था के नाम पर परोसे जाने वाले अंधविश्वास की हथकडियों में जकडे हुए है जिन्हें धर्म के स्वयंभू ठेकेदार अब बेडियां भी पहना रहे हैं ताकि चमत्कार का मायाजाल उनके स्वयं के तिलिस्म को निरंतर विस्तारित करता रहे। प्रदर्शनबल के आधार पर धनबल, धनबल के आधार पर जनबल और अब दौनों के समुच्च के आधार पर वर्चस्वबल बढाने की कबायत शुरू हो गई है।

ऐसे लोगों व्दारा सत्ताबल पर काबिज होने के लिए राष्ट्र के तीन घोषित और चौथे अघोषित स्तम्भों को निजी लाभ का लालच देकर लुभाया जाने लगा है। जहां भीड होती है वहां अधिकांश नेताओं की श्रध्दा स्वतः ही उमडने लगती है। नेता के अभिनय से लेकर अभिनेता की नेतागिरी तक सामने आती जा रही है। कला, साहित्य और संगीत की साधनाओं के पथ पर सफलताओं को अंगीकार करने वाले भी अब स्वार्थी बनकर चमत्कार की आशा में आस्थावान हो चले हैं। उन्हें भी भीड लुभाने लगी है। अतीत की पुनर्स्थापना के नाम पर वर्तमान को भयावह बनाने वाले लोगों ने देश-दुनिया को अपने शिकंजे में कस लिया है। शरीर के दास बन चुके समाज में विलासता हेतु वैभव और वैभव हेतु कृत्य संपन्न हो रहे हैं। नियम, कानून, कायदे केवल मानने वाले निरीह नागरिकों तक ही सीमित होकर रह गये हैं। बल की दम पर अपने आचरण से संविधान को सरेआम जलाने वालों की संख्या में निरंतर बढोत्तरी होती जा रही है।

चुनाव परिणाम : सत्ता पक्ष को फिर मिला जनादेश

-सुरेश हिंदुस्तानी-

देश के दो राज्यों के साथ कुछ राज्यों के उपचुनाव के परिणाम ने सत्ता पक्ष के प्रति अपना जनादेश दिया है। हर चुनाव में सत्ता के प्रति जनता में किसी न किसी बात पर आक्रोश रहता है, लेकिन महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव में ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। जनता ने फिर से उन्हीं सरकारों को फिर से सत्ता संभालने की जिम्मेदारी दी है, जो सत्ता में थी। खास बात यह है कि महाराष्ट्र और झारखण्ड में सत्ता धारी गठबंधन को पहले से ज्यादा सीटें मिली हैं। यह जनादेश न तो किसी के उछलने का मार्ग तैयार करता है और न ही किसी को नकारने की स्थिति पैदा करता है। जहां तक खुशियाँ मनाने की बात है तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन जीत की खुशी मना रहा है तो झारखण्ड में इंडी गठबंधन के गले में विजयी माला पहनाई गई है। वहीं उपचुनाव में सबको खुशी और सबक दोनों ही दिए हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अपने हिसाब से राजनीतिक विश्लेषण किए जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए इन चुनावों में प्रादेशिक रूप से जय और पराजय दोनों ही सन्देश प्रवाहित हो रहे हैं। किसी के लिए खुशी तो किसी के लिए गम की स्थिति पैदा करने वाले परिणाम ने यह तो साबित कर दिया है कि देश में किसी एक राजनीतिक दल का न तो व्यापक प्रभाव है और न ही कम सीट प्राप्त करने वाले को कमतर आँका जा सकता है। इस चुनाव की सबसे खास बात यह मानी जा सकती है कि कोई भी पार्टी अकेले दम पर बहुमत का आंकड़ा प्राप्त नहीं कर सकी, जिससे यह सन्देश निकल रहा है कि अब भविष्य की राजनीति की दिशा और दशा गठबंधन के सहारे ही तय होगी। वर्तमान में राजनीति दो विचार धाराओं के बीच है, जिसमें एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय बनाकर चलने वाले राजनीतिक दलों का विचार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के विचारों से तालमेल रखने वाले दलों की बानगी है। इतना ही नहीं इन चुनावों एक दूसरे के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया गया, वह राजनीतिक हिसाब से भले ही जायज ठहराया जा सकता है, लेकिन आम नागरिकों के समक्ष भ्रम जैसी स्थिति को ही प्रादुर्भित करती हैं।

महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भाजपा के लिए निश्चित ही अच्छे कहे जा सकते हैं, लेकिन झारखण्ड में सरकार बनाने का सपना लेकर मैदान में उतरी भाजपा को फिर से तैयारी करनी होगी। झारखण्ड के परिणाम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति उपजी सहानुभूति को आधार बताया जा रहा है। पिछले दिनों झारखण्ड में हुए भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से अलग होना पड़ा था। जिसके बाद हेमंत सोरेन ने चुनाव में इसी को अपना राजनीतिक हथियार बनाया था और चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण बनाया। ऐसा लगता है कि झारखंड में भाजपा अपनी ताकत और कमजोरी को भाँपने में विफल हो गई। झारखण्ड में भाजपा इतनी अप्रभावी नहीं कही जा सकती, जैसा उसका इस चुनाव में प्रदर्शन रहा है। पिछले विधानसभा के चुनाव में भाजपा के प्रादेशिक नेताओं की तनातनी जगजाहिर थी, जिसका परिणाम भाजपा के लिए ठीक नहीं था। हालाँकि इस चुनाव में भाजपा ने पिछली गलती को सुधारने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वह सत्ता के सीढ़ी का निर्माण कर पाने में असफल रही। अब झारखण्ड में फिर से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन फिर मुख्यमंत्री होंगे, यह भी तय लगता है।

परिणाम के बाद अब महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में जो राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं, उसके अनुसार यही कहा जा रहा है कि झारखंड और महाराष्ट्र में राजनीतिक हवा अलग अलग दिशा में बह रही थी। जिसने हवा का रुख भांप लिया, वह हवा के साथ ही चला और सत्ता प्राप्त करने में सफलता हासिल की। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस के साथ रहने वाले शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को जनता ने नकार कर शायद यही सन्देश दिया है कि यह सत्ता के लिए किया गया बेमेल गठबंधन ही था। महाराष्ट्र में ऐसे जनादेश का क्या अर्थ होना चाहिए कि एक गठबंधन जीत गया तो दूसरा गठबंधन हार गया। इसी प्रकार झारखण्ड में भी जनादेश की भी समीक्षा की जाने लगी है।

पिछले पांच साल में महाराष्ट्र में जिस प्रकार की राजनीतिक उठापटक हुई थी, उसके केंद्र में कौन था, यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता, लेकिन इंडी गठबंधन की मानें तो उसने इसका सारा ठीकरा भाजपा के मत्थे मढ़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। इस राजनीतिक धमा चौकड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना ने अपने विभाजन के रूप में चुकाई। जो धड़े अलग हुए वे भाजपा के साथ जाकर खड़े हो गए और महाराष्ट्र में सरकार बनाई। कहा जा रहा है कि जनादेश ने भाजपा के साथ वाली शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को असली होने का प्रणाम पत्र दे दिया है। अब महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन की ही सरकार बनेगी, यह तय है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इसके कयास भी लगने लगे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर भाजपा ने शानदार वापसी की है। ज्यादा उम्मीद इसी बात की है कि एकनाथ शिंदे ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पीछे राजनीतिक कारण यह भी माना जा रहा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सहयोगी दलों की जरुरत है, इसलिए भाजपा अपने सहयोगी दलों को अब नाराज नहीं कर सकती। दूसरी बात यह भी है भाजपा ने एकनाथ शिंदे को जिस प्रकार से चौकाने वाले अंदाज में मुख्यमंत्री बनाया था, वह हर किसी के लिए आश्चर्य ही था।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

राजस्थानः मौलाना के फतवे से समाज में विभाजन और धार्मिक उन्माद फैलाने का खतरा है, जमाल सिद्दीकी

मोहम्मद नवाज खान

राजस्थानः भानरतीय जनता पार्टी भा.ज.पा. के अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने दिल्ली के तुगलक रोड थाने में इस्लामिक धर्मगुरु मौलाना सज्जाद नोमानी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मौलाना सज्जाद नोमानी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान एक विवादित फतवा जारी किया, जिसमें उन्होंने भाजपा से जुड़े मुस्लिम कार्यकर्ताओं का सामाजिक और धार्मिक बहिष्कार करने की अपील की थी। इस फतवे के अनुसार, मौलाना ने कहा था कि भाजपा से जुड़ा कोई भी मुस्लिम "इस्लाम धर्म से बाहर" हो चुका है और उसका "हुक्का-पानी बंद" कर दिया जाए। उनका यह बयान एक वीडियो के

माध्यम से वायरल हो गया और इससे राजनीतिक तथा धार्मिक समुदायों में गहरे विवाद को जन्म दिया है। इस संबंध में जमाल सिद्दीकी ने दिल्ली पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है और कहा कि मौलाना का यह बयान समाज में धार्मिक उन्माद और विभाजन का कारण बन सकता है। उन्होंने पुलिस से इस मामले में तुरंत संज्ञान लेने और आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

मीडिया से बातचीत के दौरान, जमाल सिद्दीकी ने कहा कि मौलाना के इस बयान के बाद भाजपा से जुड़े मुस्लिम कार्यकर्ताओं को न केवल सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उन्हें मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थानों पर तिरस्कार और धमकियों का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई लोग सोशल मीडिया पर भाजपा मुस्लिम कार्यकर्ताओं के खिलाफ गाली-गलौज और अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं, साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिल रही हैं। सिद्दीकी ने यह भी बताया कि मुस्लिम समाज में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकर्ताओं को "घनश्याम" कहकर पुकारा जा रहा है, जिससे झगड़े और विवाद की स्थिति पैदा हो रही है। इस पर उन्होंने चिंता जताई और कहा कि इस तरह के फतवे से भाजपा से जुड़े मुसलमानों की जान-माल को खतरा हो सकता है और समाज में विभाजन और धार्मिक उन्माद फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। भा.ज.पा. अल्पसंख्यक मोर्चा ने मौलाना के बयान की कड़ी निंदा की है और इस मामले में त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग की है।

उत्तर प्रदेशः नोएडा पुलिस की बड़ी कारवाईः फर्जी दस्तावेजों से पासपोर्ट बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश

नरेंदर

उत्तर प्रदेशः नोएडा के थाना बिसरख पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन में एक ऐसे गिरोह का खुलासा किया है जो फर्जी नोटरी, रेंट एग्रीमेंट और अन्य कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल कर बिना पुलिस वेरिफिकेशन के पासपोर्ट बनवाकर लोगों को विदेश भेजता था। पुलिस ने इस गिरोह के 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से कई महत्वपूर्ण सामान बरामद किए। पुलिस ने बताया कि गिरोह के सदस्य फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर बैंक अकाउंट खोलते थे, जिनसे पासपोर्ट बनवाए जाते थे। यह गिरोह उन दस्तावेजों के आधार पर विदेश जाने के इच्छुक लोगों को पासपोर्ट दिलवाता था, और उन लोगों को देश से बाहर भेजने में मदद करता था।

पुलिस ने गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से 14 नोटरी

सील मोहर, 98 नोटोरियल टिकट, 5 कंप्यूटर सिस्टम, 5 मोबाइल फोन,

1 लैपटॉप और कई अन्य कूटरचित दस्तावेज बरामद किए हैं। यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि इस गिरोह ने कई लोगों के जीवन को खतरे में डाला था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों ने लंबे समय से इस अवैध काम को अंजाम दिया था, और इस गिरोह के नेटवर्क को खत्म करने के लिए आगे की जांच जारी है। पुलिस ने यह भी बताया कि गिरोह के मुख्य सदस्य जल्द ही पकड़े जाएंगे। इस खुलासे के बाद पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के फर्जी दस्तावेज के आधार पर पासपोर्ट बनवाने से बचें और हमेशा सही तरीके से ही पासपोर्ट के लिए आवेदन करें।

जगन्नाथ का भात, न पूछे जात पात : गोविंद नायक

गोरखपुर, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविन्द नायक ने शनिवार को अभाविप 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन देश-विदेश से इस अधिवेशन में प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थी परिषद के सदस्यों को 'पंच परिवर्तन के वाहक युवा' विषय पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन के लिए पहले व्यक्ति परिवर्तन करने की जरूरत है, व्यक्ति परिवर्तन से ही हम राष्ट्र को विकसित करने के विचार को साकार कर सकते हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दूसरे दिन 23 नवंबर को पंच परिवर्तन के भाव पर अपने विचार को रखते हुए राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद नायक ने कहा कि पंच परिवर्तन का पहला तत्व है सामाजिक समरसता। देश के सभी नागरिकों के लिए, सामाजिक समरसता और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने की जरूरत है। आज हमारे देश में 1200 से भी ज्यादा बोली और भाषा अलग-अलग हिस्सों में बोली जाती है, अलग-अलग त्योहार मनाए जाते हैं लेकिन इतनी विविधता के बावजूद हमारे अंदर एकता का भाव है।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जो परंपराएं पुरानी हो चुकी हैं, जिनकी आज कोई जरूरत नहीं है, उनको हटाने की जरूरत है,वहीं जो परंपराएं हमारे अनुरूप हैं,उनको आगे बढ़ाने की जरूरत है। आज हमें समाज में फैली दूरियों को समाप्त कर सामाजिक समरसता को स्थापित करने की जरूरत है।

राजस्थानः अजमेर में विशेष अभियान के तहत मतदाता नाम जोड़ने और हटाने के लिए कार्यशाला आयोजित

मोहम्मद मोइन गौरी

राजस्थानः सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, और फोटो व जन्मतिथि में सुधार के लिए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रदेश वरिष्ठ सचिव युवा कांग्रेस, अकबर हुसैन ने जानकारी दी कि अजमेर के वार्ड 11 और 12 में 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, हटाने, तथा विवरण में सुधार के लिए आवेदन भरे गए। इस अभियान में 23 नवम्बर 2024 को सभी बीएलओ ने अपने प्रतिनिधियों के

साथ बैठक की और 24 नवम्बर 2024 को आयोजित विशेष अभियान के तहत मतदाताओं को जागरूक किया। अकबर हुसैन ने बताया कि इस विशेष अभियान के दौरान 18 वर्ष के नए मतदाताओं के आवेदन भरवाए गए। बीएलओ के माध्यम से यह प्रक्रिया प्रत्येक संबंधित मतदान केंद्र पर पूरी की जाएगी। इस दौरान वार्ड 11 के जनप्रतिनिधि मोहम्मद आजाद, वार्ड 12 के अकबर हुसैन और मोहम्मद नवाज खान ने बैठक में भाग लिया और मतदाता सत्यापन की प्रक्रिया की निगरानी की। आज 23 नवम्बर 2024 को राजकीय माध्यमिक विद्यालय बड़बाव अंदर कोर्ट, अजमेर में आयोजित वार्ड सभा में 18 वर्ष के नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए। इस दौरान भाग संख्या 150 से 163 तक के ब्लू क्षेत्र में बीएलओ द्वारा आवेदन भरे गए। 24 नवम्बर 2024 को सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित होकर और अधिक आवेदन प्राप्त करेंगे। इस विशेष अभियान के तहत मतदाता सूची में सुधार और नए नामों का समावेश सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे आगामी चुनावों में सभी योग्य मतदाता मतदान में भाग ले सकेंगे।

एक नजर

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र के चोपन रेलवे स्टेशन पर 13 करोड़ रुपए से बने पिट व सीक लाइन का संचालन प्रक्रिया शुरू

आनंद कुमार/उत्तर प्रदेशः सोनभद्र जिले स्थित चोपन रेलवे स्टेशन पर करीब 13 करोड़ रुपए की लागत से पिट लाइन और सीक लाइन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यह परियोजना पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल के तहत बनाई गई है। हालांकि, निर्माण के लगभग 8 महीने बाद भी इन लाइनों का संचालन शुरू नहीं हो सका था। चोपन रेलवे स्टेशन को एक

प्रमुख टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाना था, और इन पिट व सीक लाइनों के संचालन के साथ ही इसे एक महत्वपूर्ण रेल यातायात केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा। क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता एवं परामर्शकर्ता समिति उत्तर मध्य रेलवे के सदस्य श्री कृष्ण गौतम के अनुसार, पिट लाइन भारतीय रेलवे के संचालन में अहम भूमिका निभाती है। यह ट्रेन की सफाई, रखरखाव और जांच के लिए एक विशेष स्थान होता है, जिसे वॉशिंग मशीन लाइन भी कहा जाता है। पिट लाइन में ट्रेन के कोच की सफाई, जांच और मरम्मत की जाती है,

जिससे रेल संचालन की गुणवत्ता और सुरक्षा में वृद्धि होती है। पूर्व मध्य रेलवे धनबाद मंडल ने इस परियोजना के संचालन के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी है, और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही चोपन रेलवे स्टेशन पर पिट और सीक लाइन का संचालन शुरू हो जाएगा। इसके बाद चोपन स्टेशन का उपयोग टर्मिनल के रूप में किया जा सकेगा, जिससे क्षेत्र में रेल यातायात और माल परिवहन की सुविधा में सुधार होगा। इस परियोजना के पूरा होने से यात्रियों और मालवाहन से संबंधित कार्यों में भी सुविधा बढ़ेगी और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

हरिद्वारः ओम ग्रुप ऑफ कॉलेज का 18वां स्थापना दिवस, छात्रों को किया गया सम्मानित

हरीश उपाध्याय/हरिद्वारः ओम ग्रुप ऑफ कॉलेज का 18वां स्थापना दिवस बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर कॉलेज के अध्यक्ष मनीष कुमार सैनी ने अतिथियों का शाल उड़ाकर और बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों स्वामी यतीश्वरानंद गिरी, शैलेंद्र कुमार, मदनलाल भट्ट, ओपी सिंह और अरुण त्रिपाठी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज में कुंती कुंज भवन का लोकार्पण भी किया गया। छात्र-छात्राओं ने संस्कृत श्लोक, सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत किया। स्वामी यतीश्वरानंद गिरी ने छात्रों को जीवन जीने के सही तरीके और सामाजिक व्यवहार की महत्वता समझाई, और कॉलेज की डिग्री को औपचारिकता से अधिक समर्पण का माध्यम मानने की सलाह दी। उन्होंने विद्यालय परिवार को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और उपलब्धियों के लिए बधाई दी और माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका पर भी बल दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय प्रचारक शैलेंद्र कुमार ने अनुशासन और समय के सदुपयोग पर जोर दिया, और छात्रों से मां भारती के प्रति समर्पण की भावना रखने की अपील की। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 200 विद्यार्थियों और 700 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जो विभिन्न विभागों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। यह आयोजन छात्रों को प्रेरित करने और उनकी मेहनत को सराहने का एक बेहतरीन मौका साबित हुआ।

छत्तीसगढः सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम घायल, हालत गंभीर

आनंद कुमार/छत्तीसगढः कृषि मंत्री राम विचार नेताम शुक्रवार की रात सड़क हादसे में घायल हो गए। उनकी गाड़ी की पिकअप वाहन से टक्कर हो गई, जिससे मंत्री की गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वे बेहोश हो गए। हादसा रायपुर-बेमेतरा मार्ग पर जेवर गांव के पास रात लगभग 8 बजे हुआ, हादसे के बाद मंत्री को प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर उन्हें ग्रीन कॉरिडोर बनाकर बेमेतरा से रायपुर के रामकृष्ण केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दुर्घटना में उनके साथ यात्रा कर रहे अन्य सहयोगियों को भी गंभीर चोटें आईं हैं, जिन्हें पास के अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही बेमेतरा के जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक घटनास्थल पर पहुंचे और तत्काल राहत कार्य शुरू किया। मंत्री को रायपुर लाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया, जिससे उनकी त्वरित चिकित्सा सहायता संभव हो सकी।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हादसे की जानकारी ली और सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संदेश में कहा, "कैबिनेट के हमारे वरिष्ठ साथी कृषि मंत्री राम विचार नेताम जी के कार दुर्घटना में चोटिल होने की सूचना प्राप्त हुई है।

उत्तरप्रदेशः पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने महा चंडी महायज्ञ में लिया भाग, संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया

मदन

उत्तरप्रदेशः पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सुलखान सिंह ने आज पैलानी तहसील अंतर्गत सिंधनकला में आयोजित 111 कुंडीय महा चंडी महायज्ञ में भाग लिया और धार्मिक अनुष्ठानों में सम्मिलित होकर संतों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर, पूर्व डीजीपी ने कुरसेजा धाम के महंत श्री श्री 1008 श्री परमेश्वर दास जी महाराज का माल्यार्पण कर उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद, उन्होंने यज्ञ मंडप का परिक्रमा करते हुए कथावाचक लोकेंद्र दास जी महाराज से आशीर्वाद लिया। यज्ञ

स्थल पर पहुंचने से पूर्व, सुलखान सिंह का पपरेंदा गांव में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि

रमाकांत सिंह और जनार्दन सिंह द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद, कालेश्वर तिराहे पर ग्राम प्रधान मैना देवी, लल्लू कछवाह, हिम्मत सिंह, नीरज सिंह, राकेश बाबा, संजय शुक्ला, डॉ. नितिन कश्यप, वीरेंद्र दुबे, अनुपम त्रिपाठी, शुभम रज त्रिपाठी सहित कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। सुलखान सिंह का पिपरहरी मोड़ पर भी स्वागत हुआ, जहां राजा सिंह की अगुवाई में ग्राम प्रधान ओमकार निषाद, भूपेंद्र सिंह उर्फ भूरा सिंह और अरुण दुबेदी ने उनका स्वागत किया। वहीं, पैलानी कस्बे में अरविंद सिंह चंदेल और सैकड़ों ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।k

सिंधनकला पहुंचते ही ग्राम प्रधान प्रतिनिधि छेदीलाल वर्मा ने उन्हें माल्यार्पण कर शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद, गाजे-बाजे के साथ पूर्व डीजीपी यज्ञ स्थल पर पहुंचे। इस धार्मिक आयोजन में उनकी उपस्थिति ने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में एक विशेष आस्था और उल्लास का माहौल बना दिया।

जनता ने भाजपा को विजय का आशीर्वाद दिया : भूपेन्द्र चौधरी

लखनऊ, एजेंसी। उपचुनाव में मिली ऐतिहासिक विजय के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर विजयोत्सव मनाया गया। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। ढोल- नगाडो.की थाप के बीच विजय के जयघोष से गुंजायमान प्रदेश मुख्यालय परिसर में मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने आतिशबाजी चलाकर विजयोत्सव मनाया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव मे प्रदेश की महान जनता ने भाजपा नेतृत्व की प्रति विश्वास व्यक्त किया है। समाज को जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर बांटकर देश को कमजोर करने के षडयंत्र को जनता ने विफल कर दिया। भाजपा की विचारधारा तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व की प्रदेश भाजपा सरकार के कार्यो का लेखा-जोखा लेकर भाजपा के कार्यकर्ता जनता के बीच पहुंचे और जनता ने मोदी व योगी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए भाजपा को विजय का आशीर्वाद दिया।

उत्तर प्रदेशः वेदाध्ययन योजना

सरकार की पहल से उच्चारण परंपरा को बचाने की दिशा में कदम

राघवेन्द्र मिश्रा

उत्तर प्रदेशः 23 नवंबर 2024ः मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने वेदों की मौखिक परंपरा को बचाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य वैदिक उच्चारण की स्वच्छ और सटीक परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखना है। यह योजना पंचम पंचवर्षीय योजना के तहत शुरू की गई थी और 1 अप्रैल 1994 से इसे मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया गया। इस योजना के तहत स्वाध्यायी-अध्यापकों को अपने घर या किसी उपयुक्त स्थान पर छात्रों को वेदाध्ययन कराना होता है। चयनित स्वाध्यायी-अध्यापक को कम से कम एक वेद की शाखा में पूर्णरूपेण प्रवीण होना आवश्यक है, ताकि वह छात्रों को वेदों के उच्चारण में दक्ष बना सकें। स्वाध्यायी-अध्यापक से यह भी अपेक्षाएं की जाती हैं कि वे छात्रों को विशेष प्रशिक्षण देकर उन्हें सस्वर पूरी संहिता का उच्चारण सिखाएं। इस योजना में प्रत्येक छात्र की शिक्षा अवधि सात वर्ष निर्धारित की गई है, ताकि वे इस दौरान वेदाध्ययन की गहन प्रक्रिया को समझ सकें और अपनी योग्यता में सुधार कर सकें। योजना का मुख्य उद्देश्य वैदिक विद्या और संस्कृति को संरक्षित रखते हुए उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय का कहना है कि यह योजना छात्रों के लिए एक अद्वितीय अवसर है, जो न केवल वैदिक शिक्षा को बढ़ावा देती है, बल्कि भारतीय संस्कृति की जड़ों से भी जोड़ती है।

उत्तर प्रदेशः मंडलायुक्त ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया, सूरजपुर गौशाला का भी निरीक्षण

राधा कृष्ण

उत्तर प्रदेशः आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल श्री बालकृष्ण त्रिपाठी ने आज विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत जनपद के विभिन्न मतदान बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक विद्यालय सूरजपुर, राजकीय हाई स्कूल कछेछा, और उच्च प्राथमिक विद्यालय कुछेछा में स्थापित बूथों का जायजा लिया। मंडलायुक्त ने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) से आज के और विगत दिनों के प्राप्त आवेदन की संख्या के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि बीएलओ को ड्डिड्ड-ड्डड्ड-ड्डिड्ड अभियान चलाकर उन सभी पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करना चाहिए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बीएलओ को अपने पास पर्याप्त संख्या में आवेदन फार्म रखने चाहिए और मतदाता सूची में नाम जोड़ने की सही प्रक्रिया का पालन करना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान, मंडलायुक्त ने बूथों/कक्षों में जाकर वहां की न्यूनतम सुविधाओं का भी अवलोकन किया और छोटी-मोटी कमियों को शीघ्र दूर करने का निर्देश दिया। इसके बाद, मंडलायुक्त ने सूरजपुर स्थित गौशाला का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने गौ पूजन किया और गायों को गुड़ खिलाया। इस दौरान, उन्होंने गौशालाओं में चारा, पानी, भूसा आदि की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने गौशालाओं में ठंड से बचाव के लिए उचित प्रबंध रखने की भी आवश्यकता जताई। इस अवसर पर अपर आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल, जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना, एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर, एडीएम न्यायिक डॉ. नागेंद्र नाथ यादव, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक और अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

ताजा खबर
संक्षिप्त

शानदार रहा इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन-सोरन ने पीएम मोदी का भी किया धन्यवाद

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव नतीजों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक बड़ा झटका दिया है। झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया

ब्लॉक ने बढ़त हासिल कर ली है और राज्य में सत्ता बरकरार रखने की स्थिति में है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य में लगातार दूसरी बार सत्ता में आने की राह पर हैं। I.N.D.I.A ब्लॉक के प्रदर्शन ने झारखंड में अपने प्रभुत्व की पुष्टि की है, और भाजपा के आक्रामक अभियान का सफलतापूर्वक मुकाबला किया है।प्रेस से बात करते हुए सोरने ने कहा कि आज झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ गए हैं। मैं सभी समुदायों के लोगों और राज्य के सभी किसानों, महिलाओं और युवाओं को बहुमत के साथ वोट देने और इस चुनाव को सफल बनाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं उन सभी नेताओं को भी धन्यवाद देता हूं जो मैदान में थे और लोकतंत्र की ताकत को लोगों तक ले गए।

अब तो असली संघर्ष शुरू हुआ है, यूपी उपचुनाव के नतीजों पर अखिलेश बोले

लखनऊ। 2024 के उत्तर प्रदेश उपचुनाव परिणामों में, भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नौ में से सात सीटें जीतकर एक प्रमुख जीत

हासिल की। समाजवादी पार्टी (सपा) दो निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करने में सफल रही। भाजपा की प्रमुख जीतों में गाजियाबाद और खैर निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं, जिससे राज्य में उसकी उपस्थिति और मजबूत हुई है। इसको लेकर जहां भाजपा में जश्न है वहीं, समाजवादी पार्टी अब सवाल खड़े कर रही है। उपचुनाव परिणामों को लेकर अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया है। अखिलेश यादव एक्स पर लिखा कि 'इलेक्शन' को 'करप्शन' का पर्याय बनानेवालों के हथकंडे तस्वीरों में क़ैद होकर दुनिया के सामने उजागर हो चुके हैं। दुनिया से लेकर देश और उत्तर प्रदेश ने इस उपचुनाव में चुनावी राजनीति का सबसे विकृत रूप देखा। उन्होंने कहा कि असत्य का समय हो सकता है लेकिन युग नहीं। उन्होंने लिखा कि अब तो असली संघर्ष शुरू हुआ हैज बाँधो मुट्ठी, तानो मुट्ठी और पीडीए का करो उद्घोष 'जुड़ेंगे तो जीतेंगे!' पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी के रूप में समाजवादी पार्टी के दोनों उम्मीदवारों को जिताने के लिए सभी मतदाताओं, समर्थकों, कार्यकर्ताओं और नेताओं का हार्दिक आभार और दिल से शुक्रिया।

महाराष्ट्र में हार को राहुल गांधी ने बताया अप्रत्याशित बोले- विश्लेषण करेंगे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के फ्लॉप शो के बाद राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के

नतीजे अप्रत्याशित हैं। महायुति गठबंधन ने 200 से अधिक सीटें हासिल करके चुनाव में जीत हासिल की है, जबकि एमवीए 50 सीटों के आंकड़े तक पहुंचने में विफल रहा। राहुल ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के नतीजे अप्रत्याशित हैं और इनका हम विस्तार से विश्लेषण करेंगे। प्रदेश के सभी मतदाता भाई-बहनों को उनके समर्थन और सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत के लिए धन्यवाद। झारखंड चुनावों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, जहां इंडिया ब्लॉक ने आसान अंतर से जीत हासिल की, राहुल गांधी ने लिखा कि झारखंड के लोगों का INDIA को विशाल जनादेश देने के लिए दिल से धन्यवाद।

खबर जरा हटके

यूपी में शादी से पहले दूल्हा हुआ गिरफ्तार, शहनाई से पहले खुल गई पोल

यूपी में गोरखपुर के शाहपुर इलाके में शुक्रवार का दिन शादी की खुशियों के बीच मातम में बदल गया. जहां एक घर में शहनाई बजने की तैयारी थी. वहीं, अचानक पुलिस की दस्तक ने माहौल बदल दिया. बारात की तैयारियों के बीच दूल्हे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जिससे शादी टूट गई. गोरखपुर के महेंद्र राज बिछिया का रहने वाले हैं. उनका शाहपुर की एक युवती के साथ पिछले 7 साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रिश्ता था. युवती का आरोप है कि महेंद्र ने एक मंदिर में उससे शादी कर ली थी और पत्नी की तरह उसे एक किराए के मकान में रखा था. इस दौरान दोनों के बीच कई बार शारीरिक संबंध भी बने. युवती के बार-बार परिवार में स्वीकार किए जाने की मांग पर महेंद्र हर बार जल्दबाजी न करने की बात कहता रहा. महेंद्र ने अपने परिवार को इस रिश्ते की जानकारी नहीं दी और चुपके से गोरखनाथ इलाके में अपनी दूसरी शादी तय कर ली. तिलक की रस्म भी शांति से हो गई, लेकिन शादी के दिन महेंद्र की सच्चाई सामने आ गई. युवती ने बताया कि जब उसने महेंद्र से संपर्क किया, तो उसने दूसरी शादी करने की बात स्वीकार की और धमकी दी कि अगर उसने पुलिस में शिकायत की, तो वह उसे जान से मार देगा. धमकी के बाद युवती सीधे शाहपुर थाने पहुंची और अपनी आपबीती बताई. पुलिस ने तुरंत मामले को गंभीरता से लिया और जांच के बाद महेंद्र राज के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

बाक्स न्यूज

ऑफिस में झपकी के बदले कंपनी ने ली नौकरी, कम नहीं था कर्मचारी

जब बात होती है दुनिया में कुछ सबसे ज्यादा टॉक्सिक वर्क कल्चर की, तो सबसे पहले दिमाग में एक ही देश का नाम आता है और वो चीन है. यहां पर न सिर्फ लोगों पर प्रोफेशनल प्रेशर रहता है बल्कि छोटी-छोटी सी गलतियों पर उन्हें काम से भी निकाल दिया जाता है. कई बार तो मैनेजर्स का व्यवहार ऐसा होता है, जो कर्मचारियों की बर्दाश्त से बाहर हो जाता है. ये मामला पड़ोसी देश चीन का है, जहां पर एक कर्मचारी अपने ऑफिस में थोड़ी देर के लिए सो गया था. इसके बदले जब कंपनी ने उसे नौकरी से निकाला, तो उसने ऐसा बदला लिया कि कंपनी को 40 लाख रुपये का मुआवज़ा देना पड़ गया. ये पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और लोग इसे लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक जियांग्शु प्रात के रहने वाले झांग नाम के शख्स के साथ ये घटना हुई. झांग एक डिपार्टमेंटल स्टोर में मैनेजर के तौर पर काम करता था. बीस साल की नौकरी में रहते हुए झांग ने अपनी बेहतरीन सेवाएं यहां दीं. इस साल की शुरुआत में स्टोर के कैमरा में झांग को आधी रात में सोते हुए पकड़ा गया. इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए एचआर ने झांग को 'वर्कप्लेस पर थकान की वजह से सोने' के चलते नौकरी से निकाल दिया. उन्होंने इसके पीछे कंपनी के अनुशासन को भंग करने का हवाला दिया. झांग को इस तरह से नौकरी से निकाला जाना सही नहीं लगा, ऐसे में वो कोर्ट पहुंच गया।

चुनाव में एक हैं तो सेफ हैं कैसे बना महामंत्र?

महाराष्ट्र चुनाव में जीत के बाद पीएम मोदी ने बताया

नई दिल्ली एजेसी।

महाराष्ट्र में मिले जनादेश को विकासवाद,सुशासन और सच्चे सामाजिक न्याय की जीत बताया है। कांग्रेस समेत विपक्षी गठबंधन पर जोरदार हमला करते हुए पीएम ने कहा कि आज महाराष्ट्र में झूठ,छल,फरेब बुरी तरह हारा है। विभानजकारी ताकतों और नकारात्मक राजनीति की पराजय हुई है। परिवारवाद की हार हुई है। महाराष्ट्र ने विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत किया है। पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा के बाद महाराष्ट्र के चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत का सबसे बड़ा संदेश एकजुटता है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि एक हैं तो सेफ हैं- ये आज देश का महामंत्र बन चुका है। महाराष्ट्र ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं,यह पिछले 50 वर्षों में किसी भी पार्टी या चुनाव पूर्व गठबंधन की सबसे बड़ी जीत है। महाराष्ट्र ऐसा छठा राज्य है,जहां बीजेपी की लगातार तीसरी बार जीत हुई है। पीएम ने यह भी कहा कि कुछ लोगों ने विश्वासघात का सहारा लेकर महाराष्ट्र में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की लेकिन मतदाताओं ने उन्हें दंडित किया है। पीएम ने कहा कि मैं आराम से बैठने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। पीएम ने महाराष्ट्र के मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजीत पवार की तारीफ की और देवेंद्र फडनवीस को अपना परममित्र बताया।

अब कुर्सी फर्स्ट नहीं,नेशन फर्स्टकी भावना के साथ हैं वोटर

पीएम ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि इंडी वाले देश के बदले मिजाज को नहीं समझ पा रहे हैं। ये लोग सच्चाई को स्वीकार करना ही नहीं चाहते, ये लोग आज भी भारत के सामान्य वोटर के विवेक को कम करके आंकते हैं। देश का वोटर %नेशन फर्स्ट% की भावना के साथ है। जो %कुर्सी फर्स्ट% का सपना देखते हैं, उन्हें देश का वोटर पसंद नहीं करता। महाराष्ट्र के जनादेश का एक और संदेश है कि पूरे देश में सिर्फ और सिर्फ एक ही संविधान चलेगा। मोदी ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर, भारत का संविधान ही देश में चलेगा। जो भी सामने या पर्दे के पीछे देश में दो संविधान की बात करेगा, उसको देश पूरी तरह से नकार देगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके साथियो ने जम्मू कश्मीर में फिर से आर्टिकल 370 की दीवार बनाने का प्रयास किया है, जो संविधान का अपमान है। पीएम ने कांग्रेस और उसके साथियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अब दुनिया की कोई भी ताकत 370 को वापस नहीं ला सकती।

कांग्रेस को बताया परजीवी पार्टी

पीएम ने कहा कि कांग्रेस एक परजीवी पार्टी बन गई है, उसके लिए अपने दम पर सरकार बनाना मुश्किल होता जा रहा है। कांग्रेस सिर्फ अपनी ही नहीं, बल्कि अपने साथियों की नाव को भी डुबा देती है। आज महाराष्ट्र में भी हमने यही देखा है। कांग्रेस के लिए अपने दम पर सरकार बनाना मुश्किल हो रहा है कई राज्यों में सूपड़ा साफ हो गया है। कांग्रेस की घिसी पिटी विभाजनकारी राजनीति फेल हो रही है। सत्ता-भूख में कांग्रेस के परिवार ने संविधान की पंथ-निरपेक्षता की भावना को चूर-चूर कर दिया है। हमारे संविधान निर्माताओं ने उस समय (1947) विभाजन विभीषिका के बीच भी हिंदू संस्कार और परंपरा को जीते हुए पंथ-निरपेक्षता की राह को चुना था। लेकिन कांग्रेस परिवार ने झूठे सेक्युलरिज्म के नाम पर उस महान परंपरा को तबाह कर दिया। कांग्रेस ने तुष्टिकरण का जो बीज बोया वो संविधान निर्माताओं के साथ बुहत बड़ा विश्वासघात है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस का अर्बन नक्सलवाद भारत के सामने एक नई चुनौती बनकर खड़ा हो गया है। इन अर्बन नक्सलियों का रिमोट कंट्रोल देश के बाहर है और इसलिए सभी को अर्बन नक्सलवाद से बहुत सावधान रहना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार सत्ता के लालच में जातिवाद का जहर फैला रहा है, पार्टी की प्राथमिकता केवल परिवार है, देश की जनता नहीं है। जिस पार्टी की प्राथमिकता जनता ना हो, वो लोकतंत्र के लिए बहुत ही नुकसानदायी होती है।

वक्फ बोर्ड कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति का उदाहरण

पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण के लिए कानून बनाए,सुप्रीम कोर्ट तक भी परवाह नहीं की,जिसका एक उदाहरण वक्फ बोर्ड है। दिल्ली की बात करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 में कांग्रेस ने सरकार से जाते-जाते दिल्ली के आसपास की अनेक संपत्तियां वक्फ बोर्ड को सौंप दी थी। संविधान में वक्फ कानून का कोई प्रावधान ही नहीं है। कांग्रेस ने तुष्टकिरण के लिए वक्फ बोर्ड जैसी व्यवस्था पैदा कर दी ताकि कांग्रेस के परिवार का वोट बैंक बढ़ सके।

पीएम ने महापुरुषों को किया नमन

पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे दिखाते हैं कि देश अब सिर्फ विकास चाहता है। उन्होंने झारखंड के तेज विकास के लिए अब और ज्यादा मेहनत करने का संकल्प भी लिया। पीएम ने छत्रपति शिवाजी महाराज, साहूजी महाराज, महात्मा फुले, सावित्रीबाई फुले, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, वीर सावरकर, बाला साहेब ठाकरे का जिक्र करते हुए कहा कि इन महान व्यक्तित्वों की धरती ने इस बार पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। पचास साल के बाद ये सबसे बड़ी जीत है। ये लगातार तीसरी बार है,जब बीजेपी के नेतृत्व में किसी गठबंधन को लगातार महाराष्ट्र ने आशीर्वाद दिया है। ये लगातार तीसरी बार है,जब बीजेपी महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। अकेले बीजेपी को कांग्रेस व उसके सहयोगियों से कहीं ज्यादा सीटें लोगों ने दी है। ये दिखाता है कि जब सुशासन की बात आती है तो देश सिर्फ और सिर्फ बीजेपी और एनडीए पर भरोसा करता है।

मास्टरस्ट्रोक: बीजेपी ने 170 दिनों में पलट दी बाजी

जून 2024 को आम चुनाव का परिणाम आया था। बीजेपी अकेले दम बहुमत से दूर रही। कहा गया कि नरेंद्र मोदी की अगुआई में बीजेपी अपना सर्वश्रेष्ठ पीछे छोड़ चुकी है। अब यहां से पार्टी और सरकार को बहुत संघर्ष करना होगा। उन्हें दूसरे सहयोगी दलों से समझौता कर रहना होगा साथ ही उभरते विपक्ष की आक्रामकता का सामना भी। हालात देखते हुए यह भी कहा गया कि आने वाले समय के हर विधानसभा चुनाव में बीजेपी को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसके पीछे कारण था कि अब तक जितने भी विधानसभा चुनाव होते थे वहां बीजेपी लोकसभा चुनाव के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करती थी। शुरू में कुछ संकेत भी मिले और एक के बाद एक ऐसे फैसले हुए जिसने सरकार और पार्टी के इकबाल पर सवाल उठे। मगर, चार जून से लेकर 23 नवंबर के बीच बीजेपी और सरकार ने खामोशी से गलतियों से सीख लेकर और विपक्ष की गलतियों को लाभ उठाकर पूरी सियासी बाजी पलट दी। इन 170 दिनों में सबसे पहले पार्टी और सरकार के स्तर पर बीजेपी ने सबसे पहले अपने कुनबे को समेटा। उन्हें एकजुट रखने में सफलता पाई। उनकी बातों को सुना। बीजेपी पर भले कमजोर होने का आरोप लगा लेकिन अपने सहयोगियों को हिस्सेदारी अधिक दी। संदेश दिया कि वह गठबंधन की राजनीति को लेकर गंभीर है। दूसरे चरण में पार्टी और सरकार ने सोशल इंजीनियरिंग पर पूरा फोकस रखा। आम चुनाव में दलित वोट बीजेपी से छिटके थे। इसके पीछे संविधान बदल देने का नैरेटिव था। जाति जनगणना को लेकर भी OBC में भी निराशा आने लगी थी। ?बीजेपी ने आम चुनाव के तुरंत बाद इसपर काम करना शुरू किया। राहुल गांधी की अमेरिका में आरक्षण में दिए गए स्पीच को आधार बनाकर बीजेपी लगातार सक्रिय रही। पार्टी के अंदर अमित शाह और खुद नरेंद्र मोदी ने सोशल इंजीनियरिंग को पूरा केंद्र में रखा।

एनडीए की जीत समझ से परे, किसान परेशान हैं और...नतीजों पर ठाकरे की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली एजेंसी।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में महायुति की जीत पर सवाल खड़े किए हैं। उद्धव ने महाराष्ट्र के लोगों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन एनडीए की जीत के पैमाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि परिणाम दर्शाते हैं कि लहर नहीं बल्कि सुनामी थी। लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि उन्होंने यह जनादेश पाने के लिए क्या किया। एनडीए 230 से अधिक सीटों पर आगे चल रहा था, और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) लगभग 50 निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त के साथ काफी पीछे रहकर संघर्ष करती हुई दिखाई दी। राज्य के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए, उद्धव ने किसानों के संकट और बेरोजगारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर इशारा किया, और इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि क्या इन मामलों को एनडीए के पक्ष में ऐसी चुनावी लहर की गारंटी देने के लिए संबोधित किया गया था। उन्होंने कहा कि

किसान परेशान हैं और बेरोजगारी है। इस प्रकार की सुनामी लाने के लिए उन्होंने क्या किया है? मुझे नहीं लगता कि बटेंगे कटेंगे जैसे नारे काम करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह काम नहीं आया। कुछ चीजें धर्मनिरपेक्ष हैं जैसे बेरोजगारी, महंगाई. हर कोई इससे प्रभावित है। तो यह काम नहीं किया। पूर्व सीएम ने कहा कि मैं उन्हें उनकी जीत के लिए बधाई देता हूं।

हार से सबक नहीं लेने वाली कांग्रेस अब नहीं जागी तो बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली एजेंसी।

गठबंधन की जीत और महाराष्ट्र में करारी हार के बाद जहां विपक्षी खेमे में इन चुनाव के नतीजों को लेकर समीक्षा होगी। वहीं लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस के लिए शनिवार को सामने आए नतीजे हरियाणा की हार के बाद लगातार दूसरे बड़े झटके की तरह हैं। भले ही कांग्रेस लोकसभा चुनाव के बाद दोनों ही विधानसभा चुनावों जम्मू कश्मीर और झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत को अपने सीने पर एक और तमगा मान ले, लेकिन सच्चाई यही है कि इन दोनों ही राज्यों में इंडिया ब्लॉक की जीत में कांग्रेस की भूमिका सहायक की रही है। वहीं मुख्य भूमिका में क्षेत्रीय दल रहे। दूसरी ओर

हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जहां कांग्रेस का स्टेक काफी ऊंचा था, वहां पार्टी का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। शनिवार को सामने आए चुनाव नतीजे कांग्रेस के लिए मिले-जुले रहे। जहां झारखंड में कांग्रेस अपना पुराना प्रदर्शन दोहराते हुए पिछली बार की तरह 16 सीटों पर जीत दर्ज करने कामयाब हो गई। वहीं महाराष्ट्र में पार्टी का प्रदर्शन बेइंतहा खराब रहा। महाराष्ट्र में कांग्रेस 10 फीसदी सीटें भी नहीं निकाल पाई, जहां पिछले असेंबली चुनावों में कांग्रेस 147 सीटों पर लड़कर 44 सीटें जीती थीं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस इस बार 102 सीटों पर लड़कर बमुश्किल 15 सीटें निकालती दिखी। महाराष्ट्र में उसके तमाम बड़े नेता पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण और पूर्व अध्यक्ष बाला साहेब थोराट चुनाव हार गए। दूसरी ओर नांदेड़ और वायनाड लोकसभा उपचुनावों में कांग्रेस ने वायनाड सीट निकाल ली, जो निकलनी ही थी। वहीं नांदेड़ सीट भी पार्टी ने जीत ली है। इस तरह लोकसभा में उसके नंबर 99 ही बने हुए हैं। लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन से मद और अहंकार में डूबी कांग्रेस ने कई ऐसी सीटों पर निराशाजनक प्रदर्शन किया, जहां पिछले एक साल में उसने बेहतर प्रदर्शन किया था।

महाराष्ट्र कई मायनों में खास

बीजेपी की बड़ी जीत के पीछे संघ ने कैसे निभाया अहम रोल

नई दिल्ली एजेसी।

महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत असाधारण है और कई मायनों में खास भी है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी 149 सीटों पर लड़ी और उनमें से 132 सीटों पर जीत हासिल कर ली। महाराष्ट्र में बीजेपी का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। बीजेपी के साथ ही महायुति में शामिल दूसरे दलों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस जीत के पीछे संघ की अहम भूमिका मानी जा रही है। संघ परिवार ने बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति को प्रचंड बहुमत से जिताने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी। संघ ने अपने कार्यकर्ताओं के विशाल नेटवर्क को चुपचाप सक्रिय किया और %सजग रहो% नारे के साथ राज्य भर में 60,000 से अधिक मतदाता बैठकों का आयोजन किया। इससे विपक्षी दलों के बयानों का मुकाबला करने में काफी मदद मिली और माहौल महायुति के पक्ष में हो गया। 6 नवंबर को %टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में देवेंद्र फडणवीस ने स्वीकार किया कि बीजेपी ने आरक्षण, वोट-जिहाद और संवैधानिक अखंडता जैसे मुद्दों पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों के झूठे बयानों को खारिज करने के लिए संघ से मदद मांगी थी। राजनीतिक गतिविधियों से दूरी बनाए रखने के बावजूद, संघ ने महायुति की जीत का जश्न मनाया। ऋस्र् के एक बड़े पदाधिकारी ने कहा कि यह एक अभूतपूर्व जीत है जो महाराष्ट्र पर बीजेपी के शासन को सुनिश्चित करती है। हिंदू वोटों को बंटने से संघ ने रोका आमतौर पर

संघ को पर्दे के पीछे से काम करने के लिए जाना जाता है। अगले साल अपने स्थापना दिवस की शताब्दी मनाने जा रहे आरएसएस के लिए यह दांव कई मायनों में खास है। महाराष्ट्र को जीतना केवल राजनीतिक प्रभुत्व के बारे में नहीं था, बल्कि एक ऐसी सरकार सुनिश्चित करने के बारे में भी था जो उसके वैचारिक लक्ष्यों के साथ जुड़ी हो। सूत्रों से पता चलता है कि आरएसएस अभियान का उद्देश्य विपक्ष की उन रणनीतियों का मुकाबला करना था जो जाति और समुदाय के आधार पर हिंदू वोटों को विभाजित करने की कोशिश कर रही थीं। इस एजेंडे में वोट जिहाद जैसे संवेदनशील मुद्दों को भी शामिल किया गया, बिना बटेंगे तो कटेंगे को दोहराए । ऐसा लोकसभा चुनावों में बीजेपी की हार के बाद आया। एक वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारी की ओर से कहा गया कि हिंदुओं को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश करने वाले विफल हो गए हैं। यह जीत ऐसे एजेंडे को लोगों द्वारा अस्वीकार किए जाने को दर्शाती है। संघ परिवार के दूसरे सबसे बड़े संगठन, विश्व हिंदू परिषद ने भी इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विहिप के महासचिव मिलिंद परांडे ने कहा कि उनके व्यापक अभियानों ने मतदाताओं को समझदारी से अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

महाराष्ट्र और झारखंड में खाते में पैसे भेजने से मिला चुनाव में सीधा फायदा

नई दिल्ली एजेसी।

महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी नतीजों से अर्थव्यवस्था का एक अहम पहलू फिर सतह पर आ गया है। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना हो या झारखंड में मंइयां सम्मान योजना,गरीबों की मदद के लिए अलग-अलग नाम से शुरू होने वाली डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर योजनाओं का चुनावी महत्व बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी बड़ी वजह यह है कि दमदार लष्ठक्क ग्रोथ के बीच आबादी का एक बड़ा हिस्सा मुश्किलों में घिरा हुआ है और किसी भी राहत को वह नजरंदाज करने की हालत में नहीं है। पिछले 2 दशकों पर नजर डालें तो एक

बड़ी गेमचेंजर स्कीम के रूप में 2006 में मनरेगा योजना लागू की गई। मकसद था ग्रामीण इलाकों को बेरोजगारी के कुचक्र से निकालना। इस स्कीम ने 2009 के लोकसभा चुनाव में असर दिखाया। बाद में आधार लिंक्ड डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर से जुड़ी किसान सम्मान निधि सहित कई योजनाएं केंद्र और राज्यों के स्तर पर लागू की गईं, जिनका चुनावी असर दिखा। पिछले साल कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस घोषणापत्र में गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, शक्ति और युवानिधि नाम से महिलाओं और युवाओं पर केंद्रित 5 गारंटी योजनाओं का नारा दिया गया। कांग्रेस को इसका चुनावी फायदा मिला। मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार ने भी जनवरी में लाडली बहना योजना का ऐलान कर दिया था। मार्च से हर गरीब परिवार की महिला के खाते में 1250 रुपये महीने भेजने का इंतजाम कर दिया गया। साल के अंत में हुए चुनावों में चौहान का यह दांव अमोघ अस्त्र साबित हुआ। झारखंड में इस साल अगस्त में रक्षाबंधन से एक दिन पहले मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना शुरू की। गरीब महिलाओं के खाते में हर महीने एक हजार रुपये जाने लगे।

जनवरी-अक्टूबर के दौरान चीन में वीसी फंडिंग 26.8 प्रतिशत गिरा

भारत में वेंचर कैपिटल फंडिंग में उछाल दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडिंग में उछाल देखने को मिल रहा है, जबकि चीन में इस साल जनवरी-अक्टूबर की समान अवधि में मूल्य के हिसाब से वीसी फंडिंग में 26.8 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

जनवरी-अक्टूबर के दौरान चीन में 28.2 बिलियन डॉलर मूल्य के कुल 2,116 वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडिंग सौदों की घोषणा की गई।

एक प्रमुख डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबलडेटा के अनुसार, 'यह वीसी डील वॉल्यूम में सालाना आधार पर 22.5 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है, जबकि कुल घोषित फंडिंग मूल्य में 26.8 प्रतिशत की गिरावट आई है।' एक विश्लेषण से पता चला है कि जनवरी से अक्टूबर 2023 तक, चीन में कुल 2,731 वीसी सौदों की घोषणा की गई, जिनका घोषित फंडिंग मूल्य 38.5 बिलियन डॉलर था।

चीन में घोषित 100 मिलियन डॉलर से अधिक या उसके बराबर मूल्य के वी.सी. सौदों की संख्या जनवरी-अक्टूबर 2023 के दौरान 70 से घटकर जनवरी-अक्टूबर 2024 के दौरान 50 हो गई।

ग्लोबलडाटा के प्रमुख विश्लेषक ऑरोज्योति बोस ने कहा, 'कंपनियों पर कार्रवाई के साथ-साथ चल रहे संघर्ष, अनिश्चित बाजार स्थितियों और आर्थिक चुनौतियों ने निवेशकों की भावनाओं पर भारी असर डाला है।' बोस ने बताया कि इसे इस तथ्य से भी समझा जा सकता है कि जनवरी-अक्टूबर 2023 की तुलना में जनवरी-अक्टूबर 2024 के दौरान चीन में बड़े सौदों की संख्या में गिरावट देखी गई।

जनवरी से अक्टूबर 2024 तक वैश्विक स्तर पर घोषित वी.सी. सौदों की कुल संख्या में चीन की हिस्सेदारी 15.4 प्रतिशत रही, जबकि संबंधित फंडिंग मूल्य के मामले में इसकी हिस्सेदारी 12.9 प्रतिशत रही।

बोस ने कहा कि इस गिरावट के बावजूद, चीन ने वैश्विक वीसी क्षेत्र में पर्याप्त उपस्थिति बनाए रखी है। सौदों की मात्रा और मूल्य दोनों के मामले में अमेरिका के ठीक बाद दूसरे स्थान पर है।

भारत में वीसी निवेशक निवेश के लिए ट्रेडिशनल सेक्टर जैसे फिनटेक, इलेक्ट्रिक वाहन और कंज्यूमर टेक्नोलॉजी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसमें मजबूत जनसांख्यिकी और अर्थव्यवस्था और वाइब्रेंट कैपिटल मार्केट की भूमिका अहम रही।

अक्टूबर में, भारत ने 91 सौदों में 4.7 बिलियन डॉलर के निजी इक्विटी/उद्यम पूंजी निवेश दर्ज करवाए, जो सितंबर से 40 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है। आईवीसीए-ईवाई मासिक पीई/वीसी राउंडअप के अनुसार, अक्टूबर में क्रेडिट निवेश प्रमुख डील प्रकार था।

बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स उछलकर 79,000 के पार, निफ्टी 557 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी। स्थानीय शेयर बाजार में शुक्रवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 1,961.32 अंक उछलकर 79,000 के स्तर को फिर से हासिल कर लिया। निचले स्तर पर चौतरफा लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत लिवाली और अमेरिकी बाजार में मजबूत रुख से भी बाजार में तेजी रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,961.32 अंक यानी 2.54 प्रतिशत उछलकर 79,117.11 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 2,062.4 अंक तक चढ़ गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 557.35 अंक यानी 2.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,907.25 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल सभी तीस शेयर लाभ में रहे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटी और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख कंपनियों के शेयरों में अच्छी लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, आईटीसी, इन्फोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

अदाणी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों में से ज्यादातर लाभ में रहे। अमेरिका में गौतम अदाणी तथा अन्य पर कथित रूप से रिश्वत देने के मामले में शामिल होने के आरोप के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में बृहस्पतिवार को बड़ी गिरावट आई थी।

बीएसई में अंबुजा सीमेंट में 3.50 प्रतिशत, एसीसी 3.17 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज 2.16 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 2.05 प्रतिशत, अदानी टोटल गैस 1.18 प्रतिशत और एनडीटीवी में 0.65 प्रतिशत की तेजी रही।

शेयर बाजार के आंकड़े के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 5,320.68 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,200.16 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया कॉस्पी और जापान का निक्की बढ़त में रहे जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.19 प्रतिशत चढ़कर 74.37 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर रहा। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 422.59 अंक और एनएसई निफ्टी 168.60 नुकसान में रहे थे।

बीएमडब्ल्यू इंडिया जनवरी से अपने मॉडलों की कीमत तीन प्रतिशत तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। जर्मनी की लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू की भारतीय इकाई बीएमडब्ल्यू इंडिया अपने सभी मॉडलों की कीमत अगले साल जनवरी से तीन प्रतिशत तक बढ़ाएगी।

कंपनी ने कहा कि नई दरें एक जनवरी, 2025 से प्रभावी होंगी।

कंपनी की स्थानीय रूप से निर्मित कारों की रेंज में 2-सीरीज ग्रैन कूप, 3-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 5-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 7-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, एक्स1, एक्स3, एक्स5, एक्स7 और एम340आई शामिल हैं। बीएमडब्ल्यू पूर्ण निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आई4, आई5, आई7, आई7 एम70, आईएक्स1, बीएमडब्ल्यू आईएक्स, जेड4 एम40आई, एम2 कूप जैसे मॉडल भी बेचती है। पिछले हफ्ते, मर्सिडीज-बेंज ने इनपुट लागत में वृद्धि, मुद्रास्फीति के दबाव और उच्च परिचालन व्यय का हवाला देते हुए एक जनवरी, 2025 से भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमतों में तीन प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की थी।

भारत में मर्सिडीज-बेंज कारों की कीमतें जीएलसी के लिए दो लाख रुपये से लेकर शीर्ष मर्सिडीज-मेबैक एस 680 लग्जरी लिमोसिन के लिए नौ लाख रुपये तक बढ़ जाएंगी।

जेप्टो ने घरेलू वित्तपोषण चरण में 35 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली, एजेंसी। त्वरित वाणिज्य कंपनी जेप्टो ने शुक्रवार को अपने हालिया वित्तपोषण (फंडरेजिंग) दौर में 35 करोड़ डॉलर जुटाने की घोषणा की। कंपनी ने इसे भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर सबसे बड़ा 100 प्रतिशत घरेलू वित्तपोषण जुटाने का प्रतीक बताया है। इस चरण में भारतीय एचएनआई (अमीर लोग), पारिवारिक कार्यालय और अग्रणी वित्तीय संस्थानों से निवेश शामिल है। इस वित्तपोषण दौर का नेतृत्व विशेष रूप से मोतीलाल ओसवाल के 'प्राइवेट वेल्थ डिवीजन' द्वारा किया गया।

इस वित्तपोषण अभियान में कई पारिवारिक कार्यालयों और निवेशकों ने भाग लिया। इनमें मोतीलाल ओसवाल एएमसी और रामदेव अग्रवाल, तापड़िया पारिवारिक कार्यालय, मैनकाइंड फार्मा पारिवारिक कार्यालय, सेलो पारिवारिक कार्यालय, हल्दीराम स्नैक्स पारिवारिक कार्यालय, सेखसरिया पारिवारिक कार्यालय, कल्याण पारिवारिक कार्यालय, हैप्पी फोर्जिंग्स पारिवारिक कार्यालय, मदर्स रेसिपी पारिवारिक कार्यालय (देसाई ब्रदर्स) और अभिषेक अमिताभ बच्चन और सचिन रमेश तेंदुलकर जैसे उल्लेखनीय व्यक्ति शामिल थे। जेप्टो ने कहा, 'यह दौर परिवर्तनकारी स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए भारतीय निवेशकों की बढ़ती प्रतिबद्धता को दशार्ता है।' जेप्टो ने कहा कि यह 'ऐतिहासिक वित्तपोषण' ऐसे समय में हुआ है जब भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू स्तर पर संचालित वृद्धि की ओर तेजी से बढ़ रही है।

सिल्वर ईटीएफ के तहत प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति अक्टूबर में चार गुना होकर 12,331 करोड़ रुपये

कोलकाता, एजेंसी। सिल्वर ईटीएफ एक लोकप्रिय निवेश विकल्प के रूप में उभरा है, जिसकी प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) में पिछले एक साल में उल्लेखनीय चार गुना वृद्धि देखी गई है। यह अक्टूबर 2024 में 12,331 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो पिछले साल अक्टूबर में 2,844.76 करोड़ रुपये थी। इक्रा एनालिटिक्स ने कहा कि यह उछाल घरेलू मुद्रास्फीति के दबावों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच चांदी में निवेशकों की रूचि बढ़ी है।

इक्रा एनालिटिक्स के अनुसार, 2022 में पेश किए गए सिल्वर ईटीएफ ने अपनी सुलभता और पारदर्शिता से खुदरा निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है। अक्टूबर 2024 में सिल्वर ईटीएफ के तहत कुल 'फोलियो' की संख्या 215 प्रतिशत बढ़कर 4.47 लाख हो गई, जबकि एक साल पहले यह 1.42 लाख थी। इसी अवधि में शुद्ध प्रवाह सालाना आधार 24 प्रतिशत बढ़कर 643.10 करोड़ रुपये हो गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रमुख (बाजार डेटा) अश्विनी कुमार ने बताया कि बाजार में सिल्वर ईटीएफ की संख्या अप्रैल 2023 में आठ से बढ़कर अगस्त 2024 में 12 हो गई। उन्होंने कहा, 'सिल्वर ईटीएफ को भौतिक रूप से खरीदी जाने वाली चांदी की तुलना में अधिक पसंद किया जाता है, क्योंकि इन्हें आसानी से 'स्टोर' किया जा सकता है। ङ्ग.खरीद पर जीएसटी से जुड़ी लागत कम होती है। वे अधिक कुशल और नगदी निवेश विकल्प प्रदान करते हैं, क्योंकि वे शेयर बाजार पर सूचीबद्ध होते हैं, जिससे निवेशक यूनिट का निर्बाध रूप से व्यापार कर सकते हैं।' सिल्वर ईटीएफ का निवेश प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा है। एक महीने, तीन महीने, छह महीने और एक साल की अवधि में औसत मुनाफा क्रमशः 7.57 प्रतिशत, 16.02 प्रतिशत, 20.25 प्रतिशत और 32.49 प्रतिशत रहा, जो समान अवधि में सोने के ईटीएफ से हुए मुनाफे से बेहतर रहा।

टमाटर की खुदरा कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार ने 28 नये विचारों को वित्तपोषित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। टमाटर की खुदरा कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला और प्रसंस्करण स्तर में सुधार के लिए आयोजित 'हैकाथॉन' के तहत टमाटर से वाइन बनाने सहित 28 नये विचारों का चयन और वित्तपोषण किया है।

इस वित्तपोषण से इन स्टार्टअप को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने शुक्रवार को कहा कि टमाटर मूल्य श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर नए विचारों को आमंत्रित करने के लिए पिछले साल जून में 'टमाटर ग्रैंड चैलेंज (टीजीसी) हैकाथॉन' शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि इस पहल का मकसद उपभोक्ताओं को किफायती कीमतों पर टमाटर की उपलब्धता सुनिश्चित करना और टमाटर किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाना था। टीजीसी को उपभोक्ता मामलों के विभाग ने शिक्षा मंत्रालय (नवाचार प्रकोष्ठ) के सहयोग से तैयार किया था।

खरे ने कहा, 'टमाटर की कीमतों में बहुत उतार-चढ़ाव आता है। अत्यधिक बारिश, गर्मी और कीटों के हमले के कारण कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है।' उन्होंने कहा कि साल में कम से कम 2-3 बार अचानक कीमतों में 100 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है। कभी-कभी कीमतों में भारी गिरावट आती है, जिससे किसानों की आय प्रभावित होती है। खरे ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, कटाई से पहले और बाद में होने वाले नुकसान को कम करने और प्रसंस्करण स्तर को बढ़ाने की जरूरत है, ताकि कीमतों में स्थिरता लाई जा सके।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने आंध्र प्रदेश में दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए समझौता किया

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने दो लाख करोड़ रुपये की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए एनआरईडीसीएपी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

बिजली क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एनटीपीसी की अक्षय ऊर्जा इकाई एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने हाल ही में 102-108 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे के साथ 10,000 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पेश किया है।

नायडू ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि एनजीईएल ने आंध्र प्रदेश में 2,00,000 करोड़ रुपये की लागत वाली नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परियोजनाएं स्थापित करने के लिए एनआरईडीसीएपी (आंध्र प्रदेश के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम) के साथ एक संयुक्त उद्यम पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सहयोग 25 गीगावाट सौर/पवन, 10 गीगावाट पंप भंडारण परियोजनाओं (पीएसपी) और 0.5 एमएमटीपीए हरित हाइड्रोजन के विकास पर केंद्रित होगा। नायडू ने कहा, 'इस ऐतिहासिक परियोजना से एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा होंगी तथा हमारे राज्य को देश की हरित ऊर्जा क्रांति में अग्रणी अक्षय ऊर्जा राज्य के रूप में स्थापित करेगी।'

अदाणी समूह के ज्यादातर शेयरों में दूसरे दिन भी गिरावट; अदाणी ग्रीन 11 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ के शेयरों में शुक्रवार को सुबह के कारोबार के दौरान गिरावट दर्ज की गई।

अरबपति गौतम अडानी पर अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि वे सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने की योजना का हिस्सा थे।

बीएसई पर अदाणी ग्रीन एनर्जी 10.95 प्रतिशत और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 8.57 प्रतिशत लुढ़ककर 52 सप्ताह के निचले स्तर 637.85 रुपये पर आ गए।

समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 6.98 प्रतिशत लुढ़ककर 52 सप्ताह के निचले स्तर 2,030 रुपये पर आ गया।

अदाणी पावर के शेयरों में 6.38 प्रतिशत की गिरावट आई, अदाणी टोटल गैस में 6.11 प्रतिशत की गिरावट आई, अदाणी पोर्ट्स में 5.31 प्रतिशत की गिरावट आई। अदाणी विल्मर के शेयर में 5.17 फीसदी की गिरावट आई और यह एक साल के निचले स्तर 279.20 रुपये पर आ गया और एनडीटीवी में 3.41 प्रतिशत की गिरावट आई।

इसके विपरीत, एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स शुरूआती सौदों में गिरावट के बाद भी दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 781.02 अंक बढ़कर 77,936.81 पर और एनएसई निफ्टी 228.90 अंक चढ़कर 23,578.80 पर कारोबार कर रहे हैं।

बृहस्पतिवार को अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी।

अदाणी समूह ने बृहस्पतिवार को सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तें हासिल करने के लिए रिश्वत देने के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं और समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता है।

समूह ने कहा कि सभी संभव कानूनी उपाय तलाशे जाएंगे।

एक नजर

भारत के टेक और ड्यूरेबल ऑफलाइन रिटेल मार्केट की वृद्धि दर 10 प्रतिशत रही

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टेक और ड्यूरेबल ऑफलाइन रिटेल मार्केट की सालाना आधार पर वृद्धि दर इस की जनवरी से सितंबर की अवधि के बीच 10 प्रतिशत रही है। इसकी वजह घरेलू खर्च योग्य आय और छोटे कस्बों में इंटरनेट की पहुंच बढ़ना है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। कंज्यूमर इंटेलिजेंस कंपनी नीलसनआईक्यू (एनआईक्यू) ने जीएफके इंटेलिजेंस के साझेदारी में जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि छोटे शहर तीसरी तिमाही (जुलाई- सितंबर) अवधि में भारत के टेक और ड्यूरेबल मार्केट के ग्रोथ इंजन बनकर उभरे हैं। इस अवधि में क्लास 3 टाउन में 9 प्रतिशत की वैल्यू ग्रोथ देखने को मिली है। यह क्लास 1 टाउन में 6 प्रतिशत और क्लास 2 टाउन में 5 प्रतिशत रही है। वहीं, क्लास 4 टाउन और इससे अधिक में वैल्यू ग्रोथ 3 प्रतिशत रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ती आय, अधिक इंटरनेट पहुंच और बढ़ी हुई आकांक्षाएं जैसे कारक इन शहरों में उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं से लेकर प्रीमियम उत्पादों तक हर चीज पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उपभोक्ताओं का रुझान सुविधा, कनेक्टिविटी और स्थिरता प्रदान करने वाले उत्पादों की ओर बढ़ रहा है। नीलसनआईक्यू के कस्टमर सक्सेस-टेक एंड ड्यूरेबल्स के प्रमुख अनंत जैन ने कहा, 'उपभोक्ताओं की टिकाऊ सुविधाओं वाले उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग के कारण भारतीय टेक और ड्यूरेबल बाजार मजबूत बना हुआ है।' उन्होंने आगे कहा, 'त्योहारी सीजन का भी इस ग्रोथ में अहम योगदान है। साथ ही विशेष ऑफर और प्रमोशन से भी बाजार फायदा हुआ है।' जुलाई-सितंबर की अवधि में, भारत में टेक और ड्यूरेबल वस्तुओं के ऑफलाइन रिटेल मार्केट में 6 प्रतिशत की वैल्यू ग्रोथ देखी गई, जो बड़े पैमाने पर उपकरण क्षेत्र द्वारा संचालित थी। सबसे बड़ा योगदान देने वाली श्रेणी टेलीकॉम रही है। इसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की वैल्यू ग्रोथ देखी गई है। एनआईक्यू के '2024 मिड-ईयर कंज्यूमर आउटलुक' में बताया गया कि सर्वे में भाग लेने वाले 67 प्रतिशत शहरी ग्राहकों का मानना है कि वे खिफायती और इनोवेटिव उत्पादों का उपयोग करना चाहते हैं।

वॉट्सऐप ने पेश किया नया फीचर, वॉइस मैसेज को पढ़ना होगा आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटा का लोकप्रिय चैटिंग ऐप वॉट्सऐप यूजर्स के लिए एक नया फीचर लेकर आया है। कंपनी ने वॉइस मैसेज ट्रांसक्रिप्ट नाम से नया फीचर पेश किया है। जिससे यूजर्स वॉइस मैसेज को टैक्स्ट में बदल सकेंगे। कंपनी का कहना है कि यह नया फीचर यूजर्स की बातचीत को बाधित नहीं करेंगे और वो चैटिंग के दौरान दूसरा कोई भी काम कर सकते हैं। वॉट्स ऐप का ये नया फीचर दुनिया भर के यूजर के लिए कुछ सप्ताह में शुरू कर दिया जाएगा। ये फीचर पहले कुछ भाषाओं में और बाद में दुनिया भर की भाषाओं में उपलब्ध होगा। वॉट्सऐप ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा है कि दोस्तों और परिवार वालों को वॉइस मैसेज भेजना और भी ज्यादा पर्सनल हो जाता है। कंपनी ने कहा, 'अपनों से दूर रहते हुए उनकी आवाज सुन पाना बेहद खास होता है। हालांकि, कई बार आप एक ऐसी स्थिति और भीड़ भरी जगह पर होते हैं जहां आप उस काम को छोड़कर चैट के बीच एक लंबे वॉइस मैसेज को नहीं सुन पाते हैं। ठीक ऐसी ही स्थिति के लिए हम अपने यूजर्स के लिए वॉइस मैसेज ट्रांसक्रिप्ट पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं। ट्रांसक्रिप्ट आपके डिवाइस पर जनरेट होते हैं, इसलिए कोई भी दूसरा व्यक्ति यहां तक कि खुद वॉट्सऐप भी आपके पर्सनल मैसेज को न रीड कर सकता है न ही सुन सकता है।' इस फीचर को इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले वॉट्सऐप ऐप ओपन करना होगा। इसके बाद सेटिंग्स और चैट्स पर आना होगा। चैट पर ही आपको वॉइस मैसेज ट्रांसक्रिप्ट का ऑप्शन मिलेगा, जिसे ऑन-ऑफ किया जा सकेगा और भाषा को सेलेक्ट किया जा सकेगा। वॉट्सऐप का कहना है कि इसे इस्तेमाल करने के लिए आपको सेटिंग, चैट और वॉइस मैसेज ट्रांसक्रिप्ट पर जाना होगा। फिर आप किसी भी वॉइस मैसेज को लंबे समय तक दबा कर रखें और पॉप अप होने वाले मेनू से ट्रांसक्राइब पर टैप करने के साथ वॉयस नोट की ट्रांसक्रिप्ट तैयार कर सकते हैं। इससे पहले वॉट्सऐप ने यूजर्स के लिए मैसेज ड्राफ्ट फीचर पेश किया था। जो कि यूजर की एक कॉमन परेशानी 'एक अधूरे मैसेज को सेंड करना भूल जाना' से जुड़ा था। फीचर को लेकर कंपनी का कहना था कि जब आप मैसेज टाइप करते हैं लेकिन सेंड बटन दबाना भूल जाते हैं तो इस तरह की चैट को अब ड्राफ्ट लेबल के साथ देखा जा सकेगा। यह ड्राफ्ट मैसेज चैट लिस्ट में सबसे ऊपर नजर आएगा, ताकि आप जल्दी से अपने मैसेज को पूरा कर भेज सकें।

ज़िंका लॉजिस्टिक्स का शेयर करीब तीन प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध; बाद में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रक संचालकों के डिजिटल मंच जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्युशंस लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को 273 रुपये के निर्गम मूल्य से लगभग तीन प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर की शुरूआत निर्गम मूल्य से 2.21 प्रतिशत ऊपर 279.05 रुपये पर हुई। लेकिन, बाद में शेयर ने शुरूआती बढ़त खो दी और 3.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ यह 263.60 रुपये पर कारोबार कर रहा था। एनएसई पर शेयर 2.89 प्रतिशत चढ़कर 280.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में कंपनी का शेयर तीन प्रतिशत गिरकर 264.65 रुपये पर आ गए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,697.86 करोड़ रुपये रहा। सोमवार को बोली के अंतिम दिन तक जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश को 1.86 गुना अभिदान मिला था। शेयर बिक्री का मूल्य दायरा 259-273 रुपये प्रति शेयर था। आईपीओ में 550 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर जारी किए गए तथा 2.06 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की गई।

पीवीआर आईनॉक्स अगले साल करीब 200 करोड़ रुपये के निवेश से 100 स्क्रीन जोड़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सिनेमा प्रदर्शक कंपनी पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड ने अगले साल करीब 100 स्क्रीन जोड़ने की योजना बनाई है, जिसमें करीब 200 करोड़ रुपये का निवेश होगा। कंपनी के कार्यकारी निदेशक संजीव कुमार बिजली ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने फिल्म खोजने और बुकिंग अनुभव के लिए कृत्रिम मेधा (एआई)संचालित व्हाट्सएप चैटबॉट, मूवी जॉकी (एमजे) पेश किया है। कंपनी की योजना भविष्य में हर साल 100 स्क्रीन जोड़ने की है। बिजली ने यहां कार्यक्रम में पीटीआई-भाषा से कहा, 'इस साल अब तक हमने करीब 70 स्क्रीन खोली हैं और करीब 45-50 स्क्रीन बंद कर दी हैं। हम इस साल करीब 40 और स्क्रीन जोड़ेंगे और 10-15 स्क्रीन बंद कर देंगे।' उन्होंने कहा कि इस साल करीब 75 स्क्रीन बंद करने और करीब 120 स्क्रीन जोड़ने का विचार है। 'इसलिए हम सही रास्ते पर हैं।' भविष्य की विस्तार योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर बिजली ने कहा, 'अगले साल हम प्रति वर्ष करीब 100 स्क्रीन जोड़ने की सोच रहे हैं।' निवेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगले साल 100 स्क्रीन के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय होगा। वर्तमान में, पीवीआर आईनॉक्स के पास भारतभर के 111 शहरों में 355 संपत्तियों में 1,744 स्क्रीन हैं।

आईपीएल मेगा ऑक्शनः

ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे क्रिकेटर

- **लखनऊ ने 27 करोड़ की बोली लगाकर खरीदा, श्रेयस को पंजाब ने 26.75 करोड़ दिए**

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी जारी है। शुरू में 12 मार्की खिलाड़ियों पर बोली लगी। इस बार मार्की खिलाड़ियों की सूची में सात भारतीय और पांच विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी क्रिकेट जगत में काफी लोकप्रिय हैं इन्होंने पिछले कुछ सालों में टी20 क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। इनमें सभी की नजर ऋषभ पंत पर थी। पंत को नीलामी से पहले दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने रिलीज किया था। उन पर बड़ी बोली लगनी तय थी और ऐसा ही हुआ भी। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा।

2016 के बाद पहली बार पंत दिल्ली के अलावा किसी और टीम से खेलते दिखेंगे। पंत हाल फिलहाल में शानदार फॉर्म में रहे हैं। उन्होंने पिछले साल कार दुर्घटना के बाद वापसी करते हुए खूब रन बनाए थे। लखनऊ की टीम उन्हें कप्तान बना सकती है। पंत इस तरह आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में श्रेयस अय्यर को पीछे छोड़ दिया है जो थोड़ी देर पहले ही 26.75 करोड़ रुपये में बिके थे। ऋषभ पंत के लिए लखनऊ और आरसीबी के बीच शुरुआत में जंग देखने मिली। पंत दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य के साथ नीलामी में उतरे थे और कम ही समय में उनकी कीमत 10 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई थी। इस दौरान हैदराबाद भी दौड़ में शामिल हुई, लेकिन लखनऊ ने भी हार नहीं मानी। नीलामी टेबल पर हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन और लखनऊ के मालिक संजय गोयनका लगातार पंत के लिए बोली लगाते रहे और देखते ही देखते कीमत 17 करोड़ के पार पहुंच गई।

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंचे, दूसरे टेस्ट में टीम का हिस्सा होंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के पर्थ पहुंच गए हैं। वे शनिवार (23 नवंबर) देर रात मुंबई एयरपोर्ट से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवानाहुए थे। रोहित ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले से ब्रेक लिया था।

रोहित की गैरमौजूदगी में पहले टेस्ट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम की कमान संभाली। वहीं केएल राहुल ओपनिंग का जिम्मा संभाले। रोहित दूसरे टेस्ट में टीम का हिस्सा होंगे। रोहित के अलावा बाकी भारतीय टीम 10-11 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट कल से शुरू होगा। दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होगा, जो डे-नाइट मैच है।

रोहित शर्मा पर्थ पहुंच गए हैं।

दूसरी बार पिता बने रोहित टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित दूसरी बार पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने 15 नवंबर को देर रात बेटे को जन्म दिया। रोहित ने अपने बच्चे के जन्म के लिए टीम इंडिया से ब्रेक लिया था। 2015 में की थी शादी रोहित ने 13 दिसंबर 2015 को रितिका सजदेह से शादी की थी। 30 दिसंबर 2018 को रितिका ने बेटी समायरा को जन्म दिया।

समायरा अब 5 साल की हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट खेलेगी टीम इंडिया टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 32 साल बाद 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने गई है। सीरीज का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा, टीम फिर 6 दिसंबर से एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट खेलेगी। सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया में 4 टेस्ट जीतने ही होंगे।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्टः

ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए चाहिए 522 रन, स्कोर 12/3

पर्थ, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ स्टेडियम में पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का पहला मैच पर्थ स्टेडियम में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर रोकने के बाद भारत ने तीसरे दिन 218 रन की लीड के आगे खेलना शुरू करते हुए यशस्वी जायसवाल (161) और विराट कोहली (100) के शतकों के अलावा केएल राहुल की 77 रन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 6 विकेट के नुकसान पर 487 रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया के सामने 535 रन का लक्ष्य रखा है। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से दूसरी इनिंग में नाथन लायन ने 2 विकेट अपने नाम किए जबकि मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिशेल मार्श ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए मैदान में उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट के नुकसान पर 12 रन बनाए। इस दौरान मोहम्मद सिराज ने 2 जबकि जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट अपने नाम किया।

विराट कोहली ने 491 दिन बाद जड़ा शतक

- ब्रेडमैन को छोड़ा पीछे
- तेंदुलकर, द्रविड़ और गावस्कर के क्लब में हुए शामिल

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन रविवार (24 नवंबर) को यशस्वी जायसवाल के बाद विराट कोहली ने शतक जड़कर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। कोहली ने पर्थ टेस्ट के तीसरे दिन 30वां शतक जड़ा। 491 दिन बाद उन्होंने शतक जड़कर दिग्गज डॉन ब्रेडमैन को पीछे छोड़ दिया। वह 30 या इससे ज्यादा शतक लगाने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर यह कारनामा कर चुके हैं। विराट कोहली ने 29वां टेस्ट शतक वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में 20 जुलाई 2023 को लगाया था। इसके बाद 15 पारी में वह शतक नहीं लगा पाए। पर्थ टेस्ट की पहली पारी में वह 5 रन बनाकर आउट हो गए थे। 2024 में कोहली का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। इस शतक से पहले वह सिर्फ 2 अर्धशतक ही जड़ पाए थे।

यशस्वी ऑस्ट्रेलिया में अपने पहले टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बने

पर्थ, एजेंसी। युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल रविवार को ऑप्टस स्टेडियम में पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के शुरुआती टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। जयसवाल ने पारी के 61वें ओवर में अपना शतक बनाया जिसमें उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के लगाए। 100 रन की इस पारी के साथ बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर शतक बनाने वाले भारत के तीसरे बल्लेबाज बन गए।

यह उपलब्धि हासिल करने वाले अन्य दो बल्लेबाज एम.एल. जयसिम्हा (1967-68) और महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर (1977-78) हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने भारत के लिए 23 साल की उम्र से पहले एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक बनाने का रिकॉर्ड भी दर्ज किया। वह 28 दिसंबर को अपना जन्मदिन मनाएंगे। बल्लेबाज के नाम अभी तक तीन शतक हैं और 2024 में अभी तीन मैच और खेलने हैं।

इस सूची में जायसवाल से ऊपर सुनील गावस्कर (1971 में 4 शतक), विनोद कांबली (1993 में 4 शतक), रवि शास्त्री (1984 में 3 शतक) और सचिन तेंदुलकर (1992 में 3 शतक) हैं। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक बनाने वाले आखिरी भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (110) थे जिन्होंने 2014-15 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर शतक बनाया था। इस शतक के साथ उन्होंने एक और रिकॉर्ड बनाया।

प्रियांश आर्या के शतक से जीती दिल्ली, रिंकू सिंह ने खेली तूफानी पारी

नईदिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 में ग्रुप सी के मुकाबले में दिल्ली की टीम ने उत्तर प्रदेश (यूपी) को 47 रन से हराने में सफलता हासिल की। दिल्ली के लिए इस मैच में प्रियांश आर्या का प्रदर्शन कमाल का रहा जिन्होंने शतक लगाया।

यूपी के लिए रिंकू सिंह ने जरूर बेहतरीन पारी खेली, लेकिन वो टीम को जीत का स्वाद नहीं चखा पाए। इस मैच में यूपी ने टॉस जीता और दिल्ली को पहले बल्लेबाजी करने को कहा। इसके बाद दिल्ली ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 233 रन बनाए और यूपी को जीत के लिए 234 रन का बड़ा टारगेट मिला। यूपी ने दूसरी पारी में 20 ओवर में 8 विकेट पर 186 रन बनाए और इस टीम को हार मिली।

प्रियांश आर्या ने लगाया शतक

दिल्ली की तरफ से इस मैच मे यूपी के खिलाफ ओपनर बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने 10 छक्के और 5 चौकों की मदद से 102 रन की पारी खेली और उन्होंने 43 गेंदों का सामना किया। यश ढुल ने इस मैच में 6 रन बनाए जबकि कप्तान आयुष बदोनी ने 26 रन की पारी खेली। इसके बाद हिम्मत सिंह ने 6 छक्के और 4 चौकों की मदद से 34 गेंदों पर नाबाद 77 रन की पारी खेली। यूपी की तरफ से कप्तान भुवनेश्वर कुमार और नितीश राणा को एक-एक सफलता मिली।

दिल्ली ने यूपी को जीत के लिए बड़ा टारगेट दिया था।

प्रीमियर लीगः

चार बार के चैंपियन मैनचेस्टर सिटी की टोटेनहैम के हाथों करारी हार

लंदन, एजेंसी। चार बार के गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को शनिवार को यहां टोटेनहैम के खिलाफ प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले में 0-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी जो सभी प्रतियोगिताओं में उसकी लगातार पांचवीं हार है। इस हार के बाद मैनचेस्टर सिटी की टीम शीर्ष पर चल रहे लीवरपूल से पांच अंक पीछे है। सिटी के 23 जबकि लीवरपूल के 28 अंक हैं। लीवरपूल ने हालांकि एक मैच कम खेला है। टोटेनहैम की टीम 19 अंक के साथ छठे स्थान पर है। टोटेनहैम की ओर से जेम्स मेडिसन (13वें और 20वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि पेड्रो पोरो (52वें मिनट) और ब्रेनेन जॉनसन (90 प्लस तीन मिनट) ने एक-एक गोल किया। तीसरे स्थान पर काबिज चेल्सी ने लीसेस्टर को 2-1 से हराया जबकि चौथे स्थान पर चल रहे आर्सेनल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। पांचवें स्थान पर मौजूद ब्राइटन ने बोर्नेमाउथ को 2-1 हराया।

बैडमिंटनः

फाइनल में पहुंचने से चूकी सात्विक-चिराग की जोड़ी

शेनझेन, एजेंसी। विश्व नंबर एक रह चुकी भारतीय जोड़ी 74 मिनट तक चले मुकाबले में दबाव बरकरार नहीं रख सकी और गैर वरीय कोरियाई जोड़ी से 18-21, 21-14, 16-21 से हार गई। भारत के सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी शनिवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के जिन योंग और सियो सेउंग जे से तीन गेम में हारकर बाहर हो गई।

विश्व नंबर एक रह चुकी भारतीय जोड़ी 74 मिनट तक चले मुकाबले में दबाव बरकरार नहीं रख सकी और गैर वरीय कोरियाई जोड़ी से 18-21, 21-14, 16-21 से हार गई। पेरिस ओलंपिक के बाद अपने पहले टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रही यह भारतीय जोड़ी पिछले चरण के फाइनल में पहुंची थी।

एफ-1 विश्व चैंपियनशिपः

मैक्स वेरस्टापेन ने चौथी बार एफ-1 विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता, बना दिया खास रिकॉर्ड

लास वेगास, एजेंसी। वेरस्टापेन ने तीन हफ्ते पहले ब्राजील में ग्रिड पर जीत हासिल करके 10-रेस के जीत के सूखे को समाप्त कर दिया था और यह सुनिश्चित किया था कि उनका खिताब बचा रहे।

मैक्स वेरस्टापेन फॉर्मूला वन के इतिहास में चार विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले सिर्फ छठे रेसर बन गए हैं। उन्होंने रविवार को लास वेगास ग्रां प्री में पांचवें स्थान पर रहकर प्रतिद्वंद्वी लैंडो नोरिस को विश्व खिताब जीतने से वंचित कर दिया। वेरस्टापेन अब जुआन मैनुअल फैंगियो (पांच खिताब), एलेन प्रोस्ट (चार), माइकल शूमाकर (सात), सेबेस्टियन वेटेल (चार) और लुईस हैमिल्टन (सात) की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

वेरस्टापेन ने तीन हफ्ते पहले ब्राजील में ग्रिड पर जीत हासिल करके 10-रेस के जीत के सूखे को समाप्त कर दिया था और यह सुनिश्चित किया था कि उनका खिताब बचा रहे।

सफेद मोहरो से करेंगे भारत के गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप की शुरुआत

सिंगापुर, एजेंसी। फीडे 2024 विश्व शतरंज चैंपियनशिप के उदघाटन समारोह के साथ ही मैच की शुरुआत हो गयी और साथ ही अब पहले मुकाबले की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। डिंग लिरेन और गुकेश डी के बीच उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर सिंगापुर के कैपिटल थियेटर में 400 से अधिक मेहमान उपस्थित थे, जो सिंगापुर के सांस्कृतिक और नागरिक क्षेत्र के दिल में स्थित एक प्रमुख स्थल है। गाला शाम की शुरुआत शानदार संगीत प्रस्तुति, और दोनों देशों चीन और भारत के राष्ट्रगानों से हुई। इसके बाद सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम था दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले मुकाबले के लिए रंगों का चयन करना,और इस बार गुकेश डी को पहले खेल में सफेद मोहरे मिले।

2013 की विश्व शतरंज चैंपियनशिप में आनंद के खिलाफ कार्लसन नें सफेद मोहरो से खेल की शुरुआत की थी और कई शतरंज प्रेमी

इसे गुकेश के लिए भी अच्छा बता रहे है । सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वयक, श्री तेओ ची हेअन ने इस ऐतिहासिक मैच के महत्व पर बात की और कहा, यह विश्व चैंपियनशिप हमारे क्षेत्र के लिए विशेष महत्व रखती है। यह पहली बार है जब दो एशियाई ग्रैंडमास्टर एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। सिंगापुर इस ऐतिहासिक मैच का मेज़बान बनकर गर्वित है। अध्यक्ष, श्री आर्कडी ड्वॉर्कोविच ने मीडिया का धन्यवाद करते हुए कहा, आज हम इतिहास रचने जा रहे हैं, जब भारतीय टाइगर गुकेश, 18 साल की उम्र में, चीन के ड्रेगन डिंग लिरेन, विश्व चैंपियन को चुनौती देंगे। यह मैच न केवल शतरंज के इतिहास को आकार देगा, बल्कि भविष्य को भी प्रभावित करेगा, क्योंकि इस मैच को दुनिया भर में लाखों लोग देखेंगे।

इस विश्व चैंपियनशिप में डिंग लिरेन (चीन) और गुकेश डी (भारत) के बीच 14-मुकाबलों का मैच होगा।

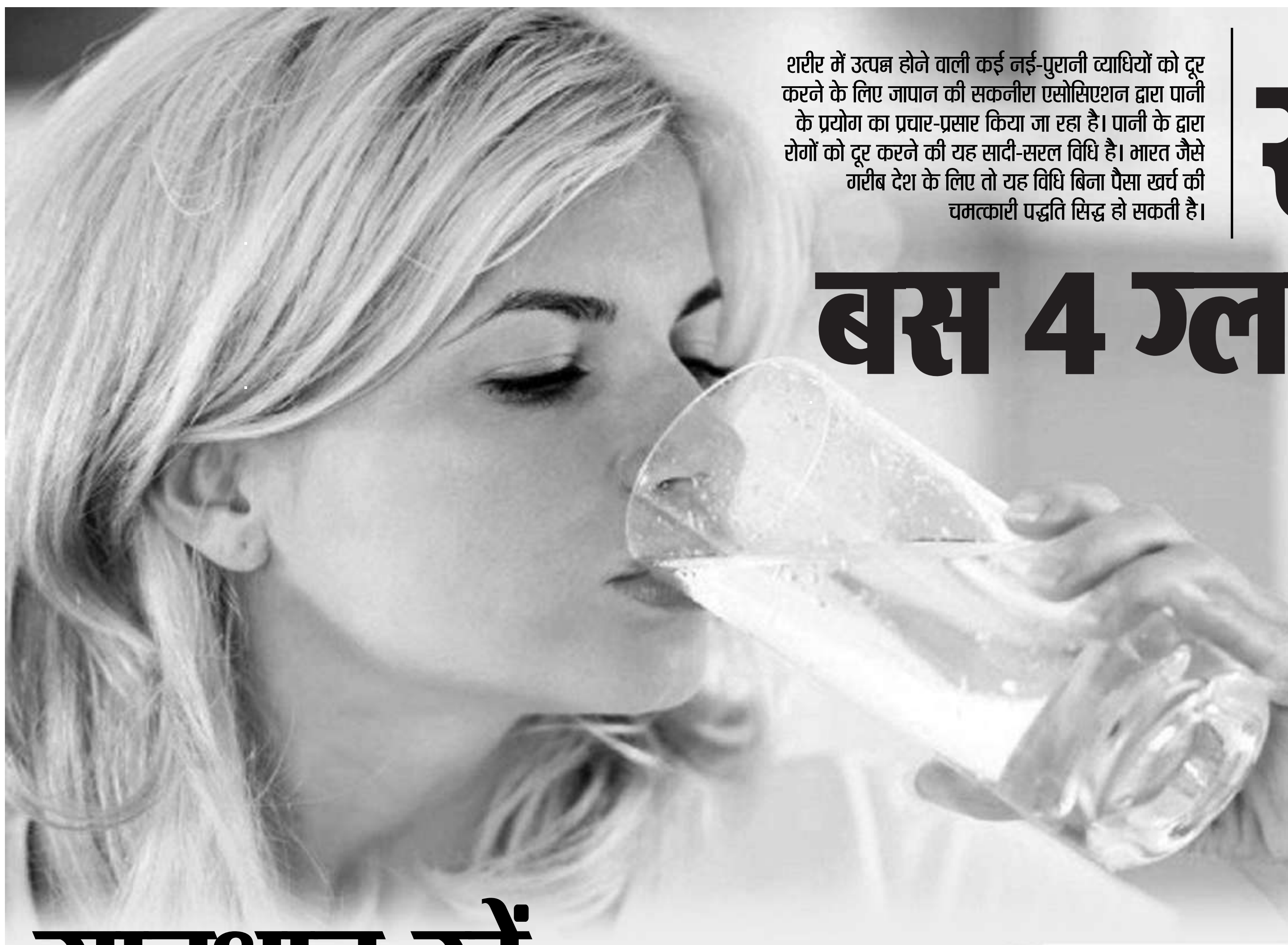

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज

बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग। ● उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग। ● टी.बी. छः माह के लगभग। ● कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें

ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स` उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भ ी त र इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार

ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है

विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी

हेल्थ फैक्ट्स है.

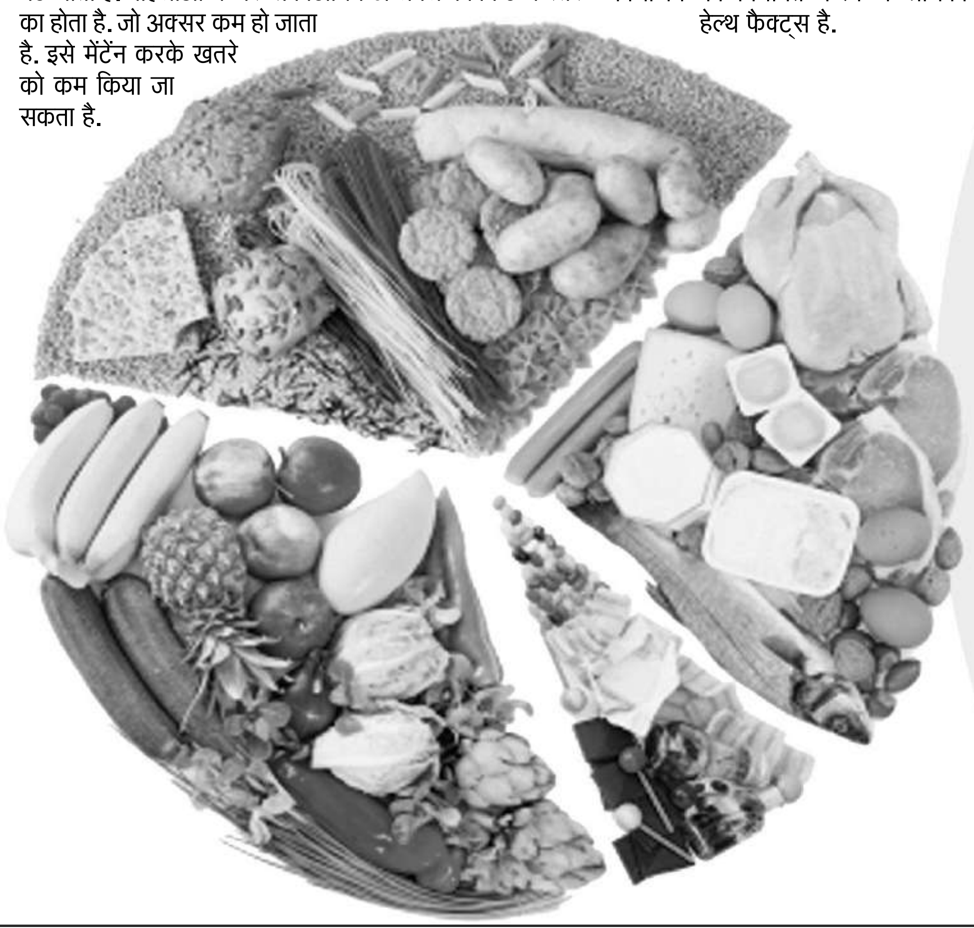

जरा संभलकर

मम्मी टू बी...

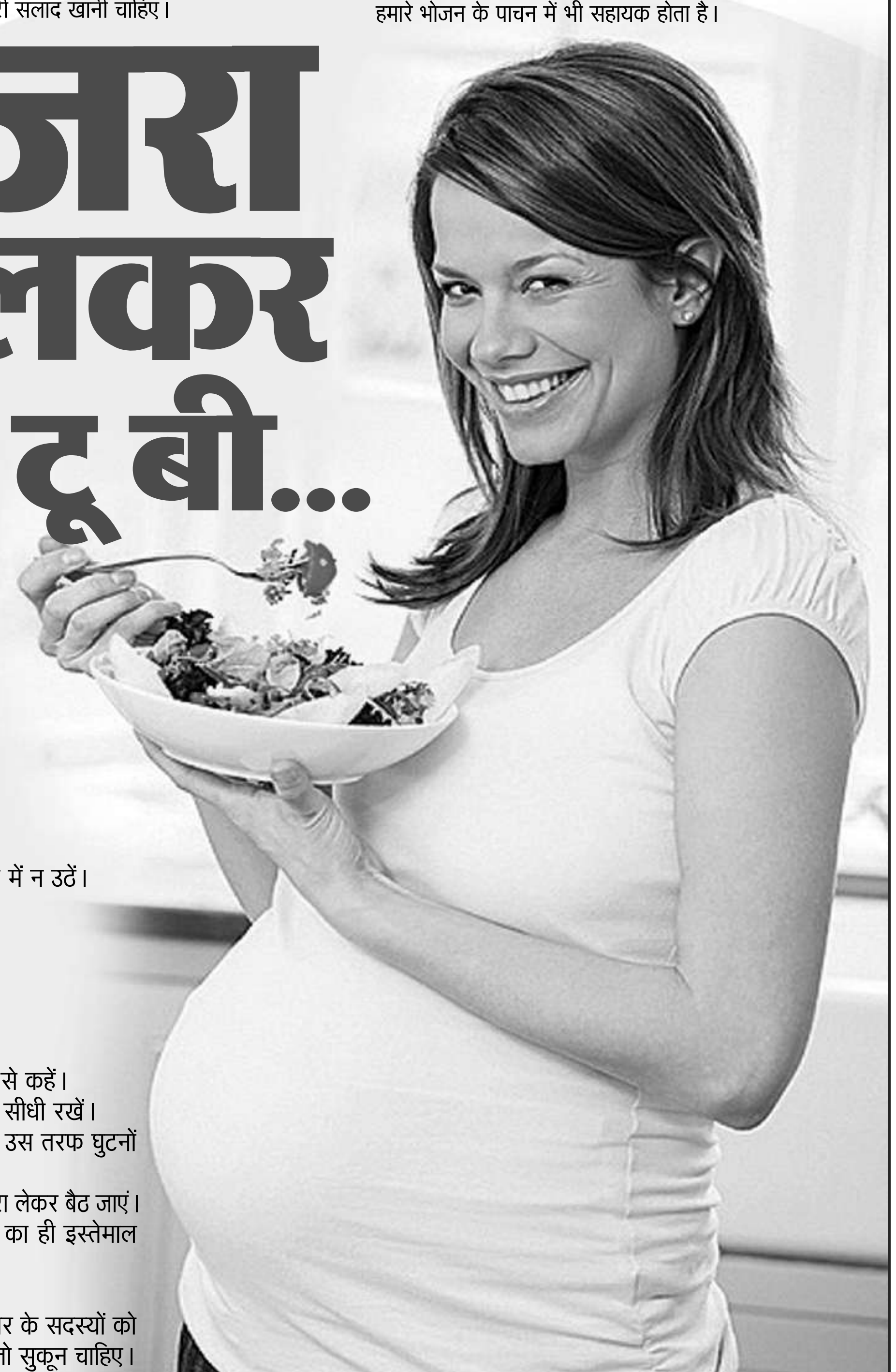

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं। ● कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें। ● जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

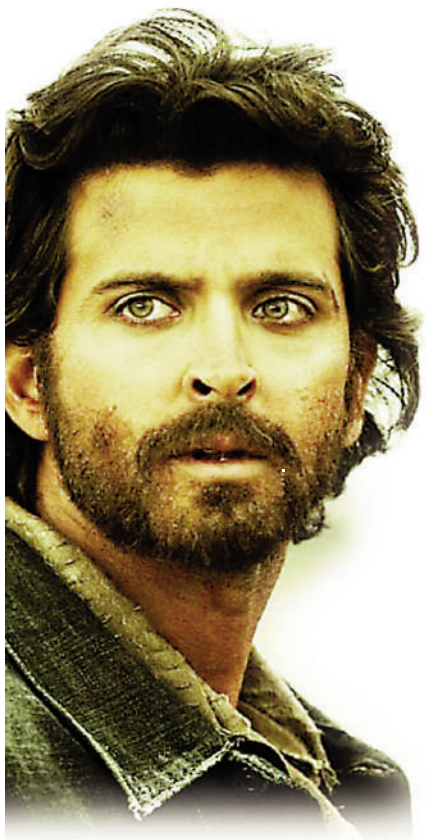

कृष 4 से वापसी करेंगे ऋतिक रोशन

फिल्म निर्देशक राकेश रोशन ने अपने निर्माता के किरदार पर ध्यान केंद्रित किया है। हाल ही में उन्होंने घोषणा की है कि वे निर्देशन से रिटायरमेंट ले रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे कृष 4 को प्रोड्यूस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने प्रोडक्शन हाउस से अपने बेटे की फिल्म बनाने वाले हैं।

क्रिश 4 लेकर आ रहे हैं राकेश रोशन

राकेश रोशन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि वे कभी निर्देशन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही कृष 4 को लेकर घोषणा करेंगे। बता दें कि राकेश रोशन ने ऋतिक रोशन की फिल्म बैंग बैंग, वॉर और फाइटर को भी प्रोड्यूस किया है। उन्होंने कहा, कृष जल्द ही वापस आ रहा है।

क्रिश के पिछले पार्ट को भी पसंद करते हैं प्रशंसक

राकेश रोशन ने 2003 में साइंस–फिक्शन फिल्म कोई मिल गया के साथ इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत की थी। उन्होंने 2006 में कृष के साथ इसे सुपरहीरो सीरीज में विस्तारित किया, इसके बाद 2013 में कृष 3 बनाई। ऋतिक रोशन ने पूरी सीरीज में रोहित और उनके बेटे कृष्णा, जिन्हें कृष के नाम से भी जाना जाता है, दोनों की भूमिका निभाई।

फाइटर बने ऋतिक रोशन

वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋतिक रोशन को उनकी हालिया फिल्म फाइटर में देखा जा चुका है। इस फिल्म में उन्हें अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखा गया था। पिछले साल हुई कृष 4 की घोषणा के बाद से यह लगातार चर्चा में बनी हुई है। सिनेमप्रेमी इसके बारे में हर चीज जानने के लिए काफी उत्सुक हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। ऐसे में यह खबर उनके लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी नोरा फतेही

ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही ने एक बार फिर अपने नवीनतम सहयोग से सुर्खियां बटोरी हैं। इस बार प्रतिष्ठित रैपर यो यो हनी सिंह के साथ, नोरा उनके आगामी संगीत वीडियो पायल में उनके बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी से अभिनय करेंगी। सोशल मीडिया पर नोरा ने म्यूजिक वीडियो का टीज़र पोस्ट किया और इसे कैप्शन दिया, यह अगली बड़ी चीज़ का समय है। एल्बम ग्लोरी से पायल का आधिकारिक संगीत वीडियो जिसे यो यो हनी सिंघ द्वारा गाया है एवं फीचर नोरा फतेही है और इसे पाराडोक्स पर कल जारी किया गया। इससे पहले, हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की एक रील साझा की थी, जिसमें खुलासा किया था कि उन्होंने संगीत वीडियो को –3 डिग्री सेल्सियस तापमान में फिल्माया है। नोरा के समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने उन्हें महान और बहुत मेहनती बताया। नोरा हर नए प्रोजेक्ट के साथ अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करना जारी रख रही हैं, एक अभिनेत्री, डांसर और गायिका के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं, जिससे एक ग्लोबल स्टार के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत होती है। अब, जैसा कि टीज़र में देखा गया है, नोरा के शानदार डांस मूव्स दृश्यों को खूबसूरत बना रहे हैं, संगीत वीडियो उत्साह बढ़ाने के लिए तैयार है, जो प्रशंसकों के लिए एक शानदार उपहार होने का वादा करता है। 46 मिलियन से अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के साथ नोरा ने खुद को एक अंतरराष्ट्रीय सनसनी के रूप में मजबूती से स्थापित कर लिया है। वह वर्तमान में अपनी पहली तेलुगु फिल्म मटका की शानदार प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है। हाल ही में, उन्होंने पेरिस फैशन वीक 2024 में भी ब्रांड के सिग्नेचर डिजाइनों में लुई वुइटन शो में शानदार प्रदर्शन करते हुए तहलका मचा दिया। अपनी उल्लेखनीय श्रृंखला को जोड़ते हुए, नोरा अंतर्राष्ट्रीय कलाकार जेसन डेरुलो के साथ एक और संगीत वीडियो की रिलीज़ के लिए भी तैयारी कर रही है।

सुष्मिता सेन इरादों को अमल में लाने में रखती हैं विश्वास

अभिनेत्री सुष्मिता सेन, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग क्राइम–थ्रिलर सीरीज आर्या सीजन 3 में देखा गया था, इरादों को अमल में लाने में विश्वास रखती हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, एक इंच आगे बढ़ने एक मील के सपने देखने से बेहतर है। उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने सपनों को भी शक्तिशाली बताया लेकिन उन्होंने सपनों को क्रियान्वित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, यह आश्चर्यजनक है कि किसी भी चीज को हासिल करने की यात्रा कितनी सरल हो सकती है। इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है लेकिन बिना गति के यह एक बेकार उपकरण है। इंच दर इंच हम मील तय करते हैं। इससे पहले अभिनेत्री अपने दांत के दर्द का इलाज कराने के लिए एक दंत चिकित्सक के पास गई थी। जब वह दंत चिकित्सक के क्लिनिक के बाहर क्लिक की गई, क्लिनिक के बाहर खड़े पैपराजी से बातचीत की, तो यह स्पष्ट था कि उन्हें स्थानीय एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी, क्योंकि उसकी बोली लड़खड़ा रही थी। दर्द में होने के बावजूद, अभिनेत्री ने अपनी खास गर्मजोशी और करुणा के साथ पैपराजी का अभिवादन किया। काम के मोर्चे पर सुष्मिता को आखिरी बार अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज आर्या में देखा गया था, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्हें स्ट्रीमिंग बायोग्राफिकल ड्रामा ताली- बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में भी देखा गया था, जिसमें उन्होंने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई थी। रवि जाधव द्वारा निर्देशित यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के जीवन और संघर्ष के महत्वपूर्ण क्षणों को कवर करती है।

क्या अहसास चन्ना और तारुक रैना डेट कर रहे हैं?

के एक्टर अहसास चन्ना और तारुक रैना, एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के दो बेहतरीन स्टार्स हैं, जिनके बारे में अफवाह है कि वे एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में, अहसास चन्ना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने को–स्टार तारुक रैना के साथ एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की, जिसके कैप्शन में एक ऑरेंज हार्ट बना हुआ है। आप को बता दें मिसमैच्ड के तीसरे सीजन में साथ नज़र आएंगे , लेकिन अहसास चन्ना और तारुक रैना के प्रशंसक खुद को उनकी तारीफ करने से नहीं रोक पाए। जैसे ही अहसास ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की, उनके प्रशंसक तुरंत ही कमेंट सेक्शन में अपनी विचार शेयर करना शुरू कर दिया । एक कमेंट में लिखा था, सबसे प्यारे, जबकि दूसरे में लिखा था, करो ना ऑफिशियल प्लीज। एक और कमेंट में लिखा था, आप दोनों साथ में कमाल के लग रहे हैं। जहाँ कई यूज़र्स ने दोनों की तारीफ़ की, वहीं कई ने दिल और बुरी नज़र वाले इमोजी बनाए। अहसास चन्ना और तारुक रैना ने खुद को डिजिटल स्पेस में इस्टेब्लिश कर लिया है, और उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उनकी डेटिंग की अफ़वाहें पब्लिक फिगर के रूप में उनके आकर्षण को और बढ़ाती हैं। जहाँ अहसास ने टेलीविज़न और डिजिटल डोमेन में खुद के लिए जगह बनाई है, वहीं तारुक कई वेब शो का हिस्सा रहे हैं। इस बीच, मिसमैच्ड में उनके सहयोग की लोगों के बीच बहुत चर्चा हुई, जिससे वे सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली ऑन–स्क्रीन जोड़ी बन गए। अब, अहसास और तारुक मिसमैच्ड के तीसरे सीज़न के साथ लोगों को खुश करने के लिए तैयार हैं। प्राजक्ता कोली और रोहित सराफ अभिनीत मिसमैच्ड 3 जल्द ही स्ट्रीम होने वाली है।

पांचवीं बार निर्देशन की कमान संभालेंगे अजय देवगन

अजय देवगन और अक्षय कुमार की हालिया रिलीज फिल्म सिंघम अगेन सिनेमाघरों मे लगी हुई है। रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में अजय ने बाजीराव सिंघम और अक्षय ने वीर सूर्यवंशी की भूमिका निभाई है। कॉप ड्रामा फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन चिंताजनक है। यह अब तक अपना बजट भी नहीं निकाल सकी है। वहीं, अजय और अक्षय एक नई फिल्म पर काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इस बार वे सह–कलाकार के रूप में काम नहीं करेंगे। ट्विस्ट यह है कि अजय इस फिल्म का निर्देशन करेंगे जिसमें अक्षय मुख्य भूमिका में होंगे। एक हालिया मीडिया इवेंट में अजय देवगन ने अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा की। जब अभिनेता से उनके अगले सहयोग के बारे में पूछा गया, तो अजय ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसकी हम बाद में घोषणा करने वाले थे लेकिन मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन मंच है। हम पहले से ही एक साथ एक फिल्म पर चर्चा कर रहे हैं, जिसका मैं निर्देशन कर रहा हूं और अक्षय इसमें मुख्य कलाकार हैं।

अक्षय कुमार को निर्देशित करेंगे अजय

अधिक जानकारी के लिए पूछे जाने पर अजय ने कहा कि अभी ज्यादा कुछ बताना जल्दबाजी होगी। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वे इस बारे में जल्द ही बात करेंगे। अजय देवगन निर्देशित इस फिल्म के बारे में अधिक जानना दिलचस्प होगा, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। सिंघम अगेन से पहले अजय देवगन और अक्षय कुमार ने सूर्यवंशी, सुहाग और खाकी जैसी फिल्में कीं।

अजय देवगन के निर्देशन में बनीं फिल्में

एक निर्देशक के रूप में यह अजय देवगन की पांचवीं फिल्म होगी। अजय ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत साल 2008 की फिल्म आई यू मी और हम से की। इसमें अभिनेता अपनी रियल लाइफ पत्नी काजोल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आए। इसके बाद उन्होंने साल 2016 में शिवाय फिल्म का निर्देशन किया, जो एक एक्शन–एडवेंचर फिल्म है। इस मूवी में भी अजय मुख्य किरदार में दिखाई दिए। 2012 में उन्होंने रनवे 34 के निर्देशक की कमान संभाली। इस फिल्म में अजय और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में नजर आएं। अजय की बतौर निर्देशक आखिरी फिल्म साल 2023 की भोला रही, जिसमें उन्हें तब्बू के साथ देखा गया।

मालिक की शूटिंग पूरी, फिल्म के लिए राजकुमार राव ने किए शारीरिक बदलाव

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव के पास कतार में कई फिल्में हैं। उन्होंने स्त्री 2 की सफलता का जश्न मनाने के बाद विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अभिनय किया। हालांकि, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इस बीच अब राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म मालिक की तैयारियों में जुटे हुए हैं। अब इस फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। अभिनेता राजकुमार राव ने अपनी आगामी फिल्म मालिक की शूटिंग पूरी कर ली है। पुलकित द्वारा निर्देशित यह फिल्म राव की पहली पूर्ण एक्शन फिल्म होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्शन डायरेक्टर विक्रम दहिया की देखरेख में राजकुमार ने अपनी फिट बॉडी बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। फिल्म का निर्माण अगस्त के अंत में लखनऊ में शुरू हुआ और इसके बाद पूरे उत्तर प्रदेश में तीन महीने तक इसका निर्माण चला। मालिक की प्रोडक्शन टीम ने लखनऊ, वाराणसी और उन्नाव में शूटिंग की। उन्होंने ब्रह्मावर्त घाट पर भव्य दिवाली उत्सव का दृश्य फिल्माया, जहां हजारों दीये जलाए गए। कानपुर में फिल्म की शूटिंग का आखिरी चरण मुख्य किरदार की शादी के दृश्य के साथ पूरा हुआ। यहीं पर तीन दिन पहले मालिक की शूटिंग खत्म हुई थी।

फिल्म में राजकुमार राव का किरदार

मालिक में राजकुमार राव दो अलग–अलग लुक में नजर आएंगे– एक क्लीन–शेव्ड और दूसरा रफ–टफ, दाढ़ी वाला। उनका किरदार धीरे–धीरे एक बदमाश से गैंगस्टर में बदल जाता है। अभिनेता ने कुछ एक्शन दृश्यों की शूटिंग की है, जिनमें हथियारों के साथ–साथ हाथापाई भी शामिल है। बंगाली सुपरस्टार प्रसेनजीत चटर्जी फिल्म में राव के गुरु की भूमिका निभा रहे हैं। मालिक में राव के साथ मानुषी छिल्लर भी हैं। 2017 में ऐतिहासिक ड्रामा बोस- डेड/अलाइव की सफलता के बाद निर्देशक पुलकित के साथ अभिनेता की यह दूसरी परियोजना है। हालांकि, उनकी पिछली परियोजना एक अलग शैली की थी, लेकिन मालिक एक बड़े पैमाने की कहानी और फिल्म होने का दावा कर रही है और एक अभिनेता के रूप में राजकुमार राव की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करेगी।

मैं बॉलीवुड की तरह नशे का एड नहीं करता

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में तेलंगाना सरकार से कानूनी नोटिस मिलने के बाद सुर्खियां बटोरीं । नोटिस में उन्हें हैदराबाद में अपने आगामी कॉन्सर्ट के दौरान शराब , ड्रग्स या हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने नहीं बजाने की चेतावनी दी गई थी। अब सिंगर ने इस नोटिस पर मजाकिया अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी है। गुजरात के अहमदाबाद में अपने संगीत कार्यक्रम के दौरान दिलजीत दोसांझ ने अपने कॉन्सर्ट के आसपास के कानूनी मुद्दे को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उन्हें उस दिन कोई नोटिस नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने अपने दर्शकों को आश्वासन दिया कि शराबबंदी कानूनों का सम्मान करते हुए, वह प्रदर्शन के दौरान शराब से संबंधित गाने नहीं गाएंगे। दिलजीत ने चल रहे विवाद को यह स्पष्ट करके भी संबोधित किया कि बॉलीवुड में शराब के बारे में कई गाने हैं, लेकिन उनके कुछ ही ट्रैक इसका संदर्भ देते हैं। उन्होंने बॉलीवुड हस्तियों पर भी कटाक्ष किया और बताया कि वह शराब का समर्थन या विज्ञापन नहीं करते हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009